हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 24 मई 2026

प्रकट हुए बाबा बर्फानी, बना 7 फीट का शिवलिंग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर भी सामने आ गई है। मई 2026 के अंत में अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बर्फानी बाबा का दिव्य शिवलिंग लगभग 6–7 फीट की ऊंचाई के साथ पूर्ण आकार में प्रकट हो गया है। यात्रा शुरू होने से पहले ही सुरक्षाबलों और श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर लिए हैं, जिससे भक्तों में जबरदस्त उत्साह है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी।

अमरनाथ में जवानों ने किए पहले दर्शन, 3 जुलाई से शुरू होगी यात्रा

15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं एडवांस रजिस्ट्रेशन

इस बार बाढ़ वाली जगह पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे

इस साल सभी संवेदनशील हिस्सों और आपदा की आशंका वाले स्थानों को तीर्थयात्रियों के लिए 'नो-एंट्री जोन' घोषित किया गया है। बालटाल और नुनवान रास्तों के दोनों ट्रैक को चौड़ा किया गया है। पुलों को भी बेहतर बनाया गया है। बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाओं को देखते हुए संवेदनशील जगहों पर कैंप नहीं लगाए जाएंगे।

अमरनाथ यात्रा 2026 कब शुरू होगी?

इस पवित्र यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। श्रद्धालु अब यात्रा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से परमिट ले सकते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे।

चारधाम यात्रा का एक महीना पूरा, 20 लाख श्रद्धालु पहुंचे

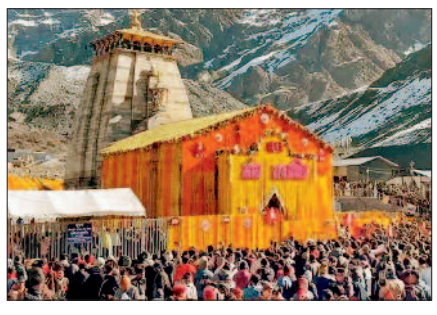

चारों धामों के कपाट खुलने को शनिवार को एक महीना पूरा हो चुका है। अब तक 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं। वहीं, यात्रा के लिए अब तक 40 लाख से अधिक लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। 2025 के शुरुआती एक महीने में 28 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसकी तुलना में इस बार रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या में लगभग 43% का उछाल आया है। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल चारधाम यात्रा के पहले महीने में लगभग 17.17 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए आए थे। इसकी तुलना में इस बार अब तक लगभग 10.62% अधिक श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं।

75 श्रद्धालुओं की हो चुकी है मौत

चारधाम यात्रा में बदलते मौसम और ऑक्सीजन की कमी के चलते यात्रा की शुरुआत (19 अप्रैल) से लेकर अब तक 75 श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने के कारण मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा 38 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गईं। इसके बाद बद्रीनाथ में 19, यमुनोत्री में 10 और गंगोत्री धाम में 8 तीर्थयात्रियों की जान गई है।

केरल में शुरू होगा 'ऑपरेशन तूफान : द नार्को हंट'

तिरुवनंतपुरम। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शनिवार को 'ऑपरेशन तूफान : द नार्को हंट' नामक राज्यव्यापी मादक पदार्थ विरोधी अभियान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य मादक पदार्थ गिरोहों पर शिकंजा कसना और राज्य में नशीले पदार्थों के प्रसार पर रोक लगाना है। चेन्निथला ने यहां पुलिस मुख्यालय में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की पहली उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद इस पहल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह विशेष अभियान एक जून से शुरू होगा, जो गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने के साथ ही आरंभ किया जाएगा। इसका ध्यान विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशीली दवाओं के वितरण नेटवर्क को खत्म करने पर केंद्रित होगा। गृह मंत्री ने स्कूल परिसरों के निकट तंबाकू उत्पादों और मादक पदार्थों की बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ, विशेष रूप से सिंथेटिक ड्रग्स, केरल में गंभीर खतरे के रूप में उभर रहे हैं और पुलिस आने वाले दिनों में इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सघन अभियान चलाएगी।

शांति समझौते पर बात किसी सिरे लगती नहीं आ रही नजर

मिडिल ईस्ट में फिर जंग की आहट, ईरान पर नए हमले शुरू करने के मूड में ट्रंप

इधर ईरान ने भेजा नया प्रस्ताव, -होर्मुज खोलने की कही बात

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

ईरान के साथ शांति समझौते को लेकर अगर अंतिम समय की बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंचती है तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर 'गंभीरता से विचार कर सकते हैं'। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' ने शुक्रवार को खबर में यह जानकारी दी।

खबर में कहा गया कि ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार सुबह राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस बीच, पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे और कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतिम समय में समझौता कराने के प्रयास में उनका साथ दिया। 'एक्सियोस' को दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सुबह ईरान के साथ युद्ध के संबंध में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई। राष्ट्रपति से सीधे बात करने वाले सूत्रों के अनुसार, ट्रंप वार्ता में अंतिम समय में कोई सफलता न मिलने की स्थिति में ईरान के खिलाफ नए हमले शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

'हर दिन इधर-उधर भेजा जा रहा मसौदा

इधर, मुनीर की मुलाकात ईरान के 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर' के कमांडर और ईरानी निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनरल अहमद वाहिदी से होने की उम्मीद है। 'एक्सियोस' की खबर में कहा गया कि राजनयिक प्रयासों से अवगत एक अमेरिकी अधिकारी ने वार्ता को बेहद 'चुनौतीपूर्ण' बताया और यह भी कहा कि मसौदा 'हर दिन इधर-उधर भेजा जा रहा है' लेकिन कोई खास प्रगति नहीं हो रही है।

वार्ता में 'मामूली प्रगति'

शुक्रवार सुबह 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप के साथ हुई बैठक में उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, सीआईए (सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी) के निदेशक जॉन रैटक्लिफ, व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'ईरान समझौता करना चाहता है। देखते हैं क्या होता है। लेकिन हमने उन्हें कड़ा झटका दिया है और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। वे इसे नहीं रख सकते।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीडन में पत्रकारों से कहा कि ईरान के साथ वार्ता में 'मामूली प्रगति' हुई है।

ईरान ने भेजा प्रस्ताव लेकिन शर्तें भी रखीं

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने के लिए मध्यस्थों को नया प्रस्ताव सौंपा है। ईरान का यह प्रस्ताव ऐसे समय में सामने आया है, जब वॉइट हाउस से लगातार ईरान को धमकी दी जा रही है। रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर सैन्य कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी के हवाले से ड्रॉप न्यूज साइट ने बताया है कि तेहरान ने समझौते के ड्राफ्ट में कुछ शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में होर्मुज जलडमरूमध्य को अस्थायी रूप से फिर से खोलना शामिल है, लेकिन यह बात पर तय करेगा कि पहले अमेरिका तेहरान की शर्तों को पूरा करना होगा। ये शर्तें हैं- अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म करे। ईरान की अरबों डॉलर की जब्त संपत्तियों को जारी करे। ईरान को युद्ध में हुए नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था हो।

चीन के कोयला खदान में गैस विस्फोट, 90 लोगों की मौत

200 से अधिक लोगों को बचाया गया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई, अब तक 201 खनिकों को बचाया गया है। बीजिंग के आधिकारिक समाचार पत्र 'चाइना डेली' ने जानकारी दी कि गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ।

विस्फोट के बाद से बचाव अभियान जारी है। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट हुआ है। यह घटना उस समय हुई, जब खदान के अंदर कुल 247 मजदूर काम कर रहे थे। खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर खतरनाक सीमा से ऊपर पहुंच गया था।

सबसे बड़ा खनन हादसा

यह दुर्घटना पिछले दस वर्षों में चीन के सबसे घातक खनन हादसों में गिनी जा रही है। इससे पहले 2023 में उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया में एक ओपन-पिट कोयला खदान धंसने से 53 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2009 में हेइलोंगजियांग प्रांत की एक खदान में विस्फोट में 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। 2000 के दशक की शुरुआत में गैस विस्फोट और बाढ़ जैसी घटनाओं में बड़ी संख्या में मजदूरों की मौत होती थी।

हैरानी की बात

हैरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शिन्हुआ ने शुरुआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौत की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़ाकर बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा।

कई अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

पीएम मोदी से मिले रूबियो अमेरिका आने का दिया न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। मार्को रूबियो ने पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित अन्य सीनियर अफसर भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत करके मुझे खुशी हुई। हमने भारत-यूएस व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने एक्स पर मीटिंग की फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के लिए मार्को रूबियो के साथ शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। हमने सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग को और गहरा करने के तौर-तरीकों पर सार्थक चर्चा की - ये ऐसे क्षेत्र हैं जो हमारे दोनों राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक स्वतंत्र व खुले इंडो-पैसिफिक को आगे बढ़ाते हैं। भारत और अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है!

भारत की मेजर को संयुक्त राष्ट्र का पुरस्कार

संयुक्त राष्ट्र। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सेवारत भारतीय शांतिरक्षक, मेजर अभिलाषा बराक को विश्व संस्था द्वारा प्रतिष्ठित 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' के लिए नामित किया गया है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 29 मई को सम्मानित किया जाएगा। पश्चिम एशियाई देश में तैनाती के दौरान महिलाओं और लड़कियों के साथ किए गए संपर्क प्रयासों के लिए बराक को 2025 का 'यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी दी।

नक्सल प्रभावित इलाके में गुजारे तीन दशक

बस्तर में आदिवासियों की सेवा पति-पत्नी को मिलेगा पद्मश्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के सुदूर बस्तर क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय से आदिवासी समुदायों को स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सहायता प्रदान कर रहे पति-पत्नी डॉ. रामचंद्र गोडबोले और सुनीता गोडबोले को 25 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा।

वर्ष 1990 में विवाह के तुरंत बाद गोडबोले दंपति बस्तर पहुंच गए और तब से उन्होंने अपना जीवन दुर्गम व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी आबादी की सेवा में समर्पित कर दिया, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं या तो सीमित थीं या न के बराबर थीं। दंपति को पहले भी सामाजिक सेवा के लिए कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें 2001 में पुणे के नाटू प्रतिष्ठान द्वारा दिया गया 'सेवा गौरव' पुरस्कार भी शामिल है।

दूरदराज में लगाए स्वास्थ्य शिविर

महाराष्ट्र के सतारा जिले से बीएएमएस की डिग्री प्राप्त करने वाले डॉ. रामचंद्र गोडबोले ने पिछले 15 वर्षों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की मदद से बस्तर के दूरदराज के वन क्षेत्रों में 100 से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाये और 9,000 से अधिक रोगियों की चिकित्सा जांच व उपचार किया। उनकी पत्नी पुणे से समाज कार्य में स्नातकोत्तर सुनीता गोडबोले ने आदिवासी महिलाओं और बच्चों के साथ निरंतर जमीनी स्तर पर जुड़कर चिकित्सा योजनाओं को और मजबूत किया। स्थानीय आदिवासी भाषाओं गोंडी और हल्बी में पारंगत दंपति ने पोषण, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में व्यापक कार्य किया है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जंगल में बूंद-बूंद के लिए संघर्ष

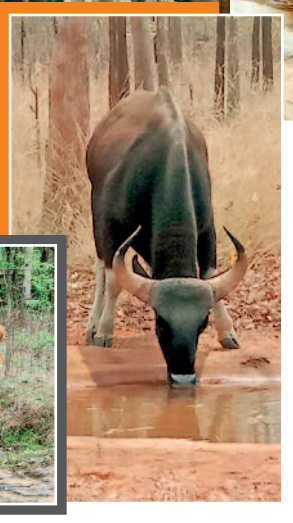

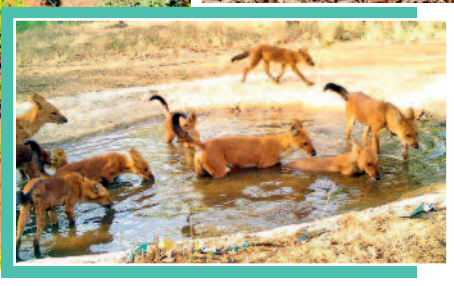

यूएसटीआर से एटीआर तक वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था

वन्यजीवों के पानी पीने की हरिभूमि के पास जो फोटो है, वो फोटो उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, बारनवापारा, कोरबा, अचानकमार टाइगर रिजर्व, कोरबा तथा ▶▶| शेष पेज 9 पर

जंगल में जल... वन विभाग के लिए बना मिशन, जलकुंड बनाए

रायपुर- गिरीश केशरवानी, बिलासपुर-मनीष वर्मा, कोरबा-अश्विनी मिश्रा की रिपोर्ट

राज्य में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप है। गर्मी की वजह से जंगल के प्राकृतिक जल स्त्रोत पूरी तरह से सूख गए हैं। वन्यजीव बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। जानवरों को बचाने और उनकी प्यास बुझाने के लिए वन विभाग के लिए जल उपलब्ध कराना मिशन बन गया है। विभाग जानवरों के लिए पीने की पानी की व्यवस्था करने सौसर का निर्माण कराने, टेंकर से सप्लाई करने और ▶▶| शेष पेज 9 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

बिलासपुर-कोरबा में दिन में दो बार पानी सप्लाई

अचानक मार टाइगर रिजर्व और कोरबा के दूरस्थ जंगल में वन्यप्राणियों की प्यास बुझाने के लिए जगह जगह व्यवस्था की गई है। इन स्थलों पर दिन में दो से तीन बार दमकल के जरिए पानी भरा जा रहा है। भीषण गर्मी ने जंगल के जीवन पर भी असर डाला है। प्रतिवर्ष गर्मी में पानी की कमी के कारण वन्यप्राणी गांव और शहर की ओर आ जाते हैं, जिसकी वजह से शिकार की घटना अधिक होती है। एटीआर प्रबंधन ने इस वर्ष वन्यप्राणियों के पानी की व्यवस्था करने के लिए जगह जगह नाला बंदी के अलावा सासर की व्यवस्था भी की है, ताकि वन्यप्राणियों को पानी की कमी ▶▶| शेष पेज 9 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹119534/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹145990/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹159362/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

पहली बार रेत पर सख्ती का असर...

- *नेताओं के संरक्षण में होने वाले अवैध रेत खनन पर जोरदार सख्ती*
- *कार्रवाई के डर से कई जिलों के खदानों में रेत का अवैध उत्खनन भी बंद*

रायपुर में अवैध खनन बंद, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर में ताबड़तोड़ कार्रवाई

रायपुर- लक्ष्मण लेखवानी, बिलासपुर-शरद पांडेय, जांजगीर चांपा-अभिषेक शुक्ला, रायगढ़-स्वतंत्र महंत, अंबिकापुर -नदीम अंसारी, कोरबा-नागेंद्र श्रीवास, भिलाई-अतुल अग्रवाल, राजनांदगांव-हफीज खान, खैरागढ़-चैतेंद्र तिवारी, महासमुंद, धमतरी-दिलीप देवांगन, गरियाबंद-गोरेलाल सिन्हा, कांकेर-विजय पांडेय की विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

ऐसा पहली बार नजर आया है। नेताओं के संरक्षण में होने वाले अवैध रेत खनन पर जोरदार सख्ती की गई है। उसका असर भी इतना पहली बार नजर आया है। इसकी शुरूआत रायपुर जिले से हुई है। जिले में वर्तमान में रेत का अवैध उत्खनन लगभग बंद हो गया है। रायपुर में रेत की अब सभी खदानों को बंद करा दिया गया है। इनमें वैध रूप से चल रही खदानें भी शामिल हैं, जहां नियमों के विरुद्ध उत्खनन एवं भंडारण किया जा रहा था। रायपुर के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी अब अवैध उत्खनन पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। गरियाबंद, सरगुजा, महासमुंद, बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, जांजगीर, राजनांदगांव, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, ▶▶| शेष पेज 9 पर

धमतरी में लगातार कार्रवाई के बाद भी अवैध उत्खनन जारी

धमतरी जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी अवैध उत्खनन थम नहीं रहा है।

शहर के समीपस्थ ग्राम कोलयारी, अमेठी, कलारतराई, तेंदूकोन्हा, परसुली, दर्री की महानदी में ट्रेक्टरों के माध्यम से रेत का अवैध ▶▶| शेष पेज 9 पर

कांकेर में ताबड़बोड़ कार्रवाई, जब्त किए 16 मशीन सहित हाईवा

कांकेर जिले में भी रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद भी माफिया कई खदानों में रात के समय अवैध उत्खनन करा रहे हैं। हालांकि चारामा क्षेत्र में 15 मई को संचालित रेत खदानों में नियमों की अनदेखी और अवैध उत्खनन की शिकायतों के बाद खनिज अमले ने बड़ी कार्रवाई की, और अलग-अलग खदानों से कुल 14 मशीनें, 3 लोड हाईवा और 6 खाली हाईवा को जब्ती बनाया। टीम ने करिहा, मिरौद, मचांदुर, भिलाई, भूईगांव और अरौद स्थित रेत खदानों का भी औचक निरीक्षण किया। जांच में पट्टाशर्तों के उल्लंघन और नियम विरुद्ध उत्खनन पाए जाने पर संबंधित सरपंचों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर नोटिस जारी किया है।

पिरदा जांच चौकी बंद फील्ड में घूम-घूम जांच-कार्रवाई कर रही टीम

केंद्रीय एवं जिला खनिज विभाग की टीम दिन-रात रेत खदानों का औचक निरीक्षण किया। इसके लिए पिरदा जांच चौकी को भी 5 दिनों से बंद कर दिए हैं, ताकि विभाग के सभी कर्मचारी फील्ड में रहकर कार्रवाई कर सकें। इस दौरान जहां-जहां अवैध रूप से रेत का उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण किया जा रहा था, वहां कार्रवाई भी की गई और चेन माउंटेन मशीनों के साथ गाड़ियों को जब्ती बनाया है। जिले में वैध रूप से कुल 6 खदानें संचालित हो रही थी, लेकिन कलेक्टर के निर्देश पर टीम ने इन खदानों में भी आकस्मिक जांच की और यहां नियमों के विरुद्ध उत्खनन एवं भंडारण पाए जाने पर मशीन एवं हाईवा जब्ती बनाकर इन खदानों को आगामी आदेश तक के लिए सील कर दिया है।

एक मशीन सहित 19 हाईवा जब्त

रायपुर में खनिज विभाग की टीम ने शुक्रवार-शनिवार की रात में भी गश्त करते हुए एक मशीन एवं 19 हाईवा गाड़ियों को जब्ती बनाया है।पकड़ी गई गाड़ियों में रेत की 8, मुरुम 2, चूना पत्थर 6 एवं कोयला से भरे 2 हाईवा हैं। इसके अलावा एक एक्सकैवेटर मशीन जब्त की है। यह कार्रवाई विधानसभा, मंदिर हसौद एवं खरोरा क्षेत्र में सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव के नेतृत्व में की गई। टीम में खनिज निरीक्षक प्रवीण नेताम और प्रिया सिन्हा सहित अन्य शामिल रहे।

राजनांदगांवः खनिज विभाग की कार्रवाई से मची खलबली

जिले के सुकुलदैहान, मुसरा, भेड़ीकला, गठुला, तिलई, सोमनी, नवागांव और ठेलकाडीह के समीप क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मुरूम का अवैध उत्खनन होता है। वहीं जिले के डोंगरगांव से लेकर सोमनी तक दो दर्जन से अधिक जगहों पर शिवनाथ नदी से रेत का अवैध खनन किया जाता है। खनन माफियाओं की सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां 24 घंटे अवैध खनन जारी रहता है। बीते दिनों खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन में लगे वाहनों पर कार्रवाई किए जाने से खनन माफियाओं में खलबली मची हुई है। शिकायतों के बीच लगातार कार्रवाई के चलते जिले में रेत और मुरूम का बड़े पैमाने पर खनन फिलहाल बंद कर दिया गया। एक-दो जगह ही खेत सुधार के नाम पर मुरूम का अवैध उत्खनन जारी है।

जोंक नदी के बल्दीडीह में हो रहा था अवैध उत्खनन

महासमुंद जिले में शनिवार को केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला स्तरीय खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के पिथौरा तहसील के ग्राम बल्दीडीह में दबिश दी। निरीक्षण के दौरान ग्राम बल्दीडीह स्थित जोंक नदी में अवैध उत्खनन में संलग्न 2 चेनमाउंटेन मशीन, 3 हाईवा एवं 4 ट्रैक्टर को जब्ती बनाया। इस मामले में संबंधित खदान संचालक को नोटिस जारी कर तामील कराया है, वहीं जब्त की गई गाड़ियों को पुलिस थाना सांकरा परिसर में खड़ा कराया गया है।

गरियाबंद में चेन माउंटेन मशीन जब्त

गरियाबंद जिले में लंबे समय से जारी अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आखिरकार प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई करना शुरू कर दिया है। खनिज राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम चौबेबांधा स्थित पैरी नदी क्षेत्र में दबिश देकर अवैध उत्खनन करते पाए गए एक चेन माउंटेन मशीन को जब्त किया है। यहां पिछले कई वर्षों से अवैध रेत का खनन का खेल जारी था।

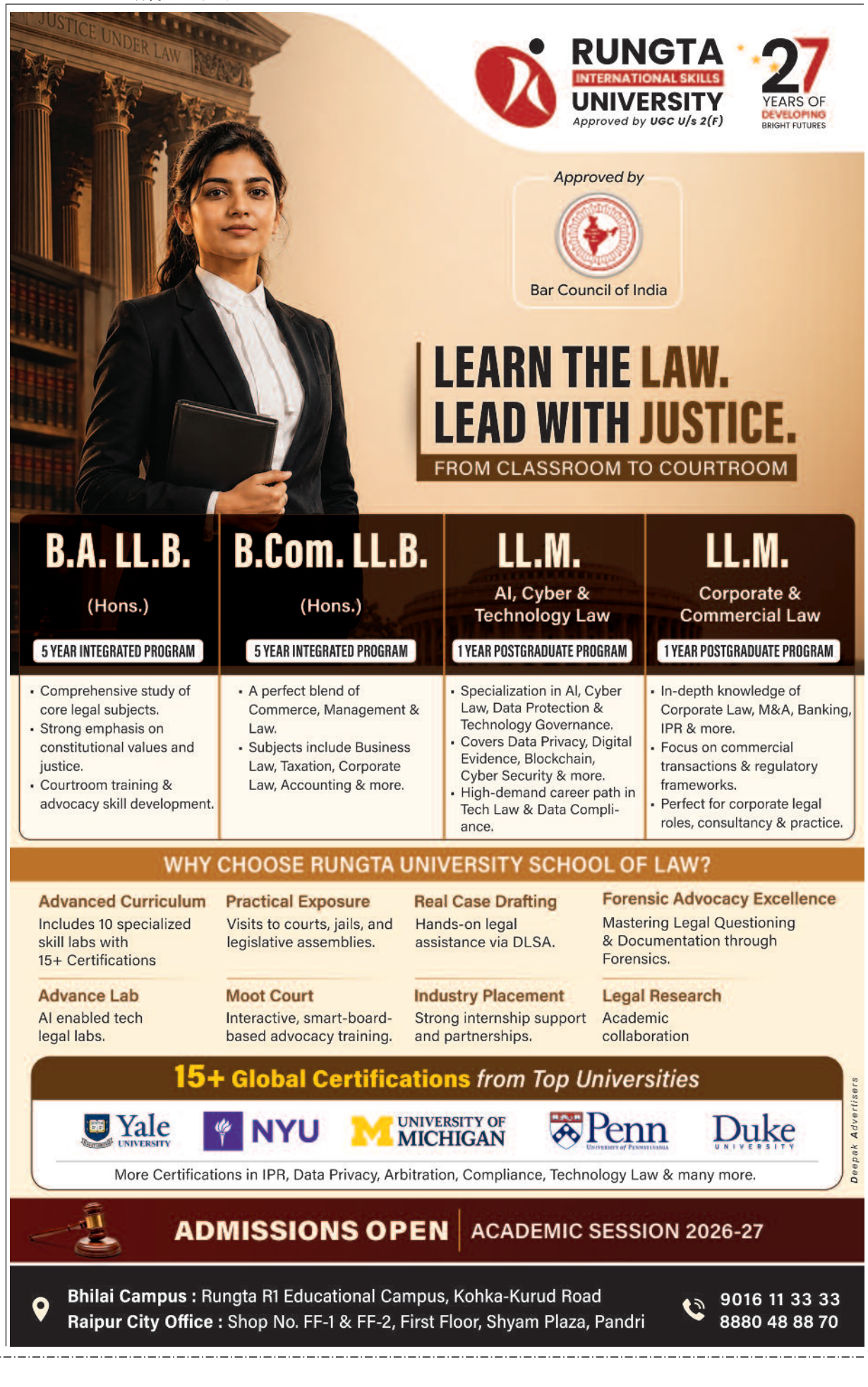

वेट लीज मॉडल पर तीन साल का अनुबंध किया जाएगा

सरकार किराए पर लेगी अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर, हर साल चुकाएगी करीब 35 करोड़ रुपए, किया गया ग्लोबल टेंडर

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक दौरों, बस्तर-सरगुजा के संवेदनशील क्षेत्रों के निरीक्षण और आपातकालीन वीआईपी सेवाओं को रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार अब एक नया अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर किराए पर लेने जा रही है। वर्तमान में उपयोग किए जा रहे हेलीकॉप्टर के टेंडर की अवधि समाप्त होने को है, जिसके मद्देनजर विमानन विभाग ▶▶| शेष पेज 9 पर

'वेट लीज' मॉडल पर 3 साल का होगा अनुबंध

विमानन निदेशालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नया हेलीकॉप्टर 'वेट लीज' मॉडल पर लिया जा रहा है। इसका सीधा मतलब यह है कि हेलीकॉप्टर तो सरकार का काम करेगा, लेकिन उसके अनुभवी पायलट, केबिन क्रू और समय-समय पर होने वाले तकनीकी रखरखाव (मेंटेनेंस) की पूरी ▶▶| शेष पेज 9 पर

फाइल फोटो

3 जून को खुलेगा टेंडर

इस हाई-प्रोफाइल सौदे के लिए सरकार ने सेवा प्रदाता कंपनियों के सामने बेहद कड़े वित्तीय और तकनीकी मापदंड रखे हैं। बोली लगाने वाली कंपनी का पिछले 3 वर्षों का औसत सालाना टर्नओवर कम से कम 5 ▶▶| शेष पेज 9 पर

भारी-भरकम स्टाफ

हेलीकॉप्टर की हर उड़ान से पहले और बाद में 'एयरवर्थनेस' (उड़ान योग्यता) सर्टिफिकेट की जरूरत होती है। इसके लिए बेहद महंगे एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर्स को मासिक रिटेनरशिप या वेतन पर रखना पड़ता है। हेलीकॉप्टर के पुर्जों की एक तय उम्र होती है (जैसे 2000 घंटे की उड़ान के बाद इंजन ओवरहॉलिंग)। इसके लिए सालाना 2 करोड़ से 4 करोड़ का मेंटेनेंस बजट चाहिए। साथ ही बीमा और हैंगर का खर्च भी लगता है। ऐसे में सरकार खुद खरीदने के बजाय एक बार पैसा देकर तीन साल की किचकिच से मुक्त होना चाहती है।

वर्तमान परिवेश में ऊर्जा संकट एक वैश्विक समस्या बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। इस संकट से भारत भी अछूता नहीं हैं। भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। चूंकि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। ऐसे में क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में हितकारी साबित हो सकता है। भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

ऊर्जा सुरक्षा : आत्मनिर्भरता ही है विकल्प

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

वर्तमान परिवेश में हमें यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि ऊर्जा संकट एक वैश्विक संकट है। इस संकट से उबरने के लिए आने वाले समय में हमें दीर्घकालीन योजनाओं के अंतर्गत नए विकल्पों की तलाश के साथ-साथ ऊर्जा संरक्षण जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस ऊर्जा संकट को पश्चिम एशिया के संघर्ष ने और भी बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल के दृष्टिगत अनेक देशों ने ऊर्जा संरक्षण के दृष्टिगत वर्क फ्रॉम होम जैसे कई उपाय लागू किए गए हैं। सदी के सबसे बड़े आर्थिक और औद्योगिक बदलाव के दौर से गुजर रहे भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा महज़ एक नीतिगत शब्द नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक संवृद्धि और करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर से जुड़ा बुनियादी सवाल है। पारंपरिक तौर पर जब भी ऊर्जा सुरक्षा की बात आती है, तो हमारा ध्यान तुरंत कच्चे तेल के आयात को कम करने या खाड़ी देशों के अलावा अन्य देशों से आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चला जाता है, लेकिन वैश्विक भू-राजनीति की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों के बीच, आयात का रुख बदलना एक तात्कालिक मरहम तो हो सकता है, स्थायी इलाज नहीं।

व्यवस्था का पुनर्गठन जरूरी

भारत को अगर अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो उसे अपने संसाधनों की सीमाओं के भीतर ऊर्जा के उत्पादन, भंडारण और उसके उपयोग की पूरी व्यवस्था का पुनर्गठन करना होगा। इसके लिए देश के पास कई ठोस और दूरगामी विकल्प मौजूद हैं, जो हमें एक आयातक देश से बदलकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकते हैं। भारत के लिए सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी विकल्पों में से एक हरित हाइड्रोजन है। पानी के अणुओं को सौर या पवन ऊर्जा की मदद से तोड़कर बनाई जाने वाली यह गैस शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह भारी उद्योगों, जैसे इस्पात, सीमेंट और शोधन शालाओं तथा लंबी दूरी के परिवहन जैसे ट्रक, ट्रेन और जहाजों को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त करने का एकमात्र व्यावहारिक विकल्प है, जहां सीधी बिजली या बैटरी काम नहीं आ सकती। चूंकि भारत में सौर ऊर्जा की प्रचुरता है, इसलिए हम दुनिया में सबसे सस्ती हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता रखते हैं। यह न केवल हमारी घरेलू फैक्ट्रियों को चलाएगी, बल्कि भविष्य में भारत को ऊर्जा निर्यातक देशों की कतार में खड़ा कर सकती है।इसके साथ ही, भारत ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है, लेकिन प्रकृति पर निर्भर होने के कारण ये स्रोत चौबीसों घंटे बिजली नहीं दे सकते। इस चुनौती से निपटने और नवीकरणीय ऊर्जा को देश की मुख्यधारा बनाने के लिए हमें पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज जैसी तकनीकों पर ध्यान देना होगा। यह एक विशाल प्राकृतिक बैटरी की तरह काम करता है। साथ ही, निरंतर आपूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित और स्वच्छ विकल्प है। हमें अपने घरेलू थोरियम आधारित परमाणु कार्यक्रम को गति देनी होगी ताकि कोयले पर निर्भरता को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां हर साल लाखों टन कृषि अवशेष और शहरों में ठोस कचरा पैदा होता है।

हमें ये करने होंगे उपाय

- भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए हमें एक मिश्रित मॉडल अपनाना होगा।
- सौर, पवन, परमाणु, जैव-ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन से मजबूत तंत्र बनाएं।
- कचरे से गैस, धूप से बिजली और पानी से हाइड्रोजन निकालेंगे और अपनी गाड़ियां स्वदेशी बैटरियों से दौड़ाएंगे तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता सच होगी।

बायोगैस बनाने के संयंत्र

इन्हें अभिशाप मानने के बजाय ऊर्जा के स्रोत में बदलना भारत के लिए सबसे आसान विकल्प है। सतत योजना के तहत कचरे और गोबर से संपीडित बायोगैस बनाने के संयंत्र देश भर में लगाए जा रहे हैं। यह गैस सीधे प्राकृतिक गैस का स्थान ले सकती है। इससे न केवल शहरों का कचरा साफ होता है और किसानों की आय बढ़ती है, बल्कि देश के भीतर ही गैस का एक बड़ा भंडार तैयार हो जाता है, जो सीधे हमारी परिवहन व्यवस्था को गति देता है। सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों का घरेलू बिजली पर स्थानांतरित होना भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता को सीधे चोट करता है। विद्युत वाहन क्रांति इसमें बड़ी भूमिका निभा रही है। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही, लचीला ईंधन तकनीक एक बेहतरीन विकल्प है। एथेनॉल को पेट्रोल में बीस प्रतिशत तक मिलाने का लक्ष्य भारत तेजी से हासिल कर रहा है। चूंकि एथेनॉल देश के भीतर गन्ने और खराब अनाज से बनता है, इसलिए परिवहन में इसका बढ़ता उपयोग विदेशी ईंधन की जरूरत को घटाता है। ऊर्जा सुरक्षा का एक नियम यह भी है कि जितनी ऊर्जा बचाएंगे, उतनी ही कम ऊर्जा हमें बनानी पड़ेगी।

बायोगैस बनाने के संयंत्र

भारत ने उजाला योजना के जरिए दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम चलाया है। अब समय इसे अगले स्तर पर ले जाने का है, जिसके तहत मापन प्रणालियों के जरिए बिजली की बर्बादी को रोका जा सकता है और मांग के अनुसार आपूर्ति को वास्तविक समय में नियंत्रित किया जा सकता है। इसके अलावा नए बनने वाले व्यावसायिक और आवासीय भवनों में ऐसी रूपरेखा को अनिवार्य करना होगा जो प्राकृतिक रोशनी और हवा का अधिकतम उपयोग करें, जिससे वातानुकूलन की मांग खुद-ब-खुद कम हो जाए।वर्तमान नीतियां और तकनीकी नवाचार यह भरोसा जगाते हैं कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक में हम ऊर्जा के मामले में न सिर्फ सुरक्षित होंगे, बल्कि आत्मनिर्भरता के एक नए युग का सूत्रपात करेंगे।

क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना लाभकारी

आर्थिकी

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में इस समय एक मूक क्रांति चल रही है। दुनिया का सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता और उत्सर्जक देश चीन, अपने पुराने और गहरे कोयला भंडारों से ऊर्जा निचोड़ने की एक बेहद आधुनिक तकनीक पर काम कर रहा है। हाल ही में चीनी सरकारी ऊर्जा कंपनियों ने गहरी कोयला परतों में फंसी मीथेन गैस को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर क्षैतिज ड्रिलिंग का व्यावसायिक इस्तेमाल शुरू किया है। इस तकनीक ने न केवल चीन के घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ावा दिया है, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है ?

चीन अपना रहा कोल रॉक गैस तकनीक

पारंपरिक रूप से कोयले की परतों से जो गैस निकाली जाती है, उसे कोलबेड मीथेन कहा जाता है। भारत और चीन दोनों ही सालों से उथली खदानों से कोलबेड मीथेन निकाल रहे हैं। लेकिन चीन ने हाल ही में जिस तकनीक पर महारत हासिल की है, उसे कोल रॉक गैस कहा जा रहा है। ओर्डोस बेसिन के दाजी क्षेत्र में इसके बेहद सफल परिणाम मिले हैं, और चीन ने वहां सैकड़ों कुएँ खोदकर अरबों क्यूबिक मीटर गैस का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का लगभग 50% प्राकृतिक गैस आयात करता है। लिक्विफाइड नेचुरल गैस के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर डालता है। चीन की तरह भारत के पास भी कोयले का विशाल भंडार है। इसलिए, भारत के लिए क्षैतिज ड्रिलिंग की दिशा में आगे बढ़ना कई मायनों में लाभकारी साबित हो सकता है। भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी (झारखंड-पश्चिम बंगाल), सोन घाटी (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है। क्षैतिज ड्रिलिंग तकनीक के माध्यम से इन दुर्गम परतों से अरबों घन मीटर मीथेन गैस निकाली जा सकती है, जिससे भारत की गैस-आधारित अर्थव्यवस्था के सपने को उड़ान मिलेगी। भारत ने 2030 तक अपनी प्राथमिक ऊर्जा टोकरी में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.5% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। यदि भारत घरेलू स्तर पर कोल रॉक गैस का उत्पादन शुरू कर देता है, तो उर्वरक उद्योग, सीएनजी वाहनों और पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए विदेशों पर निर्भरता बेहद कम हो जाएगी। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की भारी बचत होगी।

भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार है। दामोदर घाटी, सोन घाटी और गोदावरी घाटी (आंध्र प्रदेश-तेलंगाना) में गहरे कोयले के ऐसे ब्लॉक मौजूद हैं, जहां पारंपरिक खनन व्यावहारिक या आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।

मीथेन गैस को बाहर निकालने पर सुरक्षा

भारतीय कोयला खदानों, विशेषकर झारखंड के झरिया और रानीगंज क्षेत्रों में, भूमिगत आग और मीथेन गैस के रिसाव के कारण होने वाले विस्फोट एक पुरानी समस्या रही है। यदि कोयला निकालने से पहले ही क्षैतिज ड्रिलिंग के जरिए उस क्षेत्र की मीथेन गैस को खींच लिया जाए तो खदानों के भीतर विस्फोट का खतरा लगभग शून्य हो जाता है। यह भारतीय खनिकों की सुरक्षा के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। मीथेन एक बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैस है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को कई गुना तेजी से गर्म करती है। इस गैस को क्षैतिज ड्रिलिंग से सुरक्षित निकालकर ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने से भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।चीन की सफलता यह साबित करती है कि यदि सरकारी नीतियों का समर्थन हो, तो भूवैज्ञानिक चुनौतियों को पार किया जा सकता है। भारत को भी इस दिशा में एक सोची-समझी रणनीति अपनानी होगी। आवश्यकतानुसार वैश्विक ऊर्जा दिग्गजों को भारत में आमंत्रित किया जाना चाहिए, ताकि देश में तकनीक का हस्तांतरण हो सके। महानदी या दामोदर बेसिन के कुछ चुनिंदा ब्लॉकों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुनकर वहां परीक्षण शुरू किए जाने चाहिए। चीन द्वारा कोयले की गहरी परतों में क्षैतिज ड्रिलिंग का सफल उपयोग यह दिखाता है कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा केवल नए संसाधनों को खोजने में नहीं, बल्कि मौजूदा संसाधनों के स्मार्ट दोहन में है। भारत अपने कोयला भंडारों को केवल 'प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन' के रूप में नहीं देख सकता। यदि सही नीति, विदेशी तकनीक और घरेलू इच्छाशक्ति का समन्वय हो, तो भारत भी अपनी गहरी कोयला खदानों से स्वच्छ ऊर्जा का अकूत भंडार निकाल सकता है। चीन के इस कदम से सीख लेते हुए भारत को बिना देर किए इस दिशा में अपने कदम बढ़ा देने चाहिए, क्योंकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ही भविष्य की वास्तविक संप्रभुता है।

पेट्रो उत्पाद भी जीएसटी के दायरे में हों

मंथन

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

जहां विज्ञान की प्रगति ने 'भारत की पूरी धरती एक कुटुंब की तरह है' अवधारणा को सिद्ध कर दिया है, वही व्यक्ति और समष्टि के अंतरद्वंद्व के दूरगामी प्रभाव को भी हमें देखना होगा। आज के दौर में ईंधन केवल वाहनों को गति देने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था की रगों में दौड़ता हुआ रक्त है, जिसका सीधा नाता हर आम नागरिक की रसोई और उसकी आजीविका से है। वैश्विक ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहराते तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो अप्रत्याशित उछाल आया है, उसकी तपिश अब हमारे घरेलू बाजारों में भी साफ महसूस की जा रही है।

पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में जो निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, उसने इस विषय को महज एक प्रशासनिक चर्चा से उठाकर हर घर के बजट को झकझोरने वाला एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना दिया है। जब भी पेट्रो पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, तो उसकी पहली चोट आम आदमी की जेब पर लगती है। विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि कारखानों में बनने वाले सामान से लेकर खेतों से मंडियों तक आने वाली फल-सब्जियों जैसी अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है। हमारा कृषि प्रधान समाज आज भी खेती की जुताई से लेकर फसलों की सिंचाई तक के लिए काफी हद तक डीजल पर निर्भर है। जब लागत और परिवहन दोनों महंगे हो जाते हैं, तो आटा, दाल, दूध, फल और सब्जियों के दाम आसमान छूने लगते हैं। ऐसे में एक सीमित आय वाले मध्यमवर्गीय परिवार या रोजाना कमाने-खाने वाले मजदूर के लिए अपनी थाली के पोषण और स्वाद को बचाए रखना एक बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी तरह दुपहिया वाहन, ऑटो या टैक्सी चलाकर परिवार का पेट पालने वाले चालकों के लिए यह समय किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं होता, क्योंकि ईंधन पर खर्च बढ़ने से उनकी रोज की कमाई का एक बड़ा हिस्सा तेल में ही जल जाता है और सवारी का किराया तुरंत बढ़ा पाना उनके बस में नहीं होता।

आर्थिक विश्लेषकों का भी स्पष्ट मानना है कि तेल की कीमतों में होने वाली मामूली वृद्धि भी देश की खुदरा महंगाई दर को सीधे ऊपर ले जाती है, जो महज कंपनियों के नफे-नुकसान का मामला नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति और उसके जीवन स्तर पर किया गया प्रहार है। इस कठिन चक्रव्यूह से पार पाने के लिए तात्कालिक राहत और दूरगामी सोच, दोनों ही मोर्चों पर एक साथ कदम बढ़ाने होंगे, जहां शासन और समाज दोनों को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रशासनिक स्तर पर देखें तो पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में केंद्र और राज्यों के करों यानी उत्पाद शुल्क और मूल्य संवर्धित कर की हिस्सेदारी काफी बड़ी होती है। संकट के इस दौर में सरकारों को लोक-कल्याणकारी कदम उठाते हुए टैक्स के बोझ को थोड़ा कम करना चाहिए, ताकि जनता को तुरंत राहत मिल सके। साथ ही देश में अरसे से यह मांग भी उठ रही है कि पेट्रो उत्पादों को भी वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में लाया जाए, जिससे पूरे देश में करों की विसंगतियां समाप्त होंगी, कीमतों में स्थिरता आएगी और अप्रत्याशित उछाल से काफी हद तक बचा जा सकेगा। नीतियों के साथ-साथ सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी हमें अपनी आदतों को बदलना होगा। रोजमर्रा के सफर में हमें वाहनों को साझा करने की आदत डालनी होगी और जहां तक संभव हो, निजी गाड़ियों के बजाय मेट्रो, बसों या स्थानीय ट्रेनों का उपयोग करना होगा, जो न केवल हमारी जेब का बोझ हल्का करेगा, बल्कि देश के भारी-भरकम आयात बिल को भी कम करने में मदद करेगा। अब वह समय आ चुका है जब हमें बिजली से चलने वाले वाहनों और मिश्रित ईंधन तकनीकों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा। पेट्रोल में कृषि अपशिष्ट से तैयार इथेनॉल के मिश्रण को और अधिक विस्तार देना भी एक बेहतरीन विकल्प है, जिससे हमारे खेतों के कचरे का सही उपयोग होगा, किसानों की आमदनी बढ़ेगी और विदेशी कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता भी कम होगी। प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत फिजूल खर्ची को रोक कर तर्कसंगत उपयोगिता प्रणाली को विकसित करना होगा तथा सरकारी संसाधनों की दुरुपयोग की अपनी मानसिकता को भी बदलना होगा।

विकासशील देशों में माल की आवाजाही का एक बहुत बड़ा हिस्सा सड़क मार्ग पर निर्भर है, इसलिए जैसे ही डीजल के दाम बढ़ते हैं, वैसे ही ट्रकों और भारी वाहनों का किराया अपने आप बढ़ जाता है। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि तमाम अनिवार्य वस्तुओं की ढुलाई बेहद महंगी हो जाती है।

रणनीतिक प्रबंधन दूर करेगा संकट

व्यवस्था

जूही पाठक

स्वतंत्र पत्रकार

भारत वर्तमान में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता और आयातक देश है। हमारी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति पूरी तरह से ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति पर टिकी हुई है। आज की तारीख में भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का लगभग पचासी प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है। यह भारी-भरकम आयात न केवल देश के राजकोषीय घाटे को प्रभावित करता है, बल्कि भारत की विदेश नीति और आर्थिक निर्णयों में भी बड़ी भूमिका निभाता है। ऐसे में इस बिन्दु पर विचार करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि ईंधन व्यवस्था की दृष्टि से भारत के मौजूदा तेल स्रोत क्या हैं और आने वाले भविष्य में देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर क्या संभावनाएं और चुनौतियां छिपी हैं।

भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है, जहां मंगला, भाग्यम और ऐश्वर्या जैसे तेल क्षेत्र देश के घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा असम के डिगबोई, नाहरकटिया और मोरान-हुगरीजन जैसे पारंपरिक क्षेत्र आज भी देश को तेल की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि गुजरात का कैम्बे बेसिन और अंकलेश्वर भी प्रमुख ऑनशोर तेल स्रोत बने हुए हैं। उत्पादन का दूसरा हिस्सा उथले अपतटीय क्षेत्र हैं, जिनका सबसे बड़ा उदाहरण अरब सागर में स्थित मुंबई हाई है। यह बेसिन दशकों से देश के घरेलू उत्पादन की रीढ़ रहा है। तीसरा और सबसे आधुनिक हिस्सा गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र हैं, जो मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन में स्थित हैं। यदि हम आने वाले दस से बीस वर्षों की ईंधन व्यवस्था पर नजर डालें, तो भारत का तेल परिदृश्य एक बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत मुख्य रूप से चार रणनीतिक मोर्चों पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें सबसे पहला मोर्चा गहरे और अति-गहरे समुद्र में नए भंडारों की खोज का है। भारत सरकार ने अंडमान-निकोबार बेसिन, महानदी बेसिन और गहरे अरब सागर के विशाल क्षेत्रों को पुराने कड़े नियमों से मुक्त कर दिया है ताकि इन अनछुए क्षेत्रों का दोहन किया जा सके। दूसरा महत्वपूर्ण मोर्चा सामरिक तेल भंडारों का विस्तार है, ताकि अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध या आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की स्थिति में देश की ईंधन व्यवस्था ठप न हो। वर्तमान में विशाखापत्तनम, मंगलौर और पादुर में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के रूप में लाखों टन कच्चा तेल आपातकाल के लिए सुरक्षित रखा गया है और भविष्य की योजना के तहत ओडिशा के चंडीखोल तथा पादुर के दूसरे चरण में इस क्षमता को दोगुना किया जा रहा है। रणनीतिक स्तर पर तीसरा बड़ा बदलाव आयात का विविधीकरण है, जिसके तहत भारत किसी एक क्षेत्र या संगठन पर अपनी निर्भरता को समाप्त कर रहा है। भारत ने अपनी कूटनीतिक रणनीति बदलते हुए रूस, अफ्रीकी देशों और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल का आयात बढ़ाना शुरू किया है, जो भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर मोलतोल की शक्ति देता है और वैश्विक संकटों के प्रभाव से देश को सुरक्षित रखता है। भविष्य का चौथा और सबसे बड़ा कदम यह है कि भारत का तेल परिदृश्य केवल नए तेल कुओं को खोजने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कच्चे तेल पर से अपनी निर्भरता को घटाने यानी ऊर्जा संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार, पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग, और नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी नीतियां यह सुनिश्चित कर रही हैं कि भविष्य में परिवहन और उद्योगों के लिए कच्चे तेल की मांग को धीरे-धीरे कम किया जा सके। ईंधन व्यवस्था के दृष्टिकोण से भारत का भविष्य एक बेहद संतुलित रणनीति पर टिका है। एक तरफ जहां घरेलू स्तर पर गहरे समुद्र में नए कुओं की खोज और सामरिक तेल भंडारों को सुरक्षित करना देश की वर्तमान जरूरत है, वहीं दूसरी तरफ तेल पर निर्भरता हटाकर अक्षय ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाना भारत का अंतिम लक्ष्य है। जब तक देश ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो जाता, तब तक कच्चे तेल के स्रोतों का रणनीतिक प्रबंधन ही भारत के विकास की रफ्तार को बनाए रखने की महत्वपूर्ण कुंजी है।

भारत का घरेलू तेल उत्पादन मुख्य रूप से तीन प्रमुख हिस्सों में बंटा हुआ है, जिनमें तटीय तेल क्षेत्र, उथले अपतटीय क्षेत्र और गहरे तथा अति-गहरे अपतटीय तेल क्षेत्र शामिल हैं। तटीय यानी जमीन पर स्थित तेल स्रोतों में राजस्थान का बाड़मेर ब्लॉक सबसे महत्वपूर्ण है।

रायपुर
रविवार 24 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष : 24, अंक : 303
पृष्ठ : 16+4+4= 24 मूल्य : 5 .00**

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 44.3
न्यून. 28.2

सब्जियों के दाम में भी आग

सब्जियों के दाम भी इस समय आसमान पर हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन महंगा हुआ है। हालांकि गर्मियों में सब्जियों के दाम बढ़ते हैं। लेकिन महंगाई की मार ज्यादा पड़ रही है। टमाटर के दाम अब 40 से 50 रुपए हो गए हैं। मुनगा 100 से 120 रुपए, ढेस 100 रुपए किलो, फ्रेंच बींस के दाम सबसे ज्यादा 160 रुपए किलो है। भिंडी 40 से 50 रुपए, कोचाई 50 रुपए, भट्टा 40 रुपए, करेला 60 रुपए, कुंदरू 40 रुपए, पत्ता गोभी 30 रुपए, हरी मिर्च 80 रुपए, धनिया 100 रुपए किलो है। नींबू के दाम पांच से दस रुपए हैं। छोटा नींबू पांच और बड़ा दस रुपए बिक रहा है।

तेल, गैस, पेट्रोल, सब्जी, कपड़ा मकान, एसी तक महंगे, आम आदमी के बजट पर चौतरफा हमला, कहीं राहत नहीं

युद्ध की आग में झुलस गई जिंदगी रसोई से मकान तक हर चीज महंगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में आम आदमी की जिंदगी भी झुलस गई है। खाने के तेल से लेकर एलपीजी गैस, पेट्रोल, डीजल, सब्जी, नाश्ता, खाना, कपड़ा, मकान, एसी तक सभी महंगे हो गए हैं। एक भी सामान ऐसा नहीं है जिसमें कोई राहत हो। जैसे-जैसे पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में महंगाई की मार और बढ़ने की आशंका है। परिवहन महंगा होने के कारण महंगाई और बढ़ेगी और आम आदमी की जिंदगी और कठिन हो जाएगी। सबसे बड़ा वार तो एलपीजी गैस, पेट्रोल ⏭शेष पेज 9 पर

अलग खबर

मकान बनाना महंगा

सीमेंट, सरिया, गिट्टी रेत के दाम में भारी इजाफा होने के कारण मकान बनाना भी महंगा हो गया है। पहले मकान बनाने में 12 से 13 सौ रुपए वर्ग फीट का खर्च आता था, लेकिन अब इसका खर्च 14 से 15 सौ रुपए वर्ग फीट हो गया है। उद्योगों को एलपीजी गैस न मिलने के कारण सरिया के दाम बढ़े हैं।

एसी में 20 फीसदी का इजाफा

युद्ध के कारण कापर और अन्य कच्चे माल के दाम में इजाफा होने के कारण एसी के दाम में भी 20 फीसदी का इजाफा हो गया है। ऐसा होने से 40 हजार का एसी अब 48 हजार और 30 हजार का एसी 36 हजार रुपए हो गया है। एसी कारोबारी राजेश वासवानी के मुताबिक दाम बढ़ने के कारण गर्मी में इसकी बिक्री पर भी फर्क पड़ गया है।

कपड़ा 20 फीसदी महंगा

कपड़ों पर भी युद्ध का असर पड़ा है। पंडरी कपड़ा बाजार के चंदर विदानी के मुताबिक हर तरह के कपड़ों के दाम में 20 से 25 फीसदी का इजाफा हो गया है। कच्चा माल बाहर से आता है, इसकी कमी के कारण दाम बढ़े हैं। दाम बढ़ने के कारण शादियों की खरीदारी पर भी असर पड़ा है। अब लोग कम कपड़े खरीद रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स-इलेक्ट्रिक आइटम भी महंगे

इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ इलेक्ट्रिक आइटम भी महंगे हो गए हैं। फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित कई आइटमों के दाम 5 से 10 फीसदी बढ़े हैं। कॉपर के महंगे होने के कारण बिजली के तारों के दाम में भी भारी उछाल आया है। इसके दाम 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। जो ढाई एमएम का कॉपर का तार पहले 20 से 25 रुपए मीटर मिलता था उसके दाम 25 से 30 रुपए हो गए हैं। चार एमएम के तार के दाम 50 से बढ़कर 60 रुपए मीटर हो गए हैं। पंखों और कूलर के दाम में भी 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है। कंप्यूटर में लगने वाले आइटमों के दाम तो छह गुना तक बढ़ गए हैं। मोबाइल के दाम में 50 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

AMITY UNIVERSITY CHHATTISGARH
B.Arch
Approved by CoA
AND
• Bachelor of Interior Design
Lateral Entry & PhD progs also offered
Scholarships | 100% | 50% | 25%
UG Programmes
12th (agg.) | 93% | 88% | 70%
PG Programmes (Non-MBA)
12th (agg.) | 93% | 88% | -
Graduation (agg.) | 80% | 75% | -
Above scholarships offered across all disciplines
To apply visit:
amity.edu/raipur
by: 29th May 2026
7303-396-666
Futuristic Design Pathways
• Hi-end design & materials lab and software platforms like GIS Tools, GeoMedia & GeoMedia Professional, BIM-Autodesk Revit, Civil 3D, AutoCAD, Map 3D, SketchUp Pro, ArcGIS, V-Ray, Lumion...
• Hands-on learning with 3D printing, model making & digital fabrication
• On-campus placements in top architecture designing firms and builders like L & T, Kapadia and Associate, Acelab, Stonex, Essentia Environments, CP Kukreja Architects, Space Matrix, Handyman & Associates, Rohit Mudaliar Architects...
• Ranked #1 in Chhattisgarh (Pvt) '26 by QS Southern Asia
• Ranked amongst top 2 in Chhattisgarh (Pvt & Deemed) '25- India's Best Universities by The Week-Hansa
• Optional Study Abroad Program in New York, Singapore, London or Dubai to study international design ethos and globally benchmarked sustainability standards, amongst other academic contours
Amity University Chhattisgarh, Manth (Kharora), Raipur | E: admissions@rpr.amity.edu

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

महंगाई की आग : पेट्रोल में 87 पैसे और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी

सीएनजी की कीमत में 1 रुपए किलो का किया गया इजाफा

पेट्रोल-डीजल के दाम फिर बढ़े 10 दिन में पांच रुपए हुआ महंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। 10 दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की कीमतें 1 रुपए किलो बढ़ गई हैं। नई कीमतें 23 मई से लागू हो गई हैं।

ताजा बढ़ोतरी के बाद 10 दिनों के भीतर पेट्रोल एवं डीजल के दाम देशभर में लगभग पांच रुपए प्रति लीटर तक बढ़ चुके हैं। इसके साथ ही वाहन ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सीएनजी की कीमत में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गई है। हाल के दिनों में तीसरी बार हुई बढ़ोतरी के बाद सीएनजी के दाम कुल चार रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ चुके हैं। पश्चिम एशिया संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा रही हैं। हालांकि इसके पहले लंबे समय पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में यह वृद्धि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, रिफाइनिंग मार्जिन में कमी और रुपये के कमजोर होने के कारण हुई है।

खास खबर

10 से 13 रुपए प्रति लीटर का घाटा

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मुताबिक, पिछली बढ़ोतरी के बाद भी तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल पर लगभग 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर का घाटा झेल रही थीं। बहरहाल, पेट्रोल और डीजल की कीमतें अब मई, 2022 के बाद से उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। आखिरी बार कीमतों में वृद्धि अप्रैल 2022 में हुई थी। ईंधन की कीमतों में यह बढ़ोतरी भारत के तेल आयात बिल को नियंत्रित करने और ईंधन की खपत को कम करने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों के बीच हुई है।

देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत नहीं

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने देश में पेट्रोल एवं डीजल की समग्र किल्लत से इंकार किया है। आईओसी ने कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी होने से संबंधित खबरें 'बेहद स्थानीय' और अस्थायी प्रकृति की हैं, जो क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री के प्रारूप में बदलाव का नतीजा हैं। कुछ पेट्रोल पंपों पर बढ़ी हुई मांग का कारण फसल कटाई के समय डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि, अपेक्षाकृत अधिक कीमत वाले निजी पेट्रोल पंपों से ग्राहकों का सरकारी क्षेत्र के पंपों की तरफ स्थानांतरण के कारण संस्थागत खरीद में बढ़ोतरी है।

खुदरा विक्रेताओं को नुकसान

इस बीच, सरकार का कहना है कि कीमतों में इस वृद्धि के बावजूद, खुदरा ईंधन विक्रेताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि 15 मई की वृद्धि से नुकसान में एक चौथाई की कमी आई है और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अब भी प्रतिदिन लगभग 750 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रही हैं।

सरकार पर विपक्ष का निशाना

कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महंगाई मैन मोदी ने पेट्रोल-डीजल पर 9 दिन में 5 रुपए बढ़ा दिए। आज फिर पेट्रोल 94 पैसे और डीजल 95 पैसे महंगा कर दिया गया। मोदी को बस तेल कंपनियों के फायदे की चिंता है। एक तरफ जहां दुनियाभर की सरकारें अपनी जनता को राहत दे रही हैं, मोदी सरकार जनता को ही लूटने में लगी है। कभी तो जनता के भले के बारे में सोच लो, कब तक पूंजीपतियों का फायदा कराते रहोगे? पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'असली अर्थव्यवस्था' बताया।

यूपीएससी आज, डिजिटल वॉच, मोबाइल, आईटी गैजेट्स बैन, 13 हजार होंगे शामिल

रायपुर में 22, बिलासपुर में 14 सेंटर, पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन से प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को किया जाएगा। परीक्षा में 13 हजार 319 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए रायपुर में 22 और बिलासपुर में 14 सेंटर बनाए गए हैं। सुबह 9.30 से 11:30 बजे तथा दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक दो पाली में परीक्षा आयोजन किया जाएगा। परीक्षा केंद्र में प्रवेश फेस ऑथेंटिकेशन के बाद होगा, जहां डिजिटल वॉच, मोबाइल फोन, आईटी गैजेट्स बैन किया गया है। परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों को आधा घंटे पहले पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। रायपुर जिले में बनाए गए 22 परीक्षा केंद्रों में 8449 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के दौरान किसी भी ⏭शेष पेज 9 पर

एक साथ दो लोग नहीं जा सकेंगे वॉशरूम

परीक्षा के दौरान नकल रोकने के लिए बेहद सख्ती बरती जा रही है। परीक्षा दिलाने के दौरान एक साथ दो लोग वॉशरूम नहीं जा सकेंगे। इसके साथ ही परीक्षा के अंतिम तीस मिनट के दौरान इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को प्रवेश के समय ई-एडमिट कार्ड एवं वही फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो उनके परीक्षा फॉर्म में दर्ज है। मोबाइल पर ई-एडमिट कार्ड की तस्वीर दिखाने से परीक्षा केंद्र में एंट्री नहीं मिलेगी।

खबर संक्षेप

चड्ढा रास की याचिका समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली। हाल में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य

राघव चड्ढा को राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन करने के बाद सदन के 10 सदस्यों को इस समिति के लिए नामित किया। राघव चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति ने 20 मई से प्रभावी समिति का पुनर्गठन किया है।

क्रूजर कार और लॉरी की टक्कर, पांच की मौत

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक क्रूजर वाहन और लॉरी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए सभी पांचों मृतक आपस में रिश्तेदार थे। यह हादसा शुक्रवार देर रात कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक के लाडलापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। मृतकों की पहचान चित्तापुर तालुक के इंगलागी गांव निवासी तोलुसाब काशवार (27), हुसैन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) के रूप में हुई है।

डंपर ने सो रहे परिवार को कुचला, चार की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में फतेहपुर थाना क्षेत्र के झांसा गांव में

एक तेज रफ्तार डंपर ने एक परिवार को कुचल दिया जिससे चार लोगों की मौत हो गई तथा एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतकों की पहचान नीरज (35) और उसके बच्चों- अनुराग (13), अंशू (छह) और अंशिका (10) के रूप में हुई है। शुक्रवार रात बिजली न होने के कारण परिवार के सदस्य घर के बाहर सड़क किनारे सो रहे थे। डंपर पहले सड़क किनारे एक पेड़ से टकराया और फिर उसने बाहर सो रहे परिवार को कुचल दिया।

कई राज्यों में चढ़ा पारा, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और लू, तेलंगाना में चली गई 16 की जान

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हीटवेव, तापमान 44 डिग्री के हुआ पार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत के कई हिस्सों में शनिवार को भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी रहा। कई क्षेत्रों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। तेलंगाना में लू से 16 लोगों की मौत हो गई। आईएमडी ने झारखंड के तीन जिलों के लिए सोमवार को लू का अलर्ट जारी किया। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार को पारा 44.3 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि जानवरों और पक्षियों पर भी पड़ने लगा है। दिल्ली में पशु चिकित्सकों और पशु बचावकर्मियों ने बताया कि कबूतर थकान के कारण बेहोश होकर आसमान से गिर रहे हैं, निर्जलीकरण के कारण कई चील सड़क किनारे पड़ी हुई दिखीं और आवारा पशु पेट संबंधी विषाक्तता से जूझ रहे हैं।

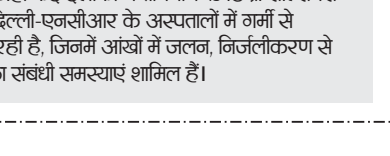

7 घंटे, 40 दमकल, डेढ़ सौ कर्मियों की टीम भी नहीं कर सकी आग को काबू

रायगढ़। शनिवार की दोपहर करीब 2 बजे छातामुड़ा बाईपास रोड स्थित एक कबाड़ दुकान में ऐसी आग लगी कि 7 घंटे, 40 दमकल और डेढ़ सौ कर्मचारियों की टीम साढ़े 9 लाख लीटर पानी डालने के बाद भी आग को काबू नहीं कर सके। हालात यह रहा कि देर रात तक आग धधकती रही और काला धुआं आसमान पर काली बदली की तरह छाया रहा। आग से उठ रहा काला धुआं पूरे शहर में छा गया था। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही मिनटों में कबाड़ दुकान के बाजू में स्थित प्लास्टिक गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग की लपटें हीरो होण्डा शोरूम तक भी पहुंच गई। इस घटना की वजह से पूरे इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आसमान में उठते काले धुएं का गुब्बार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहे थे।

लू की चपेट में राष्ट्रीय राजधानी

दिल्ली पिछले कई दिन से लू की चपेट में है, जहां कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। चिकित्सकों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जिनमें आंखों में जलन, निर्जलीकरण से होने वाला सिरदर्द और गर्मी से उत्पन्न तंत्रिका संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

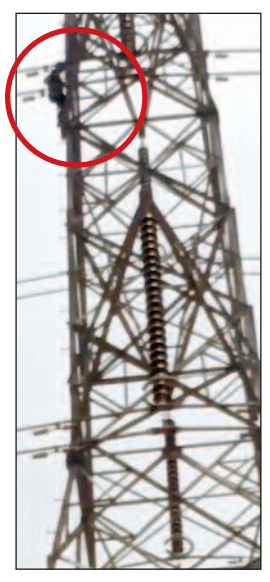

दो पत्नियां, हरदम खटपट, मिल-जुलकर रहें इसलिए हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंवरी(धमतरी)

भखारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भेंडरा में पिछले दो दिनों से चल रहा जानलेवा हाई-वोल्टेज ड्रामा आखिरकार खत्म हो गया है। हाईटेंशन टावर की 50 फीट ऊंची चोटी पर चढ़े 32 वर्षीय किसान यादराम साहू को पुलिस और प्रशासन ने भारी मशक्कत के बाद सुरक्षित नीचे ⏭शेष पेज 9 पर

वीडियो न बनाने की शर्त पर आया नीचे, 48 घंटे का हाई-वोल्टेज ड्रामा खत्म

प्रेमिका से शादी की जिद में टावर पर चढ़ा

हाथरस। हाथरस जिले के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक युवक कथित तौर पर 'प्रेमिका से शादी की मांग' को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस और परिजनों के समझाने पर वह नीचे उतर आया। जिले में एक माह में इस तरह की यह दूसरी घटना है।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा

वेबसाइट बंद, इंस्टाग्राम हैक, पर सरकार आंदोलन नहीं रोक सकती

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने एक्स पोस्ट में बताया कि इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। फाउंडर अभिजीत दीपके ने एक्स पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है। उस पर 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

■ अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहा अभिजीत

सरकार तानाशाही कर रही: अभिजीत

सरकार कॉकरोच से इतनी डरी हुई क्यों है? लेकिन यह तानाशाही रवैया भारत के युवाओं की आंखें खोल रहा है। आप अकाउंट को हैक करके उन पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन आप इस आंदोलन को हैक नहीं कर सकते। वहीं पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने 'कॉकरोच मूवमेंट' का समर्थन किया है।

कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत ढांचा बनाया जाएगा

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की नई गारंटी मिलेगी, केंद्र सरकार ने जारी किए वीबी-जी राम जी अधिनियम के मसौदा नियम, सार्वजनिक परामर्श आमंत्रित

1 जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत में रोजगार और आजीविका की गारंटी देने वाले विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जी-राम-जी) के मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं। ये नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए हैं। इनका उद्देश्य कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है। इन्हें अंतिम रूप देने से पहले व्यापक हितधारक परामर्श की सुविधा के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है। प्रस्तावित नियमों में संक्रमणकालीन प्रावधान, राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति और केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक खर्चों, शिकायत निवारण और मजदूरी के भुगतान से संबंधित प्रावधान भी इसमें हैं।

संक्रमण काल में चल रहे कार्य प्रभावित नहीं होंगे

मसौदा नियम मनरेगा से वीबी-ग्राम जी में बदलाव के लिए एक रूपरेखा की तरह हैं। वीबी-ग्राम जी मौजूदा ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम का स्थान लेगा। ये प्रावधान सुनिश्चित करते हैं कि संक्रमण काल में चल रहे कार्य प्रभावित न हों। इसमें देनदारियों का निपटान और अभिलेखों का हस्तांतरण भी शामिल है।

बेरोजगारी भत्ता और सामान्य आवंटन से अधिक खर्च शामिल किए

फाइल फोटो

बेरोजगारी भत्ता और सामान्य आवंटन से अधिक खर्च का विवरण भी नियमों में है। इसमें विधायिका रहित केंद्र शासित प्रदेशों के खर्च भी शामिल हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि ये नियम पूरे देश में अधिनियम के लिए संस्थागत, प्रशासनिक, वित्तीय और शासन ढांचा स्थापित करेंगे। परामर्श प्रक्रिया का लक्ष्य सहभागी शासन सुनिश्चित करना और राज्यों, संस्थानों, विशेषज्ञों, नागरिक समाज संगठनों तथा आम जनता से रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करना है।

हितधारकों की भागीदारी तय होगी सुनिश्चित होगी

सरकार ने इन नियमों को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक परामर्श प्रक्रिया अपनाई है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। राज्यों, विभिन्न संस्थानों और विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

नियमों का व्यापक दायरा

ये मसौदा नियम कई महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संचालन समिति की भूमिका और जिम्मेदारियां शामिल हैं। केंद्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के गठन और कार्यों का भी इसमें उल्लेख है। प्रशासनिक खर्चों का प्रबंधन और शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना भी नियमों का हिस्सा है। मजदूरी और बेरोजगारी भत्ते के भुगतान के तरीके भी स्पष्ट किए गए हैं। सामान्य आवंटन से अधिक होने वाले खर्चों का प्रबंधन भी इन नियमों के दायरे में आता है।

अब मनरेगा की जगह लेगी यह योजना

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाली दशकों पुरानी मनरेगा योजना की जगह अब एक नया ऐतिहासिक कानून लेने जा रहा है। केंद्र सरकार आगामी 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में 'वीबी-जी राम जी' (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन - ग्रामीण) योजना को आधिकारिक तौर पर लागू करने जा रही है। सरकार का उद्देश्य इस नई योजना के जरिए ग्रामीण परिवारों को अधिक दिनों का गारंटीशुदा रोजगार देना और पूरी व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना है।

खबर संक्षेप

जिमखाना क्लब 5 जून तक खाली करें

नई दिल्ली। देश के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक दिल्ली जिमखाना क्लब जल्द ही इतिहास बन

जाएगा। केंद्र ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग से सटी सार्वजनिक भूमि पर स्थित क्लब को 5 जून तक परिसर खाली करने का आदेश दिया। सरकार ने कहा है कि 27.3 एकड़ का यह भूखंड 'रक्षा बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने के लिए जरूरी है।

बॉक्सिंग कोच पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में 50 वर्षीय मुक्केबाजी प्रशिक्षक पर प्रशिक्षु का यौन उत्पीड़न करने और परिवार को धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। संपंगीरामनगर थाने में यौन उत्पीड़न से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के संबंधित प्रावधानों के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी में प्रशिक्षक का नाम व चार दिसंबर, 2025 से 22 मई, 2026 तक की कथित घटनाओं का विवरण दिया गया है।

बच्ची का अपहरण और मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

कोयंबटूर। कोयंबटूर की सुलूर पुलिस ने सुलूर के कन्नमपालयम के पास एक 10 वर्षीय बच्ची के

अपहरण और हत्या के आरोप में शनिवार तड़के 33 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया हैबच्ची गुरुवार शाम को अपने घर के पास एक किराने की दुकान पर गई थी। इसी दौरान आरोपी ने दोपहिया वाहन पर उसका अपहरण कर बाद में हत्या भी कर दी।

फंदे पर मिली महिला, बीमा के लिए पति पर आरोप

खम्मन। तेलंगाना के खम्मन जिले के तिरुलायपालेम मंडल के गोल थंडा गांव में शादीशुदा महिला

संदिग्ध हालात में मृत पाई गई। मृतक की पहचान बनोथ मीनाक्षी के तौर पर हुई। पुलिस ने बताया कि उसका शव उसके घर पर लटका हुआ मिला। परिवार वालों का आरोप है पति ने बीमा के लिए हत्या कर दी और उसकी मौत को आत्महत्या दिखाने की कोशिश की।

शिअद में कलह तेज 3 गुटों में बंटी पार्टी

खडूर साहिब। 2027 के चुनावों में अपने बलबूते सरकार बनाने का दावा करते हुए शिरोमणि अकाली

दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आप छोड़कर आई रमनदीप कौर शेरों को खडूर साहिब का हलका इंचार्ज लगाया तो पार्टी में बखेड़ा पैदा हो गया। नतीजन शिअद तीन गुटों में बंट गया। तीनों ही नेता अपने हठ पर कायम हैं। पार्टी में कलह बढ़ रही है।

रोजगार मेले में 51,000 युवाओं को पीएम मोदी ने दिए नियुक्ति पत्र

देशभर के युवा 'विकसित भारत' की बढ़ती यात्रा को गति देने में अहम भूमिका निभा रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से युवाओं से संवाद भी किया

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले में अलग-अलग सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि भारत के युवा 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रही यात्रा को गति देने में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

'रोजगार मेला' युवाओं को नए अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देशभर के हजारों युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। इस उपलब्धि के लिए मैं सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नवनियुक्त युवाओं से संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम जिम्मेवार भागीदार बन रहे हैं। रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ, एजुकेशन और दूसरे कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी अहम भूमिका निभाने वाले हैं।

दुनिया भारत के युवाओं और टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित दिख रही

पीएम मोदी ने कहा कि अभी दो दिन पहले मैं पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं। कहने को तो ये सिर्फ पांच देशों की यात्रा थी, लेकिन इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर्स से बातें हुईं, विस्तार से चर्चा हुईं। इस दौरान हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है। दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है।

देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिलना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले और उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ, मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले।

देश के कई क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे

उन्होंने कहा कि आज स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन और टिकाऊ विनिर्माण से जुड़े क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनसे जुड़ी साझेदारी एक नई अर्थव्यवस्था के नए अवसर के दरवाजे खोल रही हैं। स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ 'ग्रीन ट्रांजिशन एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी' में भी सहयोग बढ़ रहा है। ये भारत को क्लीन मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी फ्यूचर इंडस्ट्री में मजबूत करेगा।

हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ये संकल्प, 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आज देश अलग-अलग क्षेत्र में निवेश कर रहा है और इस निवेश से देश के युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर बन रहे हैं।

एआई से लेकर ग्रीन टेक्नोलॉजी तक युवाओं को मिलेगा लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि विदेश यात्रा के दौरान नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर, जल (वाटर), कृषि और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, स्वीडन के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग , नॉर्वे के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्रीसहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बन। यूएई के साथ रणनीतिक ऊर्जा और तकनीकी साझेदारी पर विस्तार से बातचीत हुई।इटली से रक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स, विज्ञान और तकनीक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के समझौते हुए। इन सभी समझौतों का लाभ भारत के युवाओं को मिलने वाला है।

सेमीकंडक्टर तकनीक से वैश्विक नेतृत्व की ओर

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य विकसित भारत 2047 के विजन के साथ आगे बढ़ना है। इसके लिए देश हर क्षेत्र में लगातार निवेश कर रहा है, जिससे नए रोजगार पैदा हो रहे हैं। खासकर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में पूरी सप्लाई चेन तैयार की जा रही है और भारत की 10 प्रमुख सेमीकंडक्टर इकाइयां पहचान बनाएंगी।

सीजेआई की अगुवाई में कल सुनवाई

ट्विशा मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/भोपाल

भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा की मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 25 मई को सुनवाई की तारीख तय की है। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच करेगी।

बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने मुख्य न्यायाधीश के समक्ष स्वतः संज्ञान लेने की अनुमति के लिए रखा था, उस नोट में मीडिया रिपोर्ट्स और अन्य परिस्थितियों के आधार पर जांच के प्रभावित होने को लेकर सवाल उठाए गए थे। नोट में यह भी उल्लेख किया गया था कि 33 वर्षीय कॉरपोरेट प्रोफेशनल और पूर्व अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की 12 मई को भोपाल स्थित ससुराल में मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स और बाद की घटनाओं के आधार पर यह धारणा बनाई जा रही है कि निष्पक्ष जांच कथित तौर पर न्यायिक प्रभाव के कारण प्रभावित हुई हो सकती है।

आज शव का 'दोबारा' पोस्टमार्टम

ट्विशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम रविवार को होगा। इसके लिए एम्स दिल्ली ने चार वरिष्ठ डॉक्टरों की मेडिकल टीम बनाई गई है। यह टीम आधुनिक उपकरणों के साथ राज्य सरकार के चार्टर्ड विमान से शनिवार देर रात भोपाल पहुंच गई। एसीपी रजनीश कश्यप कौल के नेतृत्व में एसआईटी मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि समर्थ से विस्तृत पूछताछ की जाएगी। घटना वाले दिन की डिटेल भी पूछी जाएगी।

सात दिन की पुलिस रिमांड पर पति समर्थ

ट्विशा शर्मा केस में आरोपी पति समर्थ सिंह को शनिवार दोपहर जेपी अस्पताल में समर्थ सिंह का मेडिकल कराने के बाद 3 बजे उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने समर्थ की 7 दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। वहीं, ट्विशा के परिजनों की ओर से दिए गए आवेदन पर कोर्ट ने समर्थ का पासपोर्ट जब्त करने के भी आदेश दिए हैं। शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे पुलिस समर्थ को जबलपुर से भोपाल लेकर पहुंची थी। उसे कटारा हिल्स थाने में रखा गया। थाने के बाहर बैरिकेडिंग कर फोर्स तैनात रही। कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस ने भोपाल के जेपी हॉस्पिटल में उसका मेडिकल टेस्ट भी कराया।

हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे : पुलिस

मामले में शनिवार दोपहर 1 बजे भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कहा कि रिमांड मिलने के बाद पुलिस उससे घटना वाली रात, पारिवारिक विवाद, मोबाइल चैट, कॉल डिटेल और फरारी के दौरान की गतिविधियों को लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस लगातार समर्थ की तलाश में थी, लेकिन इस बात का अंदाजा नहीं था कि वह सीधे कोर्ट पहुंचकर सरेंडर कर देगा। हम गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ करेंगे। हम उनको तीन बार नोटिस दे चुके हैं। वे पूछताछ के लिए नहीं आई हैं इसीलिए उनकी अग्रिम जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया है।

दिल्ली में प्रदूषण कम करने की पहल

कीर्तिनगर में पहली बार डस्ट कैचर मशीनें हवा साफ करेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के कीर्तिनगर में प्रदूषण कम करने पोल माउंटेड डस्ट कैचर मशीनें लगाई गई हैं। पहली बार इन

मशीनों को लगाया है। प्रयोग के तौर पर अभी 21 मशीनें लगाई हैं। इसे स्ट्रीट लाइट के पोल में लगाया गया है। यह एक फिल्टर लेस मशीन है, जिससे धूल और धुआं दोनों साफ किया जा सकता है। एक मशीन 1 घंटे में 3 लाख लीटर हवा को शुद्ध करेगी।

हवा में मौजूद पोल्यूटेंट को करेंगी इकट्ठा

मशीन में एक बॉक्स लगा हुआ है, जिसमें हवा में मौजूद पोल्यूटेन्ट को इकट्ठा किया जाता है। जब इस बॉक्स में 2.5 किलो पोल्यूटेन्ट जमा हो जाता है तो कंट्रोल सेन्टर में संदेश चला जाता है। उसके बाद उस बॉक्स को बदल दिया जाता है। इसके बाद मशीन फिर से काम करने लगती है। जो इस मशीन के द्वारा जमा किया जाता है, उसे कम्प्रेस करके ईंट बना लिया जाता है।

पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी

अजय के साथ 30 समर्थकों पर एफआईआर, सौंपी 'पेन ड्राइव'

एजेंसी ▶▶ महोबा

जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने आए कांग्रेस

के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य और अधिवक्ता नीरज रावत की तहरीर पर अजय राय, बृजराज सिंह समेत 30 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज

ड्यूटी पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने में मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने वायरल वीडियो की पैन ड्राइव पुलिस को साक्ष्य के तौर पर सौंपी। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में तहरीर मिली है। तहरीर के आधार पर सरकारी कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु ने पारदर्शिता लाने के कदम उठाए

भर्ती परीक्षाओं में अब परीक्षार्थियों को दी जाएगी ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी

एजेंसी ▶▶ सियालदेह

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने बड़ा कदम उठाया है। अब से परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। सीएम अधिकारी ने मध्य कोलकाता के सियालदह में सरकार की ओर से आयोजित एक रोजगार मेले में यह घोषणा की। उन्होंने कहा, हर युवा उम्मीदवार को कार्बन कॉपी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अभी कार्बन कॉपी नहीं दी जाती थीं।

सियालदेह में रोजगार मेले में यह बात कही

बंगाल में रुकी 61 रेल परियोजनाओं शुरू होंगी

सुवेंदु ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार के असहयोग के कारण रुकी हुई 61 रेल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए संबंधित विभागों को रेलवे को अविलंब भूमि सौंपने का निर्देश दिया है।

हर गरीब को मिलेगा फ्री इलाज, खुलेगा एम्स

सुवेंदु ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ अहम वर्चुअल बैठक की। बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 2103 करोड़ आवंटित किए गए। सुवेंदु ने कहा जुलाई से राज्य में आयुष्मान भारत कार्ड देने का काम शुरू हो जाएगा। नया एम्स भी खोला जाएगा। केंद्र ने बंगाल को 976 करोड़ रुपए दिए हैं। शनिवार को 500 करोड़ की राशि दे दी है। नया एम्स भी बनेगा।

गोयल ने कहा- विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे

33,660 करोड़ का बजट तय, 4 माह में राज्य आवेदन दें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राज्यों को भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत 50 औद्योगिक पार्क स्थापित करने का अवसर दिया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 33,660 करोड़ का बजट तय किया है। राज्यों से आवेदन करने के लिए 4 महीने समय दिया है। यह पहल देश में विश्व स्तरीय औद्योगिक बुनियादी ढांचा तैयार करेगी।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 18 मार्च को देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित करने की इस योजना को मंजूरी दी थी। इसका मुख्य लक्ष्य विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा देना है।

50 औद्योगिक पार्क पहले बनेंगे

20 पार्क पहले 2 माह में बनेंगे

30 पार्क इसके 2 माह बाद बनेंगे

50 अंतिम चरण में होंगे स्थापित

देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे

चयन प्रक्रिया चुनौती विधि के माध्यम से होगी

योजना के तहत 100 से 1,000 एकड़ तक के औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। प्रति एकड़ एक करोड़ तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। पहाड़ी राज्यों के लिए 25 एकड़ भूमि पर भी पार्क होंगे। चयन प्रक्रिया चुनौती विधि से होगी।

निजी साझेदारी का प्रावधान

योजना में राज्यों के लिए निजी खिलाड़ियों के साथ साझेदारी का भी प्रावधान है। ऐसे प्रस्तावों के लिए केंद्र प्रति एकड़ 50 लाख की सहायता देगा।गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

औद्योगीकरण बढ़ेगा

भव्य योजना क्लस्टर आधारित विकास को बढ़ावा देगी। यह उद्योगों, आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं के सह-स्थान को सक्षम बनाएगी। इससे घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और क्षेत्रीय औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। यह लाखों लोगों के लिए नए अवसर पैदा करेगी। विनिर्माण इकाइयों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप और वैश्विक निवेशकों को इसका लाभ मिलेगा। 3 साल में ये 50 पार्क चालू हो जाएंगे।

एयर टर्बुलेंस से दिक्कत

एक घंटे तक थमी रही विमान में बैठे 160 यात्रियों की सांसें

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में रवाना हुआ एक विमान शनिवार को दोहरे संकट में फंस गया। दिल्ली का मौसम खराब होने के कारण विमान को वहां उतरने की अनुमति नहीं मिली। दूसरा विमान जब आसमान में चक्कर काट रहा था तो हवा के तेज झोंके में फंस गया। इससे विमान यात्री कुछ देर के लिए भयभीत हो गए। हालांकि करीब एक घंटे आसमान में चक्कर काटने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने की अनुमति मिल गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान आईएक्स-1167 ने शनिवार को सुबह 7:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से उड़ान भरा था। यह विमान 7:40 बजे दिल्ली वायुसीमा क्षेत्र में दाखिल हुआ तो वहां के एटीसी ने बताया कि खराब मौसम के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी जा सकती। बताया जा रहा है कि इसमें 160 यात्री सवार थे। करीब एक घंटे के बाद यात्रियों की सांस मिली।

जैकी और शरद की डरावनी 'खेती' का मोशन पोस्टर जारी

मुंबई। जैकी श्रॉफ ने अपने फिल्मी करियर में एक्शन, थ्रिलर, पारिवारिक ड्रामा और कॉमेडी फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। अब वह भूतिया फिल्म के जिरए लोगों को डराने की तैयारी कर रहे हैं। इसमें उनका साथ शरद केलकर देंगे। फिल्म का शीर्षक 'खेती' रखा गया है, जिसका पहला मोशन पोस्टर भी सामने आ गया है। हारिस इम्तियाज खान द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का निर्माण ब्लैककैनवास स्टूडियो के बैनर तले हुआ है। पोस्टर में एक खेत को दर्शाया गया है, जिसके पीछे एक डरावने और रहस्यमयी व्यक्ति की झलक नजर आती है। बैकग्राउंड में एक डरावनी और रहस्यमयी ध्वनि शामिल है।

लाइफ Style

भूमि

दलाई लामा से मिलकर आंखों से छलके आंसू

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर एक बार फिर से चर्चा में हैं। इसका कारण उनकी आगामी परियोजना नहीं, बल्कि एक सोशल मीडिया पोस्ट है जो अब वायरल हो रहा है। अपनी इस पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया कि आखिर किससे मिलकर उनकी आंखें नम हो गईं।

दरअसल, भूमि ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला की अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा की हैं और बताया कि उनकी मुलाकात परम पावन दलाई लामा से हुई। उन्होंने तस्वीरों के जरिए मुलाकात का अनुभव साझा किया है। उन्होंने लिखा, 'परम पावन दलाई लामा की उपस्थिति में, सबकुछ हल्का, शांत और अलौकिक-सा महसूस हुआ। जैसे ही मैं वहां से उठी, मुझे एहसास हुआ कि मेरी आंखों से आंसू बह रहे हैं। यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं पूरी तरह बयां नहीं कर सकती, बस गहराई से महसूस कर सकती हूं। मैं एक अंतर्मुखी यात्रा पर हूं और जादू के ये पल मेरे दिल को उस जीवन के लिए कृतज्ञता से भर देते हैं जो हमें मिला है।' अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'सचमुच धन्य हूं कि मुझे इतनी शांति, कृपा और करुणा का अनुभव हुआ। यह एक ऐसी स्मृति है जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।' साथ में सफेद दिल वाला इमोजी भी जोड़ा। उनकी पोस्ट पर उनके फैंस भी अपना प्यार लुटा रहे हैं। काम की बात करें, तो भूमि को आखिरी बार सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज 'दलदल' में देखा गया था। पिछले साल वह 'द रॉयल्स' में दिखी थीं, जिसमें ईशान खट्टर भी थे।

हॉलीवुड मसाला

चश्मा के कारण हुईं ट्रोल

लॉस एंजेलिस। किम कार्दशियन अक्सर अपने फैशन से लोगों का ध्यान खींच लेती हैं और चर्चा का विषय बन जाती हैं। एक बार फिर वह अपने नए लुक की वजह से चर्चा का विषय बन गई हैं। फैशन की दुनिया की बड़ी हस्ती ने हाल ही में एक ऐसा शानदार लुक अपनाया, जिसने ऑनलाइन चर्चा छेड़ दी। इस बार वह अपने बड़े-से काले धूप के चश्मे को लेकर ट्रोल हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि किम एक बोल्ड एनिमल-प्रिंट ड्रेस में हैं।

एंजेलिना की बेटी ने हटाया पिता का सरनेम

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री एंजेलिना जोली और अभिनेता ब्रैड पिट की बेटी जहरा मार्ले जोली एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दरअसल, जहरा ने अपने नाम से पिता ब्रैड पिट का सरनेम हटा दिया। इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर उनको लेकर काफी चर्चा हो रही है। दरअसल, जहरा ने हाल ही में साइकोलॉजी सबजेक्ट में बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री हासिल की। कॉलेज के ग्रेजुएशन सेरेमनी में जब वह डिग्री लेने के लिए स्टेज पर पहुंचीं, तो उनका नाम 'जहरा मार्ले जोली' पढ़ा गया। हालांकि, कॉलेज में आधिकारिक रूप में उनका पूरा नाम 'जहरा मार्ले जोली-पिट' लिखा हुआ था, लेकिन स्टेज पर उनके नाम से 'पिट' हटाए जाने को वहां मौजूद लोगों ने नोटिस किया। नवंबर 2023 में जब जहरा एक छात्र संगठन 'अल्फा कप्पा अल्फा सोरोरिटी' में शामिल हुई थीं।

'टॉक्सिक' में धाकड़ होगा महिलाओं का किरदार

मुंबई। अभिनेता यश अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' की जमकर तारीफ कर रहे हैं। उनका कहना है कि ये कोई साधारण या आम गैंगस्टर (गुंडों वाली) फिल्म नहीं है। इस फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास हैं। फिल्म में कियारा आडवाणी और नयनतारा भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। यश के मुताबिक, ये फिल्म इंसानी भावनाओं की गहराई को दिखाती है और इसमें कहानी को बिल्कुल नए और दमदार तरीके से पेश किया गया है। यश ने गीतू मोहनदास की निर्देशन शैली को अप्रत्याशित बताया है। उन्होंने कहा, हर सीन में कुछ नया देखने को मिलता है, कहानी का रुख बदल जाता है। उन्होंने फिल्म में महिला किरदारों को 'धाकड़' बताया है, जो उनकी ताकत और जिंदा रहने की ललक को उजागर करती है।

प्रकाश राज ने पूरी की दृश्यम-3 की शूटिंग

मुंबई। अभिनेता प्रकाश राज ने अपनी आने वाली फिल्म 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी कर ली है। ये अजय देवगन अभिनीत एक हिंदी क्राइम थ्रिलर है। उन्होंने सेट से एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'एक शानदार टीम के साथ गजब का शूट खत्म हुआ। इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे पूरा यकीन है कि ये आपको भी बहुत पसंद आएगी... अब अगली फिल्म की ओर।' बता दें कि ये फिल्म अक्टूबर, 2026 में सिनेमाघरों में आएगी। निर्देशक अभिषेक पाठक की ये फिल्म विजय सालगांवकर और उनके परिवार की कहानी आगे बढ़ाएगी। कहानी में दिखाया जाएगा कि कैसे परिवार एक अपराध को छिपाने के बाद उसके नतीजों से जूझता है। फिल्म में अजय देवगन, तब्बू और श्रिया सरन अपनी पहले वाली भूमिकाओं में ही दिखेंगे।

टीवी मसाला

सिंगर बनने मुंबई आई थीं सुगंधा मिश्रा, फिर ऐसे बनी कॉमेडियन

मुंबई। भारत की फेमस कॉमेडियन और सिंगर सुगंधा मिश्रा किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो अपने अब तक के करियर में कई कॉमेडी शोज में नजर आ चुकी हैं, लेकिन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' से उन्हें एक अलग ही पहचान मिली। इस शो में उन्होंने विद्यावती का किरदार निभाया था। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि सुगंधा कॉमेडियन नहीं, बल्कि सिंगर बनना चाहती थी। सुगंधा 23 मई को अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। आइए इस मौके पर उनकी जिंदगी से जुड़ी दिलचस्प बातें जानते हैं।

संगीत घराने से रखती हैं ताल्लुक : सुगंधा मिश्रा का जन्म 23 मई, 1988 को पंजाब के जलंधर में हुआ है। उन्होंने गुरु नानक देव यूनवर्सिटी से पढ़ाई की और म्यूजिक भी सीखा। बचपन से ही सुगंधा सिंगर बनना चाहती थीं और उन्होंने 14 साल की उम्र से गाना शुरू कर दिया था। सुगंधा का संगीत से ताल्लुक बचपन से ही रहा है। दरअसल, वो संगीत से जुड़े प्रतिष्ठित इंदौर घराना से ताल्लुक रखती हैं। वो अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं, जिन्होंने संगीत में करियर बनाया। बता दें कि सुगंधा ने संगीत की शिक्षा अपने दादाजी पंडित शंकर लाल मिश्रा से ली थी।

कपिल शर्मा को देती हैं क्रेडिट : सुगंधा मिश्रा ने 'सारेगामापा सिंगिंग सुपरस्टार' नाम के रियलिटी शो में हिस्सा लिया था और थर्ड रनर अप रहीं। इसके बाद सुगंधा को 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' के ऑडिशन में चुना गया था, जिसके बाद वह स्टैंड-अप कॉमेडियन बन गईं। वो अपने कॉमेडियन बनने का क्रेडिट कपिल शर्मा को देती हैं, जिसका जिक्र उन्होंने 2014 में दिए एक इंटरव्यू में भी किया था।

टीवी पर आ रहा नया शो 'सैराब'

स्टार प्लस का आने वाला सीरियल 'सैराब' पिछले एक हफ्ते से खूब चर्चाओं में हैं। हालांकि अब फैंस का इंतजार खत्म हो गया हैं क्योंकि हाल ही में

स्टार प्लस और शो के मेकर्स ने इसके लीड कलाकारों के नाम से पर्दा हटा दिया है और नए रोमांटिक जोड़ी के नामों का ऐलान कर दिया हैं. चैनल ने ऑफिशियली इस रोमांटिक ड्रामा के लीड का नाम बताया कि इस बार 'सैराब' में मदिराक्षी मुंडले और रोहित चंदेल की जोड़ी देखने को मिलेगी। कुछ दिनों पहले ही शो का टीजर रिलीज किया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। शो में रोहित एक सिंगिंग सेंसेशन और पॉप स्टार के रूप में नजर आएंगे, जिसकी लाइफ शोहरत, जुनून और इमोशंस से भरी हुई हैं। वहीं मदिराक्षी की स्क्रीन प्रेजेंस भी बहुत ही शानदार देखने को मिली। ये शो 2 जून से शाम 7:30 बजे टीवी पर प्रसारित होने वाला है. आप इसे टीवी के अलावा ओटीटी प्लेटफार्म जियो हॉटस्टार पर भी आसानी से देख सकते हैं।

अक्षय कुमार ने संवारा कश्मीर का ये सरकारी स्कूल, 1 करोड़ के दान से हुआ कायाकल्प

जम्मू। अक्षय कुमार ने एक बार फिर अपनी दरियादिली से सबका दिल जीत लिया है। अभिनेता द्वारा दिए गए 1 करोड़ रुपये के भारी-भरकम दान ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में स्थित एक सरकारी स्कूल की सूरत पूरी तरह बदल कर रख दी है। अक्षय की इस मदद से स्कूल की एक नई और अत्याधुनिक बिल्डिंग बनकर तैयार हो चुकी है, जिसने कश्मीरी बच्चों के बेहतर भविष्य की नई राह खोल दी है।

अक्षय के पिता के नाम पर बनी नई बिल्डिंग

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में गुरेज घाटी के सुदूर सीमावर्ती इलाके में स्थित गवर्नमेंट मिडिल स्कूल नेरो तुलेल के लिए अक्षय ने 2021 में 1 करोड़ रुपये दान किए थे। इस योगदान का उपयोग स्कूल का एक नया ब्लॉक बनाने के लिए किया गया है, जिससे स्थानीय बच्चों के लिए संस्थान के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है। अक्षय के पिता की याद में इस नई बिल्डिंग का नाम श्री हरि ओम भाटिया एजुकेशन ब्लॉक रखा गया है।

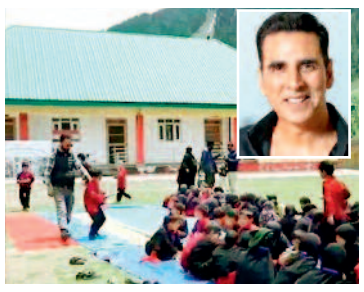

अक्षय के प्रयास से सुदूर कश्मीरी गांव में मजबूत हुई शिक्षा की नींव

इस दौरे के दौरान अक्षय ने बीएसएफ जवानों से भी मुलाकात की, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और उनके साथ डांस भी किया था। नई बिल्डिंग का निर्माण पूरा होने के साथ छात्र अब बेहतर शैक्षणिक माहौल में पढ़ाई कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों ने कहा कि इन सुविधाओं ने स्कूल के अनुभव को बेहतर बनाया है और सुदूर सीमावर्ती गांव में रहने वाले बच्चों के लिए भविष्य की शैक्षिक संभावनाओं को मजबूत करने में मदद की है।

एलओसी पर बच्चों के हालात देख पिघला था अक्षय का दिल

नई बिल्डिंग में अब क्लासरूम, एक कंप्यूटर लेबोरेटरी, एक लाइब्रेरी और शिक्षकों के लिए ऑफिस स्पेस है, जबकि छात्रों को एक साफ-सुथरे और बेहतर माहौल में सरकार की 'मिड-डे मील' (मध्याह्न भोजन) योजना का लाभ भी मिल रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, साल 2021 में अक्षय बीएसएफ के निमंत्रण पर एलओसी पहुंचे थे। तुलेल गांव के दौरे के दौरान उन्होंने बच्चों और स्कूल की स्थिति देखकर इस स्कूल के लिए 1 करोड़ रुपये दान देने की घोषणा की थी।

'राजा शिवाजी' बनी सबसे तेजी से 100 करोड़ कमाने वाली पहली मराठी फिल्म

मुंबई। रितेश देशमुख के निर्देशन और अभिनय वाली फिल्म 'राजा शिवाजी' 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा सबसे तेजी से छूने वाली मराठी फिल्म बन गई है। फिल्म की चर्चा हर तरफ है। सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ रही है और दर्शक इसे बार-बार देखने भी आ रहे हैं। यही वजह है कि ये फिल्म पूरे महाराष्ट्र और उससे बाहर भी एक बड़ा सांस्कृतिक पल बन गई है।

देशमुख की 'मुंबई फिल्म कंपनी' दे रही हिट फिल्में : ये कामयाबी रितेश और जेनेलिया देशमुख की 'मुंबई फिल्म कंपनी' के बेहतरीन रिकॉर्ड में एक और मील का पत्थर साबित हुई है। पिछले 10 सालों में इस कंपनी ने 'बालक पालक' (जिसे नेशनल अवॉर्ड मिला), 'येलो' और 'लाई भारी' जैसी कई हिट फिल्में दी हैं। 'राजा शिवाजी' की बात करें तो इसमें संजय दत्त, विद्या बालन, महेश मांजरेकर और खुद जेनेलिया जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं।

मां-बेटी का ये पल इंटरनेट पर छाया हुआ है

कान्स 2026: आराध्या ने किया अंतर्राष्ट्रीय रेड कार्पेट पर डेब्यू, लाइमलाइट लूटी

***मुंबई।** कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के मंच से कुछ बेहद खूबसूरत और यादगार तस्वीरें सामने आई हैं। बॉलीवुड की 'ग्लोबल क्वीन' ऐश्वर्या राय बच्चन की बेटी आराध्या बच्चन ने अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट पर अपना शानदार डेब्यू कर लिया है। अब तक अपनी मां के साथ सिर्फ एक साथी के रूप में दिखने वाली 14 साल की आराध्या इस बार खुद स्पॉटलाइट में रहीं और अपने लुक से पूरी लाइमलाइट लूट ली। मां-बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।*

फैंस बोले- ये तो छोटी ऐश्वर्या है

आराध्या पिछले कई सालों से अपनी मां के साथ कान्स फिल्म फेस्टिवल में आ रही हैं, लेकिन ये पहली बार है, जब उन्होंने अपनी मां के साथ रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा और तस्वीरों के लिए पैपराजी को जमकर पोज दिए। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस मां-बेटी की जोड़ी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'रानी और राजकुमारी'। कुछ लोग आराध्या को छोटी ऐश्वर्या बता रहे हैं। एक ने लिखा, 'बिल्कुल मां पर गई है आराध्या।'

इसके 1 साल बाद ऐश्वर्या आधिकारिक तौर पर लॉरियल की ग्लोबल एंबेसडर बनीं और तब से लेकर आज तक वो कान्स के रेड कार्पेट पर भारत का सबसे लोकप्रिय चेहरा बन चुकी हैं।

लाल परी बनकर सबका ध्यान खींचा

आराध्या ने आखिरकार कान्स फिल्म फेस्टिवल में आयोजित एक इवेंट में अपनी मां के साथ अपना आधिकारिक रेड कार्पेट डेब्यू कर ही लिया। उन्होंने लाल रंग का एक चमकदार गाउन पहना था, जिसमें पीछे एक सुंदर सा लहराता हुआ कपड़ा लगा था। इस बार सबका ध्यान आराध्या ने ही अपनी तरफ खींचा। लाल परी बनीं आराध्या जैसे ही मां के साथ रेड कार्पेट पर उतरीं, सारे कैमरे उनकी तरफ घूम गए। मां-बेटी का ये पल इंटरनेट पर छाया हुआ है।

नीले रंग के गाउन में भी खूब चमकी थीं ऐश

ऐश्वर्या ने फिर साबित कर दिया कि क्यों उन्हें कान्स में भारत का सबसे भरोसेमंद और सदाबहार आइकॉन माना जाता है। इससे पहले उन्होंने डिजाइनर अमित अग्रवाल के बनाए एक बेहद अनोखे और शाही ब्लू गाउन में खूब सुर्खियां बटोरी थीं, जिसे स्टाइलिस्ट मोहित राय के साथ मिलकर तैयार किया गया था। फेस्टिवल के दौरान ऐश्वर्या को लॉरियल की साथी ब्रांड एंबेसडर और हॉलीवुड अभिनेत्री ईवा लोंगोरिया के साथ भी बहुत गर्मजोशी से मिलते और बातचीत करते हुए देखा गया।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी.-अ.-14052026-272545
CG-CG-E-14052026-272545
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2073] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 30, 2026/वैशाख 10, 1948
No.2073] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 30, 2026/VAISAKHA 10, 1948

रेल मंत्रलय

(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)

अधिसूचना

बिलासपुर, 28 अप्रैल, 2026

रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क के अंतर्गत सूचना

का.आ. 2146(अ).- रेल अधिनियम, 1989 की धारा 20क की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सार्वजनिक उदेश्य के लिऐ संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना "खरसिया - नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)" दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के निष्पादन के लिए छत्तीसगढ़ ,राज्य के जिला दुर्ग मे आवश्यक है, एतद्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त, अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधिन, पूर्वोक्त प्रयोजन के लिये ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, अर्थात अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला- दुर्गछत्तीसगढ़, को लिखित में किया जायेगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेगें तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से विधी व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, तो करने के पश्चात, जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो अनुज्ञात या अनअनुज्ञात कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि या रेखांकन एवं अन्य ब्यौरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

"खरसिया - नया रायपुर- परमालकसा 5वीं एवं 6वीं लाइन (278 कि. मी.)" परियोजना के निर्माण के लिए, दुर्गजिले के अंतर्गत, अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना सहित या उनके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण-

क्रमांक संख्या	तहसील	गाँव का नाम	खसरा/प्लॉटसंख्या	क्षेत्रफल(हेक्टेयरमें)
1	पाटन	अरसनारा	1136/1	0.1777
2			1133	0.1030
3			1132	0.1042
4			1137/1	0.2520
5			1137/2	0.0800
6			1135/1	0.4382
7			1135/2	0.0553
8			1144/1	0.4881
9			1144/8	
10			1144/9	
11			1144/10	
12			1144/11	
13			1144/12	
14			1144/13	
15			1144/14	
16			1144/15	
17			1144/16	
18			1144/17	
19			1144/18	
20			1144/19	
21			1144/20	
22			1144/21	
23			1144/22	
24			1144/23	
25			1144/24	
26			1144/25	
27			1144/2	0.1677
28			1144/3	0.7317
29			1144/4	
30			1144/5	
31			1144/6	
32			1144/7	
33	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			2.5979
34	पाटन	फेकारी	22	0.2446
35			23	0.1102
36			24	0.1700
37			26	0.0196
38			25	0.0078
39			29	0.0583
40			30	0.1260
41			31	0.1150
42			32	0.3733
43			33	0.1737
44			180	0.3872
45			181/1	0.0900
46			181/2	0.1092
47			179	0.1936
48			182	0.1481
49			183	0.0600
50			232/1	0.1251
51			232/2	0.0801
52			232/3	0.0152
53			233/1	0.0926
54			233/2	0.0269
55			233/3	0.0460
56			233/4	0.0270
57			233/5	0.0303
58			233/6	0.0343
59			234	0.1056
60			235/1	0.0946
61			235/6	0.0130
62			235/2	0.0540
63			235/5	0.1593
64			235/3	0.1845
65			238	0.1884
66			237	0.1178
67			239	0.1352
68			240	0.2243
69			241/1	0.0879
70			241/2	0.0113
71			242	0.4588
72			243/1	0.0062
73			244	0.0660
74			245	0.2298
75			246	0.0230
76			248/1	0.0005
77			227	0.0014
78	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			5.0257
79	पाटन	ठकुराईन टोला	40/1	0.06000
80			40/2	0.06537
81	पाटन	ठकुराईन टोला	41	0.23960
82			149/1	0.02000
83			149/2	0.01104
84			149/3	0.01149
85			151/2	0.02728
86			192	0.03775
87			193	0.51276
88			194	0.11510
89			195	0.06772
90			196	0.12518
91			197	0.08983
92			202/2	0.03570
93			203	0.19549
94			203/472	0.11474
95			204	0.38872
96			205	0.55498
97			206	0.09213
98			232	0.01634
99			233	0.14706
100			234	0.29605
101			235	0.34263
102	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			3.56696
103	पाटन	बठेना	698/5	0.0400
104			698/7	0.0400
105			652/9	0.0400
106			652/10	0.0400
107			652/3	0.5300
108			652/8	0.3175
109			701/4	0.0005
110			1275	0.0163
111			1020/1	0.0300
112			1020/2	0.0200
113			632/1	0.0490
114			735/13	0.0084
115			708/1	0.0631
116			597/3	0.0004
117			654/2	0.0510
118			659/3	0.0130
119			708/2	0.0006
120			709/1	0.0147
121			732/1	0.2300
122			732/2	0.3529
123			735/1	0.0400
124			735/14	0.0515
125			735/3	0.0099
126			735/11	0.0100
127			735/12	0.0100
128			698/1	0.3311
129			698/3	0.3388
130			702/2	0.1542
131			702/1	0.0237
132			709/2	0.1104
133			735/6	0.0100
134			162	0.0551
135			735/7	0.0100
136			735/8	0.0100
137			735/2	0.0098
138			735/4	0.0078
139			735/5	0.0100
140			735/9	0.0100
141			735/10	0.0100
142			736/2	0.0804
143			737/1	0.1532
144			737/2	0.0010
145			762/2	0.0069
146			762/1	0.4385
147			764/2	0.2541
148			778/1	0.0450
149			879/5	0.0202
150			890/1	0.0073
151			1220/2	0.0313
152			1220/3	0.1247
153			305	0.3302
154			1220/1	0.0211
155			1232/2	0.0955
156			1232/1	0.5380
157			1258/3	0.0204
158			1258/1	0.0226
159			1265/1	0.2779
160			1265/2	0.1801
161			1265/3	0.0491
162			1265/4	0.0111
163			598/2	0.0215
164			698/6	0.0446
165			698/2	0.1803
166			649/5	0.0455
167			649/3	0.0380
168			1042	0.1440
169			1099	0.2288
170			1098	0.0248
171			1046	0.1199
172			1088/1	0.4019
173			1086	0.4390
174			1095	0.2590
175			1092	0.0477
176			1087	0.0261
177			1096/2	0.2695
178			1045	0.1729
179			1044	0.0739
180			1100	0.3227
181			1093	0.2968
182			1094	1.1125
183			1039	0.0001
184			1109	0.0440
185			1108	0.0440
186			1031	0.2386
187			1032/2	0.2711
188			1033	0.1088
189			1030/1	0.2140
190			1030/2	0.1891
191			1032/1	0.3200
192			1018	0.1508
193			1019/1	0.1600
194			1019/2	0.4000
195			1019/3	0.2368
196			1021	0.2660
197			1014/1	0.0503
198			1014/2	0.1400
199			1015	0.0025
200			999/2	0.3176
201	पाटन	बठेना	988	0.0818
202			987	0.1543
203			986	0.0383
204			891/1	0.0590
205			892	0.3996
206			891/2	0.0245
207			883	0.1470
208			889	0.3058
209			887	0.3705
210			888	0.2061
211			886	0.3769
212			879/2	0.0627
213			884	0.3593
214			1223/2	0.0692
215			867	0.2271
216			868	0.2800
217			866	0.0931
218			870	0.0260
219			885	0.3885
220			1219	0.0578
221			865/2	0.1900
222			869	0.4410
223			864/1	0.2500
224			864/2	0.0645
225			864/4	0.2400
226			865/3	0.1900
227			1226	0.1086
228			1221	0.1875
229			865/1	0.1939
230			1224	0.2400
231			1223/1	0.1573
232			1222	0.3959
233			766	0.0700
234			1229	0.2125
235			1230	0.2746
236			1231	0.5154
237			1242	0.0915
238			1233	0.2050
239			1234	0.2084
240			1241	0.2100
241			1235	0.0283
242			1238	0.5500
243			839/1	0.2480
244			1243/1	0.0703
245			1240	0.1799
246			1237	0.2511
247			1239	0.2818
248			1244	0.0090
249			1251	2.1225
250			1250	0.4097
251			1246	0.2388
252			1247	0.1726
253			1248	0.5622
254			1249	0.1500
255			1252	0.3608
256			765	0.0267
257			1264	0.3760
258			763	0.0437
259			1254/1	0.0477
260			1253	0.0463
261			761	0.0683
262			1254/3	0.1333
263			1254/2	0.1556
264			1280	0.4059
265			767	0.0061
266			1255	0.1904
267			1294/2	0.0014
268			1281	0.1200
269			769/1	0.1571
270			1259	0.1190
271			1256/1	0.1239
272			1279	0.1358
273			1256/2	0.0400
274			1260	0.1500
275			759	0.6974
276			733	0.1000
277			1257	0.0700
278			769/2	0.0869
279			1278	0.0994
280			597/1	0.0393
281			1262	0.0960
282			1277	0.1551
283			1276	0.0013
284			1258/2	0.0200
285			758/1	0.6405
286			758/2	0.1952
287			777	0.3214
288			1263	0.2537
289			778/2	0.2463
290			755	0.3973
291			757	0.1278
292			1267	0.2041
293			754/2	0.0480
294			756	0.2617
295			779	0.0467
296			729	0.1914
297			738	0.1298
298			1268	0.0484
299			734	0.2806
300			710/2	0.2832
301			731	0.2139
302			631/2	0.0401
303			742	0.0761
304			612	0.8300
305			716/1	0.0030
306			716/2	0.0251
307			715	0.3293
308			711/2	0.0725
309			713	0.4924
310			658	0.0648
311			712/1	0.3724
312			652/2	0.1951
313			712/2	0.0598
314			615	0.1947
315			634	0.0071
316			601	0.1750
317			650	0.9675
318			631/1	0.0834
319			616	0.0133
320			633	0.3970
321	पाटन	बठेना	648	0.2264
322			647	0.1700
323			646	0.1156
324			613	0.1076
325			651/1	0.0213
326			618	0.2687
327			991/1	0.0300
328			991/2	0.0300
329			991/3	0.0300
330			872/2	0.3866
331			1225/3	0.2516
332			1225/4	0.2095
333			1225/1	0.1334
334			1225/2	0.2611
335			1013/1	0.0779
336			611/1	0.2981
337			611/2	0.0577
338			1282/2	0.0398
339			1282/1	0.1599
340			998/1	0.0036
341			998/4	0.3219
342			998/5	0.2463
343			998/3	0.4900
344			998/2	0.4303
345			1007/2	0.0302
346			1007/1	0.1188
347			1012/1	0.0133
348			990/7	0.0251
349			990/5	0.0297
350			992/2	0.0526
351			992/3	0.1000
352			993/1	0.0008
353			993/2	0.0115
354			754/3	0.0004
355			754/1	0.4446
356			989/2	0.0316
357			989/1	0.0297
358			989/3	0.0287
359			893/1	0.0059
360			992/5	0.0300
361			990/6	0.0300
362			990/8	0.0204
363			990/1	0.0674
364			990/2	0.0300
365			990/4	0.0298
366			990/3	0.0137
367			992/1	0.3110
368			992/6	0.0300
369			999/3	0.0210
370			999/1	0.0638
371	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			44.9485
372	पाटन	देमार	1119/3	0.1769
373			1119/1	0.1647
374			1152/1	0.0283
375			973/4	0.0352
376			1118/1	0.2649
377			1152/2	0.1563
378			1374/2	0.0597
379			1374/1	0.0844
380			1168/1	0.0074
381			1017	0.0178
382			1016	0.0171
383			1014/1	0.0283
384			974	0.1287
385			1084	0.2811
386			965/1	0.5855
387			1083	0.1743
388			972	0.2912
389			975	0.1100
390			1104	0.0848
391			1117/1	0.2449
392			964	0.0684
393			977	0.0663
394			1082	0.1067
395			1021	0.1788
396			966	0.0089
397			1105	0.7870
398			970	0.1161
399			969	0.1146
400			1018	0.2000
401			979	0.0332
402			980	0.0124
403			1386	0.2320
404			1390/1	0.2175
405			1380/1	0.1315
406			1390/2	0.1979
407			1156/3	0.5104
408			1151/2	0.0495
409			1085	0.3341
410			1103	0.1500
411			1156/2	0.0273
412			1154	0.1704
413			1015	0.0494
414			1087/2	0.1709
415			1013	0.0181
416			1087/1	0.0017
417			1149	0.3750
418			1387	0.0218
419			1150	0.1532
420			1370	0.3922
421			1158/2	0.2357
422			1388	0.2323
423			1182/1	0.3793
424			1173	0.2600
425			1375	0.0091
426			1382	0.1431
427			1158/1	0.0229
428			1160/2	0.0118
429			1391	0.1676
430			1381	0.1305
431			1170/1	0.0025
432			1171	0.0208
433			1389	0.0057
434			1372	0.3255
435			1373	0.4200
436			1371	0.1400
437			1403	0.0112
438			1404	0.0102
439			1086/1	0.0370
440			1119/2	0.1598

क्रमशः

441	पाटन	देमार	1102	0.0702	561	पाटन	सांतरा	273/2	0.0131	681	पाटन	सांतरा	266	1.0487	801	पाटन	धौराभाठा	1017	0.1361
442			978/1	0.0300	562			109/2	0.0130	682			127/1	0.4151	802			1023	0.0010
443			1014/4	0.0280	563			452	0.0391	683			127/2	0.4578	803			1024/1	0.1400
444			1400/8	0.0016	564			269/5	0.0241	684	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			17.9187	804			1024/2	0.1180
445			1400/5	0.0480	565			108/2	0.0512	685	पाटन	मानिकचौरी	479/4	0.1410	805			1025/1	0.3060
446			1400/1	0.0327	566			453/2	0.0388	686			499	0.0935	806			1026	0.8940
447			1400/2	0.0578	567			554/2	0.0285	687			479/5	0.1270	807			1027	0.8170
448			1377/1	0.0035	568			284	0.0199	688			497	0.1883	808			1030	0.1466
449			978/2	0.0300	569			270	0.0286	689			486	0.0523	809			1368	0.0407
450			1385/2	0.0008	570			282/1	0.0721	690			496	0.9631	810			1372	0.0041
451			1022	0.0539	571			269/3	0.0280	691			495	0.0158	811			1373	0.0631
452	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			10.9183	572			172	0.0034	692			494	0.1542	812			1374	0.0900
453	पाटन	नवागांव	667/2	0.0677	573			108/1	0.0438	693			492	0.3660	813			1375	0.1491
454			667/1	0.0400	574			573/1	0.0564	694			493/3	0.0847	814			1376	0.1376
455			187/1	0.2362	575			597	0.0746	695			493/1	0.1500	815			1377/1	0.1600
456			187/2	0.1792	576			173	0.0128	696			493/2	0.1371	816			1377/2	0.1000
457			399/3	0.1892	577			283	0.0266	697			508	0.0138	817			1377/3	0.0265
458			656/2	0.0429	578			134/1	0.0070	698			534/1	0.0555	818			1377/4	0.0010
459			392	0.0509	579			110/5	0.0100	699			534/2	0.0291	819			1378	0.0195
460			646	0.0339	580			600	0.0493	700			534/3	0.0300	820			1379	0.0541
461			389	0.0010	581			451	0.1848	701			536	0.1953	821			1385	0.0003
462			620	0.2050	582			174	0.0351	702			541/1	0.0471	822			1386	0.0119
463			388	0.0276	583			171/2	0.0376	703			535	0.3011	823			1390	0.1252
464			380	0.1707	584			269/1	0.0480	704			537/1	0.0600	824			1391	0.0400
465			377	0.0847	585			282/2	0.0400	705			537/2	0.1325	825			1392	0.1293
466			188	0.0300	586			110/4	0.0613	706			537/3	0.0470	826			1393	0.1415
467			619	0.2323	587			163/4	0.0505	707			538/1	0.1354	827			1394	0.2251
468			641	0.0268	588			272	0.0500	708					828			1395	0.2817
469			186	0.1119	589			593	0.1060	709					829			1396	0.1473
470			189/2	0.1757	590			594	0.1537	710					830			1397	0.0319
471			625/2	0.0040	591			271	0.0400	711					831			1398	0.0231
472			616	0.0653	592			685	0.0742	712			538/2	0.1427	832			1399	0.0006
473			376	0.2505	593			608/3	0.1142	713			563/2	0.1982	833			1405	0.0010
474			185	0.0753	594			127/3	0.1308	714			564	0.2492	834			1406	0.1622
475			381	0.1968	595			598/3	0.0982	715			562/2	0.1081	835			1407	0.1481
476			190/3	0.0866	596			171/1	0.0860	716			562/1	0.0987	836			1408/1	0.1377
477			190/2	0.0500	597			269/2	0.0480	717			586	0.1645	837			1408/2	0.1401
478			640	0.1654	598			264	0.2388	718			585	0.0131	838			1409	0.2747
479			195/2	0.0006	599			602/2	0.1627	719			561	0.2992	839			1410	0.2718
480			617/3	0.0472	600			121	0.6349	720			560/1	0.0020	840			1411	0.3499
481			617/2	0.0600	601			110/11	0.0455	721			560/2	0.3640	841			1414/2	0.0067
482			626	0.4892	602			163/3	0.0800	722			587	0.1909	842			1422/1 ए1422/2	0.1767
483			390	0.2629	603			683	0.1576	723			588	0.1790	843			1423	0.0331
484			617/1	0.0600	604			111	0.1540	724			590	0.0231	844			1424	0.1709
485			401	0.0296	605			104	0.0500	725			589	0.0290	845			1871	0.0468
486			648	0.0811	606			163/1	0.0800	726			594/1	0.0037	846			1873	0.0151
487			647	0.0700	607			617	0.0448	727			594/4	0.1873	847			1874/1	0.0009
488			618/2	0.0439	608			162/3	0.1916	728			594/5	0.3000	848			1874/2	0.0758
489			618/1	0.0400	609			618	0.0062	729			594/3	0.1574	849			1875/1	0.2313
490			659	0.0621	610			616	0.1754	730	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			6.2299	850			1875/2	0.2441
491			394	0.0140	611			110/10	0.0484	731	पाटन	बोहारडीह	644/1	0.0278	851			1876	0.1304
492			391	0.0196	612			105	0.0500	732			644/2	0.1160	852			1918	0.1040
493			618/3	0.0353	613			567	0.4553	733			643	0.0522	853			1919	0.2440
494			618/4	0.0274	614			110/1	0.2500	734			642/2	0.0020	854			1920	0.0117
495			649/3	0.1636	615			164	0.0600	735			645	0.0413	855			1923/1,1923/2	0.3241
496			631	0.1651	616			603	0.1561	736			646	0.3217	856			1925/1	0.0260
497			649/2	0.1794	617			106	0.0400	737			638/3	0.0653	857			1925/3	0.0020
498			660	0.0856	618			268	0.1200	738			638/4	0.0303	858			1926	0.0007
499			666	0.2668	619			559	0.1545	739			647	0.0579	859			1929	0.2741
500			668	0.0300	620			191	0.0573	740			648	0.0439	860			1930	0.1705
501			393	0.0560	621			110/6	0.0392	741			638/5	0.0874	861			1931/1	0.0434
502			189/4	0.0700	622			110/9	0.0357	742			638/6	0.0769	862			1931/2	0.0500
503			189/1	0.1237	623			556/1	0.2160	743			649	0.1356	863			1931/3	0.0556
504			655/4	0.0600	624			110/3	0.0382	744			653/1	0.0557	864			1932	0.1266
505			655/2	0.0367	625			163/2	0.1000	745			653/2	0.0395	865			1933	0.0049
506			655/3	0.0600	626			611/1	0.2600	746			653/3	0.1027	866			1937	0.2386
507			382/1	0.0653	627			54/1	0.2503	747			653/4	0.1703	867			1938	0.1180
508			382/2	0.1700	628			599	0.1580	748			654/1	0.0200	868			1940	0.2197
509			627/1	0.0940	629			107	0.3220	749			654/3	0.2853	869			1943	0.0380
510			627/2	0.1236	630			169	0.2918	750			665	0.0060	870			1944	0.1170
511	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			5.8923	631			133/1	0.3744	751			687	0.0190	871			1945	0.0440
512	पाटन	देवादा	946	0.1049	632			595	0.0910	752			688	0.1914	872			1946	0.0400
513			943	0.1687	633			162/2	0.2100	753			690	0.2600	873			1947	0.0535
514			799	0.2900	634			190	0.4045	754			692	0.2265	874			2002/1	0.2216
515			933	0.1127	635			608/2	0.0424	755			699	0.1636	875			2003	0.0329
516			931	0.0508	636			130/1	0.0285	756			693	0.3000	876			2005	0.0064
517			875	0.0473	637			130/6	0.0314	757			694	0.2244	877			2006	0.3280
518			947	0.0411	638			189	0.0200	758			696	0.0376	878			2007	0.0109
519			954	0.0909	639			130/5	0.0596	759			698	0.0700	879			2008	0.1435
520			932	0.1949	640			613	0.2101	760			697/1	0.0148	880			2009	0.0109
521			953/1	0.2385	641			453/1	0.2881	761			697/2	0.0051	881			2010	0.0111
522			953/2	0.0036	642			51	0.0657	762			785	0.1450	882			2011	0.0055
523			953/3	0.2732	643			550/2	0.0242	763			784	0.5100	883			2013	0.3007
524			891/1	0.2122	644			103	0.0398	764			783/2	0.2704	884			2019/2216	0.1402
525			891/3	0.0004	645			554/1	0.3559	765			783/1	0.2528	885			2021	0.0782
526			891/2	0.0227	646			550/3	0.0232	766			787/1	0.0030	886			2021/2218	0.0174
527			891/4	0.0004	647			619/2	0.4374	767			781	0.4727	887			2024/2	0.0828
528			885/1	0.2298	648			50	0.0593	768			780	0.0400	888			2024/3	0.1543
529			885/2	0.0016	649			102	0.0178	769			779	0.2158	889			2026	0.2108
530			948/2	0.0568	650			54/2	0.2275	770			873	0.6791	890			2027	0.1026
531			945/1	0.3013	651			598/2	0.0121	771			874	0.0169	891			2028/1	0.1923
532			945/5	0.0028	652			620/1	0.0827	772			889	0.2851	892			2028/2	0.1449
533			945/3	0.2000	653			267	0.2026	773			872/2	0.1863	893			2029	0.0632
534			803/1	0.1685	654			101	0.0072	774			871	0.0132	894			2030	0.1058
535			803/2	0.0472	655			124/4	0.1844	775			890	0.2400	895			2031	0.2153
536			803/3	0.1100	656			122	0.2539	776			888	0.0327	896			2032/1ए4	0.0797
537			800/14	0.1150	657			110/2	0.0198	777			868	0.0688	897			2032/2ए5	0.0744
538			800/15	0.0520	658			49	0.1282	778			867	0.0258	898			2032/3ए6	0.1681
539			800/11	0.1392	659			165	0.3281	779			887/2	0.1346	899			2033/1	0.0381
540			995/6	0.3200	660			188	0.2680	780			891/1	0.2800	900			2033/2	0.0403
541			995/5	0.2582	661			126	0.0478	781			891/ 2	0.1000	901			2033/3	0.0402
542			929/2	0.0009	662			52	0.1013	782			887/3	0.00035	902			2034/1	0.0336
543			872/1	0.4775	663			560	0.0816	783			887/4	0.00571	903			2034/2	0.0339
544			872/3		664			162/1	0.1417	784			887/5	0.00799	904			2034/3	0.0440
545			872/4		665			563	0.3057	785			887/6	0.00898	905			2036	0.1130
546			872/5		666			578	0.6883	786			892	0.0405	906			2040	0.1951
547			872/6		667			130/2	0.0927	787			894	0.1247	907			2042	0.1157
548			872/7		668			566	0.0310	788			893/1	0.0656	908			2043	0.3207
549			872/8		669			619/5	0.2771	789			893/2	0.3357	909			2044	0.1935
550			872/9		670			562	0.0169	790			895	0.0469	910			2045	0.0500
551			872/10		671			619/7	0.3509	791			896	0.0586	911			2048	0.0004
552			872/11		672			577	0.5744	792			897	0.3900	912			2049	0.0069
553			872/12		673			124/3	0.2767	793			898	0.1331	913			2050	0.0078
554			886/1	0.1580	674			133/2	0.0560	794			899/1	0.0081	914			2051	0.0257
555			886/2		675			572	0.4507	795	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			8.44863	915			2217	0.3422
556			886/3		676			619/4	0.1779	796	पाटन	धौराभाठा	849	0.0024	कुल क्षेत्रफल 125.2698 (हेक्टेयर में)				15.2590
557			886/4		677			123	0.0209	797			850	0.0361					
558			886/5		678			596	0.3100	798			851	0.0811					
559	कुल क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			4.4911	679			576	0.3447	799			922/3	0.1386					
560	पाटन	सांतरा	274/2	0.0107	680			549/2	0.0193	800			923/1	0.9850					

[फा.सं.डीसीई/सी/बीएसपी/5वीं एवं 6वी लाईन/केएचएस पीएमएस/20क/पाटन]

मुदित भट्नागर

सीपीआर/10/131 मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

तरकश

संजय के. दीक्षित

सिंगल पावर सेंटर!

अगले महीने दिल्ली में छत्तीसगढ़ समेत उन पांच राज्य सरकारों की समीक्षा शुरू होनी है, जहां नवंबर 2023 में विधानसभा चुनाव हुए थे। रिव्यू के बाद ही मंत्रिमंडल में सर्जरी का खाका तैयार किया जाएगा। वैसे खबर ये आ रही कि पार्टी नेतृत्व अब राज्यों में दो डिप्टी सीएम का कंसेप्ट खतम करने पर विचार कर रहा है। शीर्ष नेताओं के संज्ञान में ये बात है कि जिन राज्यों में दो-दो डिप्टी सीएम हैं, वहां पावर सेंटर तीन हिस्सों में बंट गया है। और शायद यही वजह है कि असम और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने डिप्टी सीएम नहीं बनाया। उससे पहले बिहार में इसलिए दो उप मुख्यमंत्री बनाए गए, क्योंकि वहां गठबंधन की सरकार है। वैसे सियासी पंडितों का मानना है, जिन राज्यों में डिप्टी सीएम हैं, वहां मुख्यमंत्री का औरा प्रभावित हुआ है। कुछ महीने पहले की बात है...यूपी में योगी आदित्यनाथ जैसे हाई प्रोफाइल मुख्यमंत्री होने के बाद भी वहां डिप्टी सीएम मौर्य ने सरकार के कामकाज पर सार्वजनिक तौर पर बयानबाजी शुरू कर दी थी। कुल मिलाकर राज्यों के मुख्यमंत्री भी चाहेंगे कि कोई डिप्टी सीएम न रहे। ताकि सिंगल पावर सेंटर रहे। अब देखना है, छत्तीसगढ़ के संदर्भ में बीजेपी क्या फैसला लेती है...डिप्टी सीएम का कंसेप्ट यहां भी लागू है।

हमाम में...हर-हर गंगे

छत्तीसगढ़ में एक महिला का मामला सामने आया है, उसके बाद नेताओं से लेकर नौकरशाहों तक की हालत खराब है। उधर फोटो देखकर लोग खूब आनंद प्राप्त कर रहे हैं...फेसबुक पर फोटो को जूम कर देखा जा रहा...कौन कितना करीब था। असल में, महिला को एनजीओ संचालिका से हाई प्रोफाइल बनाने में बड़े लोगों की बड़ी भूमिका रही। उसके एनजीओ को कॉरपोरेट से फंड दिलाने में कुछ आईएएस अधिकारियों ने लिमिट से बाहर जाकर मदद की। मांसल देह के भूखे नौकरशाहों और नेताओं ने ये भी देखने की कोशिश नहीं की...उसका बैकग्राउंड क्या है। अब बड़े लोगों को खौफ खाए जा रहा...अगर पर्दा उठ गया तो क्या होगा! जाहिर है, पिछले एक दशक में छत्तीसगढ़ में विषकन्याओं का प्रकोप तेजी से बढ़ा है। कोविड के बाद तो और ज्यादा। एनजीओ या बड़ी आईटी कंपनियों की रिप्रेजेंटेटिव की आड़ में ये विषकन्याएं अफसरों और नेताओं को अपने जाल में फंसा करोड़ों में खेल रही हैं। कलेक्टर, एसपी समेत कुछ अधिकारियों के बारे में इंटेलिजेंस एजेंसियों के पास पुख्ता सूचना है। कुछ कलेक्टरों ने तो गर्दा उड़ा दिया है। मध्यप्रदेश जैसे हनीट्रेप कांड छत्तीसगढ़ में हो जाए, इससे पहले सिस्टम को अलर्ट हो जाना चाहिए।

सीएम के पास होम?

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के बारे में चर्चाएं बड़ी गर्म हैं कि संगठन में उन्हें बड़ा ब्रेक मिलने वाला है। उनके करीबी नेता भी तस्दीक कर रहे कि नितिन नबीन की टीम में भाई साब का कुछ अच्छा हो सकता है। हालांकि, लोगों के बीच स्वाभाविक सवाल ये भी है कि डिप्टी सीएम का पद छोड़ विजय शर्मा दिल्ली क्यों जाएंगे? तो इसका जवाब इस रुप में दिया जा रहा कि छत्तीसगढ़ में रहकर वे मंत्री से उपर नहीं जा पाएंगे मगर दिल्ली से कभी भी वे बड़े पद पर आ सकते हैं। उनके पास उम्र भी काफी हैं। बहरहाल, विजय शर्मा अगर दिल्ली गए तो फिर गृह विभाग लगता है, मुख्यमंत्री के पास आ जाएगा। दरअसल, देश के अधिकांश राज्यों में मुख्यमंत्रियों ने गृह विभाग को अपने पास रखा है। यूपी, बिहार में तो पहले से रहा, अब मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल भी इस सूची में शामिल हो गया है। सीएम के पास होम आने से होगा ये कि जीएडी और गृह दोनों मुख्यमंत्री के पास हो जाएंगे। वैसे पुलिस में राजपत्रित अधिकारी से लेकर ऑल इंडिया सर्विस याने आईपीएस के मैटर मुख्यमंत्री के अधीन होते हैं मगर उसमें गृह मंत्री का अनुमोदन अवश्य लगता है। गृह मंत्री की चीड़ियां बिठाने के बाद ही नोटशीट मुख्यमंत्री के पास जाती है। यद्यपि, रमन सिंह और भूपेश बघेल के दौर में कई बार सरकार फैसला ले लेती थी, उसके बाद गृह मंत्री से अनुमोदन लिया जाता था। कई बार तो पोस्टिंग आदेश निकलने के बाद गृह मंत्रियों को अफसरों के ट्रांसफर का पता चलता था। लेकिन, विजय शर्मा काफी तेज-तर्रार गृह मंत्री हैं। हालांकि, तेज तो बीजेपी सरकार के फर्स्ट होम मिनिस्टर बृजमोहन अग्रवाल भी थे। मगर डेढ़ साल के भीतर उनकी गृह से विदाई हो गई थी। खैर, विजय शर्मा इतने मजबूत हो गए हैं कि कम-से-कम इस टर्म में उनका विभाग बदलना संभव नहीं। उनका विभाग उसी केस में चेंज होगा, अगर वे दिल्ली जाएं।

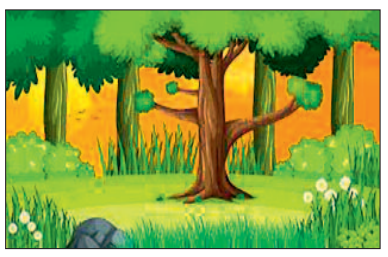

नए पीसीसीएफ

छत्तीसगढ़ में नए हेड ऑफ फॉरेस्ट की नियुक्ति का काउंट डाउन प्रारंभ हो गया है। श्रीनिवास राव 31 मई को वन विभाग के शीर्ष पद से रिटायर होंगे। उनकी जगह कौन लेगा, इसको लेकर लोगों में काफी जिज्ञासा है। विदित है पीसीसीएफ अरुण पाण्डेय हेड ऑफ फॉरेस्ट के प्रबल दावेदार हैं। अरुण के बाद ओपी यादव भी हैं। मगर श्रीनिवास राव के एक्सटेंशन की अटकलों को भी लोग हल्के में नहीं ले रहे। जाहिर है, श्रीनिवास राव की क्षमता और पहुंच पर प्रश्नचिन्ह खड़ा नहीं किया जा सकता। उधर, अरुण पाण्डेय भी कमजोर नहीं हैं। अरुण इस समय पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ के साथ-साथ बजट और पईसा-कौड़ी वाला विभाग डेवलपमेंट संभाल रहे हैं। देश के किसी भी राज्य में अब तक किसी पीसीसीएफ को इतना बड़ा पोर्टफोलियो नहीं मिला है। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि सरकार में अरुण पाण्डेय का कैसा प्रभाव है। बहरहाल, 30 और 31 मई को सरकारी अवकाश है। लिहाजा, जो भी होना होगा 29 मई को दोपहर तक सरकार को ऐलान करना होगा। सरकार अगर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची तो हो सकता है वन विभाग में प्रभारी मुखिया की नियुक्ति हो जाए...जिसकी संभावना काफी क्षीण है।

दो और पुलिस कमिश्नर?

रायपुर के बाद बिलासपुर और दुर्ग में भी पुलिस कमिश्नरेट बनेगा। गृह मंत्री विजय शर्मा ने इसका ऐलान किया है। यद्यपि इस तरह के नीतिगत फैसले सरकार लेती है और घोषणा भी उसी स्तर पर होती हैं। मगर हो सकता है, गृह मंत्री जी की उपर में बात हो गई होगी। अलबत्ता, प्रश्न यह है कि क्या रायपुर कंप्लीट कमिश्नरेट बन पाया? गृह मंत्री के पुराने बंगले में कमिश्नर बैठ रहे। कमिश्नरेट को एक पैसे का फंड नहीं मिला। आसपास के जिलों से उधार में फोर्स आई है। बिलासपुर और दुर्ग में पुलिस कमिश्नरेट बन जाए, इससे अच्छी बात कुछ हो नहीं सकती...ये वक्त की जरूरत भी है। मगर इससे पहले सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर जुटाने का प्रयास करना चाहिए। वरना, कहीं से ईंट, कहीं का रोड़ा वाला पुलिस कमिश्नरेट बनाने से वो रिजल्ट नहीं मिलेगा, जो दीगर राज्यों में दिखता है। सिस्टम को पहले तय करना होगा कि पुलिस और सुरक्षा उसकी प्राथमिकता में किस स्थान पर है।

चेयरमैन के फैसले जी का जंजाल

राजस्व बोर्ड के चेयरमैन रहे राधाकृष्णन द्वारा अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर लिए गए फैसले बोर्ड को अब भारी पड़ रहा है। उनके करीब तीन दर्जन आदेशों को बिलासपुर हाई कोर्ट ने फिर से रिव्यू कि लिए रेवेन्यू बोर्ड को भेज दिया है। बता दें, आईएएस राधाकृष्णन ने चेयरमैन रहते निरंकुश होकर ऐसे आदेश पारित करने लगे थे कि जिलों के कलेक्टरों में हाहाकार मच गया था। सीएम रमन सिंह तक जब शिकायत पहुंची तो उन्होंने राधाकृष्णन को हटाकर वहां डीएस मिश्रा को बिठाया। राधाकृष्णन ने जमीनों और जमीनों की रजिस्ट्री के मामलों में बड़े औद्योगिक समूहों को उपकृत करते हुए सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया।

क्योंकि, वे आईएएस थे

चर्चा चूंकि पूर्व आईएएस राधाकृष्णन की तो फिर पुराना प्रसंग स्मरण हो आया। राधाकृष्णन जब माध्यमिक शिक्षा मंडल के चेयरमैन थे, तो उन्होंने बोर्ड के एकाउंट में रखे साढ़े आठ करोड़ रुपए अपने पर्सनल एकाउंट में ट्रांसफर करा लिया था। कायदे से किसी भी वित्तीय लेन देन पर चेयरमैन और सिकेट्री दोनों के हस्ताक्षर होने चाहिए। मगर उस समय के सिकेट्री आईएफएस अनिल राय अवकाश पर थे, उस दौरान राधाकृष्णन ने बैंक मैनेजर पर दबाव डाल बच्चों की फीस का पैसा डकार गए। बाद में इसकी जांच भी हुई। बाद में आए चेयरमैन केडीपी राव ने कार्रवाई करने जीएडी को लेटर लिखा। इस पर विभागीय जांच हुई। मगर जांच के बाद फाइल दबा दी गई। क्यों? इसलिए कि वे आईएएस अफसर थे। करीब 15 साल पहले का ये वाकया है। उस समय का साढ़े आठ करोड़ आज 25 करोड़ के बराबर हो गया होगा। फिर ब्याज की बात करें तो रकम और भी ज्यादा। मगर वाह रे सिस्टम...किसी ऑफिस का के कर्मचारी से अगर घोखे में कोई फायनेंसियल चूक हो जाए तो ब्याज समेत उसकी रिकवरी निकाल दी जाती है, पेंशन रुक जाती है। मगर राधाकृष्णन सरकारी खजाने से करोड़ों रुपए की डकैती कर चले गए...और पेंशन वगैरह सब ले रहे हैं...कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्योंकि, वे आईएएस अफसर थे। और कार्रवाई करने वाले भी आईएएस। फिर भाई के खिलाफ भाई एक्शन कैसे लेगा। इसलिए पी. जॉय उम्मेन, सुनिल कुमार, विवेक ढांड, अजय सिंह, आरपी मंडल और अमिताभ जैन जैसे मुख्य सचिवों ने आंखें बंद कर ली।

एसपी ट्रांसफर जून में?

पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर अब शायद 10 जून के बाद ही होंगे। वो इसलिए कि मई और जून का प्रथम सप्ताह नक्सल दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जाता है। बस्तर से भले ही नक्सलियों का खात्मा हो गया मगर फोर्स अभी भी चौकस है। सतर्क इसलिए कि सरकार के दावे पर सवाल खड़े करने कभी भी कोई घटना को अंजाम दिया जा सकता है। इसलिए, जून फर्स्ट वीक के बाद ही एसपी के तबादले होंगे। अब प्रश्न उठेगा एसपी के तबादले से बस्तर से क्या संबंध? असल में, बस्तर के कई एसपी लंबे समय से वहां पोस्टेड हैं। उनमें से अधिकांश को मैदानी एरिया में लाकर उन्हें अच्छे जिले का इनाम दिया जाएगा। सिर्फ एसपी ही नहीं, एसडीओपी, सीएसपी और एडिशनल एसपी भी लंबे समय से वहां पोस्टिंग काट रहे हैं। सरकार उन्हें भी अब वहां से शिफ्ट करेगी। लिहाजा, पुलिस में बड़े स्तर पर तबादले अगले महीने होंगे।

तीन झंडी, चार नेता और...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हफ्ते छत्तीसगढ़ दौरे में डॉयल 112 की 400 गाड़ियों को हरी झंडी दिखा जिलों में रवाना किया। 400 गाड़ियां...याने बड़ा इवेंट। गृह या पुलिस विभाग की चूक कि झंडी दिखाने वाले नेता थे चार, मगर झंडी थी तीन। अमित शाह के सामने जब ट्रे में झंडी आई तो उन्होंने एक उठा लिया। सीएम विष्णुदेव साय ने एक झंडी उठाकर अमित शाह के पीछे खड़े गृह मंत्री विजय शर्मा को दे दिया। अब झंडी बची एक और नेता दो। सीएम और विधानसभा अध्यक्ष डॉ० रमन सिंह। इस सिचएशन से सीएम थोड़ा ठिठके...तब तक अमित शाह विजय शर्मा की तरफ पीछे मुड़े और झंडी रमन सिंह को देने इशारा किया। विजय ने आज्ञाकारी शिष्य की तरह तुरंत झंडी रमन सिंह के हाथ में सौंप दी। पांच से सात सेकेंड के इस पूरे एपिसोड में अमित शाह का गजब का शार्पनेस दिखा। पलक झपकते ही माजरा समझ उन्होंने सिचुएशन को हैंडिल कर लिया। इस पांच सेकेंड के दृश्य में सबसे टचिंग था...अमित शाह द्वारा रमन सिंह को दिया गया सम्मान।

सीएम बनने की शुभकामनाएं

पीसीसी अध्यक्ष पद को लेकर छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेताओं में खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही है। हाल की बात है, टीएस सिंहदेव ने अध्यक्ष बनने की इच्छा प्रगट की तो पीसीसी चीफ दीपक बैज का गुबार सामने आ गया। दीपक बोले, बाबा बड़े नेता हैं, तमिलनाडु, त्रिपुरा के प्रभारी रह चुके हैं, इतने बड़े नेता को केंद्र की राजनीति में जाना चाहिए। इसके बाद ठहाके लगाते हुए बाबा का मोबाइल पर किसी से बातचीत करते एक वीडियो वायरल हुआ, उसमें वे कहते सुनाई दे रहे...हमने तो दीपक भाई को खूब आगे बढ़ने, मुख्यमंत्री बनने की शुभकामनाएं दे दी है। अब दीपक बैज को सीएम बनने की शुभकामनाएं भूपेश बघेल को कैसी लगी होगी, ये नहीं पता। मगर ये सही है कि कांग्रेस के सियासत में नए समीकरण बन रहे हैं...शतरंज के बिसात पर नए दांव चले जा रहे हैं। पीसीसी चीफ दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज जिला युवक कांग्रेस अध्यक्षों का इंटरव्यू लेने वाले हैं तो चरणदास महंत और टीएस सिंहदेव इससे अलग कोरबा में मछुआरा सम्मेलन में शिरकत करेंगे। उधर, अध्यक्ष पद के युवा दावेदार उमेश पटेल और देवेंद्र यादव के खिलाफ पार्टी नेतृत्व को चिट्ठी-पत्तरी भेजने का काम भी प्रारंभ हो गया है। क्योंकि, देवेंद्र ने सूबे में दौरे तेज कर दिए हैं। जाहिर है, आने वाले समय में कांग्रेस की गुटीय लड़ाई और तेज होगी। वो इसलिए कि इन सभी नेताओं की दिल्ली में गहरी पैठ है और ये सभी चाहेंगे कि सामने वाले को मौका न मिले।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है कि मुख्यमंत्री को छोड़ सारे मंत्रियों का पहले इस्तीफा लिया जाएगा, उसके बाद मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होगा?
2. किस आईएएस अधिकारी के खिलाफ मुख्य सचिव ने 15 करोड़ रुपए के घोटाले में जांच का आदेश दिया है?

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai : 6267136903

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years
Paramedical Course	Duration
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	Duration
D Pharmacy	2 Years
B Pharmacy	4 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 250 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201622400, 9201641200, 9201631200

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019.(आरो-015)

ड्रायवर

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। स्वयं सम्पर्क करे, लक्ष्मी सेल्स, न्यू टिंबर मार्केट पाटीदार भवन के पास फाफाडीह रायपुर (RO-0109)

आवश्यकता है- इंसुलेटेड कंटेनर परिवहन के लिए हमें वैध भारी वाहन लाइसेंस वाले कुशल और अनुभवी चालकों की लंबी दूरी तक वाहन चलाने की क्षमता, साफ ड्राइविंग रिकॉर्ड आकर्षक वेतन, शुरुआती 20000/- माह (अनुभव के आधार पर बातचीत योग्य), आवास और भोजन भत्ता! संपर्क:- 9669410004, 9754861172.(RO-022)

आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771 - 2425009.(RO-536)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए कुशल एवं दक्ष, वेतन योग्यतानुसार अनुभवी, लोकेशन बोरसी एवं धनोरा वाले को प्राथमिकता संपर्क - 10 से 2 बजे तक मो. 9669666601. (आरो -280)

मुंशी

आवश्यकता है- खेत में परिवार सहित रहकर कार्य करने देखने वाला चाहिए मुंशी, ट्रैक्टर चालक संपर्क करे - 9167339097. (Ro-195)

टीचर

आवश्यकता है- श्री कृष्णा हिंदी/ अंग्रेजी स्कूल चंडी (अभनपुर) में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, कॉमर्स, जीव विज्ञान, रसायन शिक्षक की आवश्यकता है। योग्यता- संबंधित विषयों में स्नातक/ स्नाकोत्तर/बी. एड। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6/6/2026 साक्षात्कार तिथि 07/06/2026 संपर्क - 9926125257, 9893534338. (RO-187)

Wanted- Shiv International School Kumhari: TEACHER REQUIREMENT We are hiring for the following positions: TGT (Trained Graduate Teacher) Mathematics, Social Science, Science, English and PRT (Primary Teachers) English, EVS, Salary and Qualifications: As per norms. Contact: Bajrang chowk purani basti kumhari Mob. No 8770999625.(RO-536)

Wanted- Wanted Teachers for BAG-BAHRA AND PITHORA BRANCH For Maths English and Computer.Experienced English Medium Qualified Candidate may call or send resume to 9425214413, 7772862917.(RO-90)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

REQUIRED
St. Xavier Hr.Se. School (CBSE)
Shanti Nagar, Bhilai
1. Physics M.Sc. (Physics) with B.Ed.
2. Mathematics M.Sc. (Maths) with B.Ed.
3. PTI (Games) BPEd
4. Pre Primary Trained Graduates
5. Wellness Teacher Psychology Degree Holder OR Diploma Career Guidance and Counseling/ Health (mental Care)
Submit Resume at office before 28.5.26
Personnel Interview is on 1.6.26, Monday at 9.30 AM
Mob. : 76977 65742

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ बी.एस.सी जी. एन. एम. एवं PRO, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल एवं ओ.पी.डी स्टाफ की आवश्यकता है। संपर्क करें श्री कृष्ण हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ - 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-192)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, मो.- 8109135400, 9179380728. (RO-362)

आवश्यकता

आवश्यकता है- स्टाफ की आवश्यकता तेल मिल में काम के लिए लेडीज स्टाफ चाहिए पता: महादेव घाट रोड, अग्रोहा कॉलोनी संपर्क करें: 9977067874, 9826323421. इच्छुक महिलाएं तुरंत कॉल करें (RO-398)

हरिभूमि

फील्ड/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में फील्ड, कार्य करने के लिए लड़कों एवं ऑफिस कार्य के लिए लड़की (कंप्यूटर, इंग्लिश अनिवार्य) की आवश्यकता है जिनके पास स्वयं का वाहन और मोबाइल हो वेतन 10000 - 12000 संपर्क करें जयदीप एसोसिएट्स J- 210 तिलक नगर पानी टंकी के पास गुढ़ियारी रायपुर मोबाइल- 9826949552. (RO-193)

बाउंसर्स

आवश्यकता है- घर हेतु 3 बाउंसर्स की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है । हाइट 6 फीट या उससे अधिक । ड्यूटी 8 घंटे की शिफ्ट में रहेगी । पूरा महीना कार्य करना अनिवार्य । सैलरी 22000/- से 30000/- प्रतिमाह । गार्ड संपर्क ना करें । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, संपर्क :- 9644720222. (RO-11)

अवाश्यकता

आवश्यकता है- गुजराती लकड़ी टाल देवपुरी रायपुर में कंपनी के लिए *BCOM GRADUATE* जिसे *TALLY* एवं *MS EXCEL* का ज्ञान हो (01) और ड्राइवर (01) की तुरंत आवश्यकता है। ड्राइवर के पास *वैध ड्राइविंग लाइसेंस* (DL) होना *अनिवार्य* है। संपर्क करें: 9993799998, 6262699998. (RO-191)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु फीमेल की आवश्यकता है। मिलने का समय 11 से 5 बजे तक, वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ढिल्लन कॉम्प्लेक्स शॉप नं.-210 आकाशगंगा सुपेला भिलाई मो.- 7746000090 (फोन करके आयें) (आरो न.-4153)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

डिलीवरी ब्वाय

आवश्यकता है- पार्सल छोड़ने हेतु 6 डिलीवरी ब्वाय की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन, लाइसेंस, स्मार्टफोन, पैन कार्ड हो, अनुभवी को प्राथमिकता. पता- कोयना लॉजिस्टिक, लक्ष्मीनगर पचपेढ़ी नाका, रायपुर. मो.- 98274-81755, 99266-22790. (RO-10)

ठेकेदार/चौकीदार

आवश्यकता है- मंदिर हसौद बहानाकाड़ी फैक्ट्री में ठेकेदार, चौकीदार की आवश्यकता है। ठेकेदार जो लेबर लगा कर कार्य करवा सके, चौकीदार जो फैक्ट्री में रह कर चौकीदारी कर सके संपर्क करे-88271-50000.(RO-186)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- तीन चक्का इलेक्ट्रिक माल वाहक ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है हेल्पर की रहने की सुविधा उपलब्ध है पता- अशोक इंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 09 से 08 - 8770676924.(RO-259)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग, चॉकलेट पैकिंग, कार्टून पैकिंग हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता वीडियों कॉलिंग से भी कार्य देख सकते हैं। रूम बिजली की सुविधा फ्री, बंजारी मंदिर के पास, रावांभाटा, रायपुर, 7828735534.(RO-080)

टीचर/कुक

आवश्यकता है- झूलाघर में एक टीचर एव घर के लिए कुक की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार स्थान शांति किराया भंडार कालीबाड़ी रायपुर संपर्क 9827140065, 9827140068.(RO-194)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- पानी काम हेतु ई लोडर के लिए ऑटो ड्राइवर एवं हेल्पर की जरूरत हैं संपर्क करें मोबाइल नंबर 7745968529, 8770021818.(Ro-OM)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है- मेन रोड हाईवे पर स्थित कुम्हारी से 4 km दूर (अहिवारा रोड) प्रस्तावित 4-लेन हाईवे पर 8000 Sqft. के करीब जमीन / प्लाट बेचना है। संपर्क- 8889288003, 8770489005.(आरो-183)

प्लाट बेचना है- विद्युत नगर दुर्ग में स्थित प्राइम लोकेशन (पार्क के पास) स्थित आवासीय प्लाट (40X53) साइज बेचना है दलाल से संपर्क ना करें - 6264312306.(आरो नं.-10473)

मकान

मकान बेचना है- बिलासपुर मंगला हाउसिंग बोर्ड में गार्डन फेसिंग 2BHK मकान कीमत 25 लाख रुपए में अति शीघ्र बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 7898855268 (कृपया ब्रोकर सम्पर्क ना करें) (RO-40894)

For Rent किराया

किराया से देना है- भाटागांव हनुमान वाटिका में 4 रूम, 2 हॉल, 2 दुकान, 1 पोरच का 3 मंजिला बिल्डिंग किराया से देना है। नोट:- ऑफीस, कोचिंग क्लासेस, स्कूल को प्राथमिकता संपर्क नं. - 9827990117, 9329104290, 9229637373.(RO-188)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहू की... तो हमसे जुड़िए... हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए

बंगाली कायस्थ विधुर पुरुष उम्र 54 वर्ष के लिए एक तलाकशुदा, विधवा महिला की आवश्यकता है हिंदी भाषी एवं सभी वर्ग की, जाति बंधन नहीं
-: संपर्क करें :-
9300512198
7024352318

वधु चाहिए

सोनी वधु चाहिए
वर का विवरण
आयु - 37वर्ष
ऊँचाई - 5'-5"
शिक्षा - 8वीं
व्यवसाय - goldsmith
जाति - soni (sonar)
वैवाहिक स्थिति- अविवाहित वर हेतु अपेक्षा संस्कारी एवं परिवारिक वधु चाहिए। जाति बंधन नही
सम्पर्क सूत्र- 7000468577 8103373219, 8319146219

किराए से देना है- MIG-515, न्यू बोरसी एक्सटेंशन। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दुर्ग। दो मंजिला मकान, 3कमरे, 2हॉल,1 डाइनिंग रूम, किचन, 3 वॉशरूम, कार पार्किंग। सरकारी अधिकारियों /PSU/बैंक कर्मचारियों को प्राथमिकता मो.- 7999042196. (आरो 277)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - विजया फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज), (30% छूट) संपर्क:- 9981421206, 9437550462.(RO-4346)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अपनी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

सोरायसिस एवं चमड़ी रोग

प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।

इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे : शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उतेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहे तो इनकी झुठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।

आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

धान खरीदी के चार महीने बाद भी नहीं हुआ उठाव, हजारों क्विंटल सूखत की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

जिले में हुई थी 62 लाख क्विंटल धान की खरीदी, 31 मई तक शत-प्रतिशत उठाव का टारगेट

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी खत्म हुए चार महीने का समय बीत चुका है, लेकिन अब तक कई उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव शत-प्रतिशत नहीं हो पाया है। समय पर धान का उठाव नहीं होने के कारण समितियों में खुले में रखे धान में सूखत की भारी समस्या सामने आने लगी है। वहीं लगातार बैठक के बाद एक बार फिर दर्जनभर समितियों को मोहलत दे दी गई है।

अलग खबर

इधर हाल ही में जिले की समितियों की एक रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें धान उठाव में हुई इस बड़ी देरी और नुकसान की पुष्टि होती है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जिले के अलग-अलग सोसायटियों और उपार्जन केंद्रों में कुल 65927 क्विंटल से भी अधिक धान उठाव के लिए शेष है। लगातार चार महीनों तक धान पड़े रहने के कारण इस शेष धान में 4433 क्विंटल से अधिक की अनुमानित कमी या सूखत दर्ज की गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो कई समितियों में स्थिति काफी गंभीर नजर आती है। घुमका उपार्जन केंद्र में 2409 क्विंटल और मुसराकला में 2474 क्विंटल धान उठाव के लिए शेष पड़ा है। वहीं बम्हनी चारभाठा और झाड़ीखेड़ी जैसे केंद्रों में भारी मात्रा में धान बचा हुआ है। जिससे यहां सूखत का आंकड़ा और भी बढ़ गया है। इन तमाम उपार्जन केंद्रों में सीपेज के लिए कुल 153733 बारदानों की अनुमानित आवश्यकता भी दर्ज की गई है।

फिर मिली मोहलत

अप्रैल महीने से लेकर अब तक प्रशासन धान उठाव को लेकर समितियों की तीन से अधिक बार बैठक ले चुका है, लेकिन इसके बाद भी जिले में शत-प्रतिशत उठाव सुनिश्चित नहीं किया जा सका है। सूत्रों के अनुसार करीबन दर्जनभर समितियों को उठाव पूरा कराने के लिए और मोहलत दे दी गई है। मई के अंत तक शत-प्रतिशत उठाव के दावे किए जा रहे हैं।

उठाव में तेजी जरूरी

मई का महीना आधा बीत चुका है और 23 मई तक की स्थिति में भी हजारों क्विंटल धान का समितियों में फंसे रहना बड़ी सुस्ती को दर्शाता है। इतनी बड़ी मात्रा में धान सूखने से जो भारी नुकसान हो रहा है, उसकी भरपाई समितियों के लिए एक बड़ा सवाल बन गई है। बारिश का मौसम भी करीब आ रहा है। ऐसे में यदि जल्द ही इस शेष धान का उठाव नहीं हुआ तो सूखत के साथ-साथ धान पूरी तरह खराब होने का भी खतरा मंडरा रहा है।

सरकार को होगा नुकसान

पिछले डेढ़ महीने से जारी भारी गर्मी में भी समितियों से धान नहीं उठने के कारण हजारों क्विंटल सूखत देखने को मिलेगा। जिससे शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान झेलना पड़ेगा। हालांकि प्रशासन का कहना है कि समितियों से उठाव पूरा होने के बाद ही पता चल पाएगा कि उन समितियों में कितना सूखत आया है। ज्ञात हो कि शासन ने 31 मार्च तक उठाव करने के निर्देश दिए थे।

खबर संक्षेप

मोबाइल टॉवर की बैटरी चोरी करने वाला अंतर जिला गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

कांकेर। जिओ टॉवर बैटरी चोरी करने वाले अंतरजिला गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में रावघाट पुलिस को सफलता मिली है। चोरी करने वाले खास बात यह रही कि आरोपी जिओ कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी ही निकले, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर लाखों रुपये की बैटरियां चोरी कर कबाड़ी को बेच दी थीं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 9 लाख रुपये का सामान बरामद किया है। मामला थाना रावघाट क्षेत्र का है, जहां ग्राम वरचे स्थित जिओ कंपनी के टॉवर से 72 नग बैटरियां चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रार्थी की शिकायत पर थाना रावघाट में अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को दल्लीराजहरा निवासी देवराज बघेल और माखन तुमरेकी पर संदेह हुआ। पूछताछ में दोनों ने अपने साथियों एलीम मसीह, राजेश यादव और राजेश नेताम के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया, यह सभी आरोपी दल्लीराजहरा के ही निवासी है। आरोपियों ने बताया कि वे वेन्यू कार, स्विफ्ट डिजायर और पिकअप वाहन का उपयोग कर जिओ टॉवर की बैटरियां चोरी करते थे और बाद में कबाड़ी को बेच देते थे।

मांग : लगातार हमलों से दहशत, सहमे ग्रामीणों ने वन विभाग से की कार्रवाई की मांग

तेंदुए का 24 घंटे में दो मासूम बच्चियों को उठाने का प्रयास, 10 साल के बालक का गला दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिला मुख्यालय से महज 6 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे से लगे ग्राम कोदोबत्तर-पांटोरा में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। 24 घंटे के भीतर तेंदुए ने दूसरी बार मासूम बच्चों को निशाना बनाया है, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बन गया है। ग्रामीण इस घटना से सहमे हुए हैं और शाम होते ही घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। शुक्रवार रात करीब 8 बजे पांटोरा गांव में घर के बाहर खेल रही 5 वर्षीय खोमिका बाई कमार पर तेंदुए ने हमला कर उसे उठाकर ले जाने का प्रयास किया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और शोर मचाते हुए साहस दिखाकर तेंदुए के चंगुल से बच्ची को छुड़ाने में सफल रहे। हालांकि हमले में बच्ची तेंदुए के पंजों से घायल हो गई, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेंदुआ अचानक गांव के पास झाड़ियों से निकलकर बच्ची पर झपटा और उसे दबोच लिया। इस दौरान बच्ची के माता-पिता ने जान जोखिम में डालकर तेंदुए से मुकाबला किया। ग्रामीणों के शोर और भीड़ बढ़ने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग निकला। लगातार हमलों के बाद ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति नाराजगी भी बढ़ रही है। लोगों ने विभाग से तत्काल पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने प्रभावित गांवों में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

पहले भी 7 वर्षीय बच्ची पर हमला

यह बीते 24 घंटे में तेंदुए का दूसरा हमला है। इससे पहले गुरुवार को पांटोरा गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर कोदोबत्तर में तेंदुए ने एक 7 वर्षीय बच्ची को उठाकर ले जाने की कोशिश की थी। उस समय भी ग्रामीणों की तत्परता से बच्ची की जान बच गई थी लेकिन गंभीर रूप से घायल होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया। वहीं 22 मई को कोदोबात्तर के चट्टानपारा में 10 वर्षीय बच्चे पर तेंदुए ने अचानक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। धनेश कुमार कमार (10 वर्ष), पिता पुनूराम कमार मंगलवार शाम करीब 7 बजे पड़ोस के घर से टीवी देखकर अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उस पर झपट्टा मार दिया।

जंगली सुअर का शिकार, 2 आरोपी गिरफ्तार, 4 फरार

फिंगेश्वर। फिंगेश्वर परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बासीन के आरक्षित वन क्षेत्र में पालतू कुत्तों के सहारे जंगली सुअर का अवैध शिकार करने वाले गिरोह पर वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। वन गश्त के दौरान टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दो आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया, जबकि उनके चार अन्य साथी घने जंगल का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे। वन विभाग ने मौके से एक मृत नर जंगली सुअर का शव, शिकार में प्रयुक्त लाठियां और एक 'छोटा हाथी' पिकअप वाहन जब्त किया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मुख्य वन संरक्षक मणिवासगण एस. के नेतृत्व में वनमण्डलाधिकारी गरियाबंद एवं विकास कुमार चंद्राकर उप वनमण्डलाधिकारी राजिम के निर्देशानुसार यह पूरी कार्रवाई की गई। शुक्रवार 22 मई की सुबह करीब 9:00 बजे बासीन परिसर रक्षी वन गश्त के दौरान आरक्षित वन कक्ष क्रमांक टेका 468, 694 में पहुंचे थे। इसी दौरान टीम को जंगल के भीतर संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं।

दांडेसरा में पीने के पानी के लिए चले डंडे-रॉड और कुल्हाड़ी आठ लोग गंभीर रूप से घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई।

पानी विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष होने वाला मामला सामने आया है। घटना जेवरा सिरसा पुलिस चौकी क्षेत्र का है। पुलिस ने बताया कि ग्राम दांडेसरा में पानी को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। डंडे, रॉड और कुल्हाड़ी से हुए हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि 8 लोगों की स्थिति गंभीर है। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विवाद के बाद गांव में तनाव का माहौल है। खबर लगते ही मौके पर सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। घटना में घायलों का नाम नहीं आ पाया है। मौके पर एएसपी समेत पुलिस बल पहुंच गई है।

विवाद करने वाले एक ही परिवार के हैं। दोनों परिवार का जमीन को लेकर भी विवाद हुआ था। जिसकी शिकायत चौकी में दर्ज है। घटना में कई धारदार हथियार, कुल्हाड़ी, लाठी का भी उपयोग किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों का शिनाख्त अभी नहीं कर पाई है। घायलों का बयान के बाद ही आगे की कार्रवाई हो पाएगी।

पानी को लेकर हुआ है विवाद

पीने के पानी को लेकर विवाद हुआ है। दोनों परिवारों की रंजिश थी। जमीन को लेकर भी विवाद हो चुका है। फिलहाल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरीश मेहर
सीएसपी दुर्ग

दो दिनों से गायब युवक का क्रेसर प्लांट में मिला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ स.लोहारा

बीते दो दिनो से लापता जिले के विकासखण्ड स. लोहारा अंतर्गत ग्राम गौरमाटी निवासी एक 25 वर्षीय युवक का शव लोहारा के ही एक क्रेसर प्लांट में मिला है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से मृतक का शव और उसकी क्षतिग्रस्त मोटर सायकल बरामद की है। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे हादसा या फिर आत्महत्या मान रही है। लेकिन मौत की स्पष्ट वजह जांच के बाद ही सामने आ पाएगी।

स. लोहारा अंतर्गत ग्राम गौरमाटी निवासी दीपक तिवारी पिता रेवती रमन तिवारी आयु लगभग 25 वर्ष हाल मुकाम शांति नगर लोहारा बीते दो दिन पूर्व अपने घर से अपनी मोटर सायकल लेकर निकला था और वापस घर नहीं लौटा। बताया जाता है कि दीपक के परिजनो ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश भी की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिली वहीं उसकी गुमसुदगी की सूचना पुलिस को भी दी गई।

बैगा परिवार के घर में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचा परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भाकुर के आश्रित ग्राम कन बेदड़े में शनिवार दोपहर एक बैगा परिवार के घर में अचानक आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आगजनी की इस घटना में घर में रखे कपड़े, अनाज एवं नगदी जलकर राख हो गए। हालांकि समय रहते परिवार के सदस्य घर से बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार ग्राम कन बेदड़े निवासी लालजु बैगा पिता हजारी के घर में शनिवार दोपहर अचानक आग भड़क उठी। घटना के समय घर के भीतर उनकी पत्नी और बच्चे सो रहे थे। अचानक आग फैलने से घर में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के सदस्यों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। पीड़ित लालजु बैगा ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि उसे बुझाने का मौका ही नहीं मिल सका। गांव में पानी की समस्या होने के कारण आग पर तत्काल काबू नहीं पाया जा सका। वहीं भीषण गर्मी और तेज लपटों के चलते देखते ही देखते पूरा घर आग की चपेट में आ गया।

ग्रामीणों के प्रयास नहीं आए काम

घटना के बाद ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। आगजनी से परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना कुकदूर थाना में दर्ज करा दी गई है। वहीं ग्रामीणों ने पीड़ित बैगा परिवार को शासन-प्रशासन की ओर से तत्काल आर्थिक सहायता एवं राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में दिखा दुर्लभ हिमालयी कछुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में दुर्लभ हिमालयी कछुआ मिला है। ट्राइकारिनेट हिल टर्टल की खोज ने एक बार फिर टाइगर रिजर्व की समृद्ध जैव विविधता एवं बेहतर होते पारिस्थितिक तंत्र को उजागर किया है।

टाइगर रिजर्व से मिली जानकारी के अनुसार यूएसटीआर में मिली विशिष्ट कछुआ प्रजाति सामान्यः हिमालय की तलहटी एवं पूर्वोत्तर भारत के पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र में पाई जाती है। मध्य भारत में इसकी उपस्थिति को एक महत्वपूर्ण एवं वैज्ञानिक दृष्टि से उल्लेखनीय खोज माना जा रहा है। तीनधारी वाली कवच संरचना एवं गुप्त स्वभाव के लिए ट्राइकारिनेट हिल टर्टल की विशिष्ट पहचान है। यह प्रजाति हिमालयी एवं उपहिमालयी वनों में आर्द्र आवासों तथा बारहमासी जलस्त्रोत वाले क्षेत्रों में पाई जाती है। यूएसटीआर में इसकी उपस्थिति उच्च गुणवत्ता वाले वन पारिक्षेत्र एवं उपयुक्त सूक्ष्म आवासों की उपलब्धता को दर्शाती है।

वन विभाग ने कहा है कि दुर्लभ वन्यजीवों की प्रजाति की खोज संरक्षित क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रबंधन एवं जनसहभागिता आधारित की आवश्यकता और महत्व को स्थापित करती है। यूएसटीआर में दुर्लभ वन्यजीवों का लगातार दस्तावेजीकरण मध्यभारत के महत्वपूर्ण जैव विविधता परिदृश्यों में एक उभरता पहचान प्रदान कर रहा है। रिजर्व प्रशासन ने स्थानीय समुदायों एवं वन्यजीव प्रेमियों से इसके संवेदनशील आवासों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

वन्यजीव की श्रृंखला में महत्वपूर्ण उपलब्धि

उदंती सीतानदी के जंगल में दर्ज अन्य महत्वपूर्ण वन्यजीवों की श्रृंखला में दुर्लभ कछुआ की उपस्थिति महत्वपूर्ण है। इसमें दुर्लभ मालाबार पाइड हार्नबिल इंडियन जायंट फ्लाइंग स्क्विरल, इंडियन जायंट स्क्विरल तथा स्मूथ कोटेड उदबिलाव की उपस्थिति एवं दस्तावेजीकरण शामिल हैं। ये सभी प्रजाति सुरक्षित वन आवासों एवं न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप पर निर्भर होती है। यूएसटीआर का पारिस्थितिक तंत्र पुनर्जीवित हो रहा है, जिससे विविध वन्यजीवों को सुरक्षित आवास दे रहा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

शुद्धि –पत्र

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– EE/RDSD/LATEHAR/06/2026-27 जिसका PR. No-380361 (Rural Development) 26-27(D) दिनांक 22.05.2026 को निम्न प्रकार आंशिक संशोधित किया जाता है:–

(1) क्रमांक–1. में अंकित कार्य का नाम– Construction of 06 ACR in Boys Residential Upgraded High School Chhipadohar at Latehar District के स्थान पर Construction of 06 ACR in Boys Residential Upgraded High School Hendehas at Latehar District पढ़ा जाय।

निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।

PR 380594 Rural Development(26-27)D

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग, पेण्ड्रारोड (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 191314 / निविदा सूचना क्र. 02/वलेलि/2026-27, दिनांक 21.05.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 11.06.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम :- बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा अंतर्गत सल्का नवागांव उद्वहन सिंचाई योजना के मुख्य नहर का जीर्णोद्धार एवं माईनर नहरों का सीमेंट कांकीट लाईनिंग का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत :- रूपये 326.61 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्यूरमेंट वेब साईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.05.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट :- 1. निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्यूरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/ पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.05.2025 (संशोधित 08.08.2025) के अनुसार है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग पेण्ड्रा रोड (छ.ग.)
कृते-मुख्य अभियंता हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर

G-262700922/7

वन विभाग छत्तीसगढ़ बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर

ई-ऑक्शन विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 02.06.2026 को इमारती काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, ई-ऑक्शन में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर ई-ऑक्शन से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया ई-ऑक्शन में बीड लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बीड लगावें।

1. क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

काष्ठागार सरगीपाल ई-ऑक्शन समय 9.00 बजे दिनांक 02.06.2026
काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
	नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
	घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	27.000	503	63	1218.672	10428	3288
साल	1063.500	0	26	2707.360	33	67
बीजा	14.000	0	0	62.584	21	15
साजा	14.000	0	0	40.587	0	12
हल्दु	8.000	0	0	122.324	0	0
शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
सिवना	0.500	0	0	1.752	0	0
तिंसा	0.000	0	0	3.149	0	0
नीलगिरी	0.000	0	0	0.000	0	0
धावड़ा	4.000	0	0	32.828	0	0
अन्य	8.000	0	0	45.351	0	8
पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0	71.618	1799	970
मुलायम काष्ठ	0.000	0	0	0.000	0	0
योगः-	**1139.000**	**503**	**89**	**4306.225**	**12281**	**4360**

अविक्रित सागौन चट्टा - 06 चट्टा
अविक्रित मिश्रित जलाऊ चट्टा - 100 चट्टा
अविक्रित औधोगिक बांस - 104.249 नो.टन

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

G-262700929/2

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 822/न.पा.नि./ 2026 रायगढ़ दिनाँक 22/05/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रं.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	191485	DEVELOPMENT OF BT ROAD IN W.N. 24 FROM MAIN ROAD TO I.T.I. GROUND AT RAIGARH.	126.75	15.06.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता न.पा.नि.. रायगढ़ रायगढ़

Annexure-i

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा, जिला- सुकमा (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम बार निविदा सूचना क्रमांक- 09

क्रमांक/276/निविदा/ग्रा.या.सेवा/2026-27, सुकमा दिनांक-21/05/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 04/05/2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	कार्यालय में निविदा की मैनुअल दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि
1	2	3
जिला पशु चिकित्सालय निर्माण कार्य भवन नयापारा सुकमा।	58.09 लाख	08/06/2026 शाम 5.30 बजे।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 21/05/2026 से देखी / डाऊनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सुकमा
जिला- सुकमा (छ.ग.)

G-262700942/2

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
बाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), **लेखक:** कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

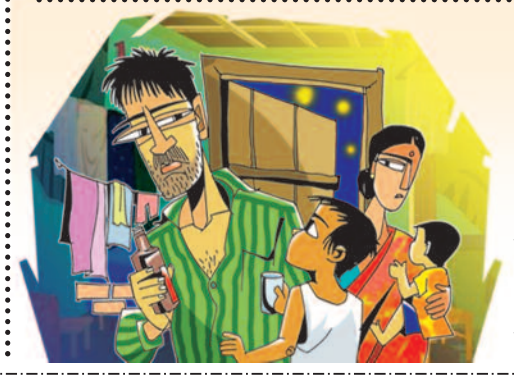

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

जैकेट के शेष

जंगल में जल... वन ...

सौर ऊर्जा से संचालित बोर से सौसर में पानी भर रहे हैं। गर्मी के दिनों में वन्यजीव शाम पांच बजे के बाद पानी की तलाश में निकलते हैं, रात नौ बजे तक सौसर में वन्यजीव पानी पीने के लिए आते हैं। इसके बाद तड़के पांच बजे से सात बजे के बीच वन्यजीव पानी की तलाश में निकलते हैं। सौसर में पानी की कमी होने पर पानी की व्यवस्था की जाती है। पानी की व्यवस्था करने वन विभाग अपने खुद के टैंकर के अलावा किराए से टैंकर लेकर वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था करते हैं।

यूएसटीआर से एटीआर ....

सारंगढ़-बिलाईगढ़ वनमंडल के है। इसी तरह से सौसर में कोरिया वनमंडल के साथ उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में सौर ऊर्जा से संचालित बोरवेल से तालाब तथा सौसर में पानी भरने के फोटो है। कोरिया वनमंडल में टैंकर के माध्यम से सौसर में पानी भरा जा रहा है।

बिलासपुर-कोरबा में दिन ....

ना हो सके। इसके लिए आमाडोब, चिरई डबरा, छपरवा सहित अन्य स्थानों पर सासर में दिन में तीन से चार बार पानी भरा जा रहा है। इससे वन्य प्राणी भी शहर और गांव की ओर रुख नहीं कर रहे हैं। कोरबा के पसरखेत रेंज सहित अन्य क्षेत्रों में जलकुंड बनाए गए है। आम लोगों की पहुंच से दूर घने जंगल में यहां वन्य प्राणी प्यास बुझाते दिखते हैं।

रायपुर में अवैध ....

दुर्ग, कांकेर सहित अन्य जिलों में खनिज विभाग की टीम ने अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई करते हुए चेन माउंटेन मशीनों के साथ हाईवा गाड़ियों को जब्त बनाया है। इस कार्रवाई से अब रेत माफिया में भी हड़कंप मचा हुआ है। इसी कार्रवाई के डर से कई जिलों के खदानों में रेत का अवैध उत्खनन भी बंद हो गए हैं।

0 धमतरी और बालोद से पहुंच रही रेत : राजनांदगांव जिले में लगातार हो रही कार्रवाई के चलते ज्यादातर रेत बालोद और धमतरी जिले से पहुंच रहे हैं। यहां रातभर अवैध रेत की वाहनें चलती है। जिसका क्रम सुबह लगभग 6 बजे तक जारी रहता है। वहीं शहर में पहुंची 600 फीट अवैध रेत को माफियाओं द्वारा 19 हजार से 21 हजार रुपए तक में बेचा जा रहा है।

बिलासपुर सरगुजा संभाग में खनिज अमले की ताबड़तोड़ कार्रवाई : खनिज विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई से रेत माफिया की कमर तोड़ दी है। खनिज विभाग ने दो पोकलेन मशीन व एक जेसीबी सहित 23 वाहनों की जब्ती की है। जब्त किए गए सारे वाहन थाने के सुपुर्द किए गए हैं। खनिज, पुलिस, राजस्व विभाग एवं जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स की संयुक्त टीम के द्वारा पिछले एक सप्ताह से लगातार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के अंतर्गत ग्राम महमंद (सीपत क्षेत्र) में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच के दौरान बिना वैध अभिवहन पास के रेत परिवहन करते पाए जाने पर दो हाईवा को जब्त किया गया। इनमें से एक वाहन को जांच चौकी लावर लाया गया, जबकि दूसरे वाहन का चालक वाहन को सड़क के बीच छोड़कर चाबी लेकर फरार हो गया। खनिज विभाग द्वारा 20 मई तक चकरभाठा, बोदरी, सकरी, बेलगहना, रतनखण्डी, करहीकछार, सल्का, पोड़ी, महमंद, लालखदान, मंगला, मस्तूरी, चौरमट्टी एवं लखराम सहित विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना वैध दस्तावेज के खनिज परिवहन करते पाए जाने पर अवैध रेत परिवहन के 14 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के तहत 12 हाईवा, 7 ट्रैक्टर और 1 माजदा वाहन जब्त कर थाना सकरी, चकरभाठा, कोटा, सरकण्डा तथा जांच चौकी लावर में सुरक्षित रखा गया है। ग्राम सोढ़खुर्द एवं करहीकछार से 2 पोकलेन मशीन तथा मुरूम के अवैध उत्खनन में संलिप्त एक जेसीबी मशीन को चौरमट्टी क्षेत्र से जब्त किया गया है।

कार्रवाई अभी लगातार जारी रहेगी : रेत के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण को लेकर पिछले पंद्रह दिनों से विभाग के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके अंतर्गत अब तक एक जेसीबी, एक चेन माऊंटेन, दो पोकलेन व 20 हाईवा सहित कुल 26 वाहनों की जब्ती की है। शासन के निर्देशानुसार इस तरह की कार्रवाई अभी लगातार जारी रहेगी।

किशोर कुमार गोलघाटे, उपसंचालक खनिज विभाग

रायगढ़ में सख्त कार्रवाईः 17 वाहन , मशीनें जब्त : रायगढ़ में बीते सप्ताह भर में अवैध खनन और परिवहन करने वाले करीब 17 वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों के मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जब्त वाहनों में 6 हाइवा, 2 ट्रेलर, 5 ट्रेक्टर, 1 ट्रेक्टर लोडर, 2 जेसीबी और 1 चैन माउंटेन मशीन शामिल है। जिले के 15 रेत घाटों की नीलामी तो हुई है, लेकिन पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलने के कारण अब तक वैध तरीके से चालू नहीं हो सका है। ऐसे हालात में इन रेत घाटों से अवैधानिक तरीके से रेत निकाली भी जा रही है। हालांकि इन घाटों से रेत खनन रोकने रात को माइनिंग अधिकारी टीम के साथ पहरा दे रहे हैं। इसी कड़ी में अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ बीते एक सप्ताह में ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के दौरान अवैध खनन और परिवहन में लगे करीब 17 वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों में रेत और चूना पत्थर लोड़ था। सहायक खनि अधिकारी आशीष गड़पाले और जिला खनिज जांच दल द्वारा अभियान चलाकर अवैध खनिज कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों और वाहनों पर कार्रवाई की गई। खनिज जांच दल द्वारा ग्राम छिरभौना विजय कुमार यादव के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 जेसीबी एवं 3 ट्रेक्टर जब्त किया गया हैं। वहीं चन्द्रशेखरपुर, में रितेश गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई कर 1 चैन माउंटेन मशीन, 1 जेसीबी और 2 हाइवा जब्त किया गया। इसी तरह लेबड़ा में चेतक पटेल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1 ट्रेक्टर लोडर एवं 2 हाइवा जब्त किया। इसके अतिरिक्त अवैध परिवहन के मामलों में चूना पत्थर खुदाई के 4 प्रकरण एवं रेत के दो प्रकरणों में हाइवा एवं ट्रेक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है।ग्राम लेबड़ा में दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में लगी एक चैन माउंटेड मशीन पोकलेन को जब्त कर सील किया गया। वहीं ग्राम रानीगुड़ा में कार्रवाई करते हुए एक जेसीबी और तीन ट्रैक्टर जब्त किया गया है।

अवैध खनन, परिवहन पर कार्रवाई जारी : बीते सप्ताह भर में अवैध रेत खनन और चूना पत्थर परिवहन के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई है। इस दौरान अवैध खनन और परिवहन करने वाले करीब 17 वाहन जब्त किया गया है, वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। रमाकांत सोनी, माइनिंग अधिकारी, रायगढ़

कोरबा में दो मामलों में : डेढ़ लाख जुर्माना : कोरबा। कोरबा में भी खनिज विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है।ग्राम कछार और धनरास में अवैध रुप से मिट्टी का उत्खन्न किया जा रहा था। उस दौरान भी दबिश देकर मशीन को जब्त किया गया है। पिछले 1 से 22 मई तक खनिज विभाग की टीम ने अवैध विभाग के दो प्रकरण दर्ज कर डेढ़ लाख रुपए अर्थदंड किया है। खनिज विभाग की टीम ने अवैध परिवहन के कुल 16 प्रकरण दर्ज किए गए हैं और जिस पर कुल 8 लाख 50 हजार 321 रुपए बतौर अर्थदंड वसूला किया गया है। खनिज उपसंचालक प्रमोद कुमार नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर सहित आउटर में रेत की किसी तरह की समस्या ना हो इसके लिए खनिज विभाग लगातार प्रयास कर रहा है और अधिक से अधिक रेत घाट खोलने का प्रयास कर रहा है। मौजूदा स्थिति में जिले में कुल 18 रेत घाट संचालित हो रहे हैं। जिसमें भैंसामुड़ा, कुदमुरा-1, गितारी, चारपारा, बगदरा, बैरा, चिचोली, कछार, कटबीतला, जिल्गा, गेवरा, चुईया, घमोटा, दुल्लापुर, धवईंपुर, तरदा, भिलाईखुर्द, जोगीपाली, सिर्री शामिल हैं।

लगातार हो रही है कार्रवाई। : 1 मई से अब तक जिले में रेत और मिट्टी के अवैध उत्खनन के दो मामले दर्ज किए गए हैं। जिनसे 1 लाख 60 हजार 500 रुपए अर्थदंड आरोपित किया गया है। जबकि अवैध परिवहन के कुल 16 प्रकरण दर्ज किए गए हैं जिनसे 8 लाख 50 हजार 321 रुपए अर्थदंड की राशि वसूल की गई है। खनिज विभाग की टीम लगातार अवैध रेत खनन व परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही कर रही है। प्रमोद कुमार नायक, खनिज विभाग कोरबा

जांजगीर में दो दर्जन से अधिक वाहन जप्त, जेसीबी व चैन माउंटेन सील : जांजगीर चांपा जिले में सप्ताह भर में संयुक्त टीम ने दो दर्जन से अधिक गाड़ियों को पकड़ा है और जेसीबी व चैन माउंटेन भी सील की गई है।

शनिवार 23 में को जांच के दौरान केवा-पिपर्दा मध्य हसदेव नदी से रेत अवैध खनन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन को जब्त किया गया। इसके साथ ही बिर्रा एवं केवा (नवापारा), हाथनेवरा क्षेत्र का जांच किया गया। जांच के दौरान रेत अवैध परिवहन में संलिप्त 07 वाहनों जिसमें वाहन 3 हाईवा और 04 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में से 06 को पुलिस लाइन खोखरा एवं 1 ट्रैक्टर को पुलिस थाना बिर्रा में सुरक्षार्थ रखा गया है।

सरगुजा के तीन जिलों में कार्रवाई, 28 वाहन, एक पोकलेन जब्त 5 स्थानों पर भंडारित रेत जब्त : संभाग के सरगुजा जिले में 3 ट्रैक्टर पकड़े गए जबकि 5 स्थानों पर अवैध रूप से भंडारित किए गए रेत को भी जब्त किया गया है। वहीं सूरजपुर जिले में 8 ट्रैक्टर रेत अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सबसे अधिक कार्रवाई बलरामपुर जिले में हुई है। यहां 17 वाहनों को रेत के अवैध परिवहन मामले में जब्त किया गया। इसके साथ बीती सनावल थाना क्षेत्र के पचावल स्थित पांगन नदी में एक पोकलेन मशीन को अवैध उत्खनन के मामले में सील किया गया है। इन कार्रवाई से रेत उत्खनन और परिवहन करने वालों में हड़कंप मच हुआ है।

चल रही है कार्रवाई : जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। हाल ही में 5 स्थानों पर अवैध रेत के भंडारण समेत 3 ट्रैक्टर रेत जब्त किया है। जिले में तीन घाटों से ही रेत निकालने की अनुमति है

शेष की प्रक्रिया चल रही है। अनिल कुमार साहू जिला खनिज अधिकारी, सरगुजा

दुर्ग में भी कार्रवाई, 5 दिन में 19 वाहन जब्त : दुर्ग जिले में भी धड़ल्ले से जारी रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन पर अंकुश लगाने ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। पिछले 5 दिन में अवैध रेत से भरे 19 वाहन जब्त किए है। इन वाहन के मालिकों पर 893709 रुपए का जुर्माना भी लगाया है, लेकिन इसके बाद भी जिले के कौही, कोटनी, थनौद, बिरेझर, अंडा और कुथरेल से रेत का अवैध खनन और परिवहन हो रहा है। खदानों में चेन माउंटेन सहित अन्य मशीनों से खनन किया जा रहा है, वहीं रेत का अवैध परिवहन अभनपुर से पाटन के रास्ते किया जा रहा है, जो दुर्ग से राजनांदगांव तक जा रही है।

धमतरी में लगातार ....

उत्खनन और परिवहन बदस्तूर जारी है। खनिज विभाग के अनुसार जिले में 14 वैध खदान है। इनमें दर्री, सोनेवारा, अरौद, लीलर, परेवाडीह, गाड़ाहीह, नारी, परखंदा, मंदरौद, दोनर, गिरौद, बुड़ेनी, चंद्रसूर, गिरौद खदान शामिल है। विभाग ने 1 अप्रैल से 21 मई तक अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण के 91 प्रकरण दर्ज किए है, जिसमें 25.87 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला है, लेकिन अभी भी करोड़ों रुपए की रेत नदियों से अवैध रूप से उत्खनन कर बेची जा रही है, जिससे शासन को करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है।

सरकार किराए पर ....

ने 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस' के माध्यम से एक बड़ा ग्लोबल टेंडर (वैश्विक निविदा) जारी किया है। इस पूरे सौदे की अनुमानित लागत 105 करोड़ रुपये आंकी गई है। **आसमान में चलता-फिरता 'वीआईपी दफ्तर' :** नया हेलीकाप्टर पूरी तरह वातानुकूलित और विश्वस्तरीय वीआईपी सुख-सुविधाओं से लैस होगा। इसकी सिटिंग कैपेसिटी कम से कम 8 सीटों की होगी, जिससे मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ अधिकारी और सुरक्षा दल एक साथ लंबी दूरी का सफर तय कर सकेंगे। छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा जंगलों, पहाड़ों और नक्सल प्रभावित दूरस्थ अंचलों से घिरा है, ऐसे में आपातकालीन परिस्थितियों, मेडिकल रेस्क्यू और त्वरित प्रशासनिक फैसलों के लिए इस स्तर का हेलीकॉप्टर बेहद मददगार साबित होगा।**हरिभूमि खासः आखिर सरकार खरीदने से क्यों संकोच करती है? जानिए इसका पूरा गणित :** छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्य में सालों-साल हेलीकॉप्टर की जरूरत बनी रहती है। ऐसे में आम जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि सरकार हर बार करोड़ों रुपये किराए पर क्यों फूंकती है? सीधे एक हेलीकॉप्टर क्यों नहीं खरीद लेती? विशेषज्ञों और विमानन नियमों के मुताबिक, अगर छत्तीसगढ़ सरकार वर्तमान टेंडर जैसी खूबियों वाला (8-सीटर, वीआईपी इंटीरियर, ट्विन-इंजन, एसी) हेलीकॉप्टर खुद खरीदने जाए, तो आज के बाजार भाव के हिसाब से एक नए विमान की कीमत 45 करोड़ से 60 करोड़ के बीच आएगी। **रखरखाव और स्टाफ का हर महीने का खर्च :** हेलीकॉप्टर के परिचालन के लिए राज्य सरकार को अपना खुद का एक 'एविएशन विंग' पूरी तरह सक्रिय रखना पड़ेगा, जिसका मासिक खर्च करोड़ों में जाता है। वीआईपी मूवमेंट के लिए डीजीसीए मानकों वाले बेहद अनुभवी पायलटों और को-पायलटों की जरूरत होती है। एक सीनियर कमर्शियल पायलट की सैलरी 3 लाख से 7 लाख प्रति माह तक होती है। इसके अलावा केबिन क्रू और ग्राउंड स्टाफ का खर्च अलग है।

'वेट लीज' मॉडल पर 3 ....

जिम्मेदारी उसे उपलब्ध कराने वाली निजी कंपनी की होगी। सरकार ने इस अनुबंध की अवधि 3 वर्ष तय की है, जिसके तहत महीने में कम से कम 20 दिन की उड़ान सुनिश्चित किया गया है।

3 जून को ....

करोड़ रुपये होना अनिवार्य है। साथ ही कंपनी को एविएशन सेक्टर में समान वीआईपी सेवाएं देने का कम से कम 5 साल का अनुभव होना चाहिए। इच्छुक कंपनियां 03 जून, 2026 को दोपहर 2:00 बजे तक अपनी बोलियां जमा कर सकती हैं, जिसके ठीक आधे घंटे बाद तकनीकी बोलियां खोल दी जाएंगी।

पेज एक के शेष

युद्ध की आग में झुलस ...

और डीजल पर हुआ है। युद्ध के कारण इसकी किल्लत से परेशानी बढ़ी है। सबसे पहले रसोई गैस की किल्लत ने आम आदमी को परेशान किया। कमर्शियल गैस के साथ पांच किलो के छोटे सिलेंडर के दाम बढ़े। उसकी वजह से बाहर की थाली महंगी हो गई। चाय-नाश्ता महंगा हो गया। **नाश्ता, खाना महंगा :** एलपीजी गैस और डीजल के कारण अपने राज्य में राजधानी रायपुर से लेकर पूरे प्रदेश में नाश्ता और खाना महंगा हो गया है। जो समोसा और कचौड़ी पहले 10 से 15 रुपए में मिलते थे, उसके दाम 15 से 20 रुपए हो गए हैं। इसी के साथ सांभर बड़ा 30 से 40 रुपए, दोसा 30 से 40 और 40 से 50 रुपए के साथ बड़े रेस्टोरेंट में दोसा 100 से 150 रुपए तक हो गया है। खाने की थाली भी महंगी हुई है। 120 वाली थाली 150 रुपए, 200 वाली 250 रुपए इसी तरह से होटलों के हिसाब से दाम बढ़े हैं। केटरिंग कारोबारी जसपाल सिंह होरा के मुताबिक शादियों में जो थाली पहले 400 रुपए की थी वह 500 और 800 वाली हजार रुपए और हजार वाली 12 सौ रुपए हो गई है।

दूध, दही पनीर भी महंगा : दूध के दाम दो रुपए बढ़ने के बाद राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के जिन भी होटलों के साथ डेयरियों में दही और पनीर मिलता है, उन लोगों ने इसके दाम बढ़ा दिए हैं। दही के दाम बीस रुपए तक बढ़ गए हैं। इसी तरह से पनीर के दाम भी अलग-अलग दुकानों में अलग-अलग हैं। जहां पर पनीर के दाम 400 रुपए थे, वहां पर इसके दाम 440 रुपए और जहां पर 440 रुपए थे वहां 480 रुपए कर दिए गए हैं। **खाने का तेल महंगा :** खाने के तेल के दाम में भारी इजाफा हो गया है। सबसे ज्यादा बिकने वाला सोया तेल और राइस ब्रान तेल 30 रुपए किलो तक महंगा हो गया है। जो सोया तेल पहले 130 रुपए लीटर था, उसके दाम 160 रुपए हो गए हैं। राइस ब्रान तेल भी 125 से बढ़कर 155 रुपए हो गया है। अन्य तेलों के दाम भी 10 से 20 रुपए बढ़े हैं।

प्लास्टिक के सामान में भी महंगाई : प्लास्टिक का हर तरह का सामान महंगा हो गया है। सबसे अहम कच्चा माल प्लास्टिक दाना जो पहले 100 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 180 से 200 रुपए हो गए हैं। प्लास्टिक स्क्रैब जो पहले 70-80 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 120 से 130 रुपए हो गए हैं। ऐसे में प्लास्टिक पाउच सहित सभी तरह से प्लास्टिक के सामानों के दाम 20 से 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। नमकीन सहित अन्य उत्पाद, दूध, दही सहित अन्य तरह से उत्पादों की पैकिंग में काम आने वाले पाउच के दाम सीधे 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक पन्नी पहले 100 से 120 रुपए किलो बिकती थी उसके दाम 180 से 200 रुपए किलो हो गए हैं।

यूपीएससी आज, डिजिटल ...

तरह की अप्रिय घटना ना हो, इसके लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र में पांच पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों को निर्देशित किया गया है कि सवालों को हल करने के दौरान केवल काले रंग के बॉल पाइंट पेन का उपयोग करेंगे। सवाल हल करने किसी दूसरे रंग के पेन अथवा जेल पेन का उपयोग प्रतिबंधित है। परीक्षा केंद्र के 5 सौ मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रदूषण को बैन किया गया है और ऐसा करने वालों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की अनुमति होगी। इसके अलावा वे बैग अथवा पर्स भी अपने साथ नहीं ले जा पाएंगे।

परीक्षा केंद्रों में जैमर, निरीक्षक का मोबाइल बैन : परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर रोक के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। शुक्रवार को रायपुर में हुई बैठक के दौरान कलेक्टर डा. गौरव सिंह ने पर्यवेक्षकों तथा केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी केंद्रों में जैमर लगाया जाए, प्रत्येक कक्ष में दो विक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। मोबाइल एप पर जानकारी भरते समय सतर्क रहें, और निरीक्षण के दौरान निरीक्षक अपने मोबाइल केंद्राध्यक्ष के पास जमा कराएं।

दो पत्नियां, हरदम ...

उतार लिया है। युवक के नीचे आते ही प्रशासन और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। शुरुआत में इस कदम के पीछे सिर्फ नशा और मानसिक तनाव बताया जा रहा था, लेकिन रेस्क्यू के दौरान युवक के टावर पर चढ़ने की असली और हैरान कर देने वाली वजह सामने आई। टावर पर चढ़ा युवक यादराम साहू पेशे से किसान है। उसकी दो पत्नियां है, जिनकी आपस में बिल्कुल नहीं बनती। इसी वजह से घर में लगातार पारिवारिक कलह चल रही थी। **अनोखी डिमांड :** युवक की मांग थी कि उसकी दोनों पत्नियां आपसी विवाद छोड़कर उसके साथ एक ही घर में रहें। इसी मांग को लेकर वह शनिवार सुबह अपने ट्रैक्टर से टावर तक पहुंचा और अत्यधिक शराब के नशे में 50 फीट ऊपर जा बैठा। **लगातार दूसरे दिन दोहराया था आत्मघाती कदम :** युवक लगातार दो दिनों से प्रशासन और ग्रामीणों की नाक में दम किया हुआ था।

इससे पहले शुक्रवार को भी वह टावर पर चढ़ गया था, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर उतारा था। लेकिन शनिवार सुबह वह फिर से टावर की चोटी पर जा बैठा, जिससे हजारों वोल्ट की चालू लाइन के बीच उसकी जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा था। **इस शर्त पर नीचे उतरा युवक, रेस्क्यू सफलः** घटनास्थल पर भखारा पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम लगातार डटी हुई थी। नीचे ग्रामीणों की भारी भीड़ भगवान से उसकी सलामती की दुआ कर रही थी। पुलिस ने लाउडस्पीकर के जरिए युवक से लगातार बातचीत की और उसे मनाने की कोशिश की। **पुलिस के आश्वासन बाद आया नीचेः** आखिरकार प्रशासन की समझाइश काम आई, लेकिन युवक ने नीचे उतरने के लिए एक अनोखी शर्त रखी। उसने कहा कि नीचे मौजूद भीड़ में से कोई भी उसका वीडियो नहीं बनाएगा। पुलिस द्वारा इस शर्त को मानने और आश्वासन देने के बाद युवक धीरे-धीरे सुरक्षित नीचे उतर आया। फिलहाल युवक को हिरासत में लेकर उसकी काउंसलिंग की जा रही है और पूरे भेंडरा गांव में फैला तनाव अब पूरी तरह शांत हो चुका है।

वक्फ की 31 हजार संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उम्मीद पोर्टल पर 31 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया। वक्फ संपत्तियों के दस्तावेजों में त्रुटियां और तकनीकी खामियां मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। बता दें, उम्मीद पोर्टल पर अब तक कुल 31,328 वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन निरस्त किया जा चुका है। प्रदेश में दर्ज 1,18,302 वक्फ संपत्तियों में से 31,328 का पंजीकरण रद्द हुआ. इनमें से 31,192 संपत्तियों के वक्फ दावों को भी निरस्त कर दिया गया है। जांच के दौरान कई संपत्तियों के खसरा नंबर वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाए। कई मामलों में राजस्व अभिलेखों में दर्ज रकबे में बदलाव पाया गया। दस्तावेजों के मिलान और रिकॉर्ड सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आईं।

असम में 21 ग्राम हेरोइन; 10 हजार याबा गोलियां बरामद

गुवाहाटी। असम के कछार जिले में एक नाव से 21 ग्राम हेरोइन एवं 10,000 याबा गोलियां बरामद की गई हैं और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को बराक नदी में एक नाव से यह बरामदगी की गई और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 'कछार पुलिस ने कल लखीपुर में बराक नदी पर एक मोटर चालित नाव को रोका और 10,000 याबा गोलियां तथा 21 ग्राम हेरोइन बरामद की।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

नाली का प्रावधान एवं सुधार हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-66-26-27, दिनांक 20.05.2026 कार्य : सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बेलगहना से अनूपपुर के बीच एलएचएस न. बी. के. 44 पर आर.सी.सी नाली का प्रावधान और वेंकटनगर से हर्री के बीच किलोमीटर 860/24-28 पर डाउन लाइन के साथ साथ साइड नाली का सुधार। निविदा मूल्यः ₹ 91,34,349.71/-। अमानत राशिः ₹ 1,82,700.00/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 12 माह। निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक 02/06/2026 के 11:00 बजे से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः दिनांक 16/06/2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/142 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी
जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

// ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना //

क्रं. / 496 / ई-टेण्डर / लो.नि.वि. / 2026-27 अं. चौकी, दिनांक 21/05/2026

नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	कार्य का नाम	लागत राशि लाख रूपये में	निविदा ऑन लाईन भरने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	191396	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of Operation and Maintenance of The Entire System in NAGAR PANCHAYAT, AMBAGARH CHOWKI under SBM 2.0	265.76	11/06/2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय, नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी के (लोक कर्म शाखा) एवं वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, शुद्धिकरण एवं अमेडमेन्ट हेतु पृथक से विज्ञापन जारी नही किया जावेगा। वेबसाईट में ही प्रकाशित किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत अं.चौकी

कार्यालय नगर पंचायत दाढ़ी, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

क्रमांक/833/लो.नि.वि/न.पं./2026-27 दाढ़ी, दिनांक 21/05/2026

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणीं में पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	191388	वार्ड क्रं. 15 में सी.सी. सह नाली निर्माण।	14.22	12.06.2026
2	191394	वार्ड क्रं. 03, 04 नयापारा में सी.सी. सह नाली निर्माण।	14.22	
3	191397	वार्ड क्रं. 03 में जयता यादव घर से संजय साहू घर तक सी.सी. सह नाली निर्माण।	14.24	
4	191398	वार्ड क्रं. 01 में रोहित मारखंडे घर से नहर तक सी.सी. रोड़ निर्माण	14.28	
5	191399	वार्ड क्रं. 08 में चुम्मन साहू दुकान से मेन रोड़ होते हुए शीतला मंदिर तक सी.सी. सह नाली निर्माण।	39.12	
6	191406	वार्ड क्रं. 12 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	47.77	
7	191409	वार्ड क्रं. 07 में नगर पंचायत कार्यालय भवन निर्माण।	125.39	

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट http//cgeproc.cgstate.gov.in व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर देखा जा सकता हैं। **मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत दाढ़ी**

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा, विद्युत (सामान्य शाखा)

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-एल-टी-न 13-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जेबीपी डिवीजन की विभिन्न कॉलोनियों में प्रकाश व्यवस्था के स्तर में सुधार, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में) :** Rs.3573999.7, **बयाना राशि रूपये :** Rs.71500.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं रामय (15.30 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-एल-टी-न 14-2026 दिनांक 06.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जबलपुर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर एचटी सबस्टेशन की व्यवस्था करना।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में) :** Rs.18803805.99, **बयाना राशि रूपये :** Rs.376100.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं रामय (15.30 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-एल-टी-न 15-2026 दिनांक 07.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** ADEN/HQ/JBP उप-विभाग के अंतर्गत पेयजल, स्वच्छता, प्लेटफार्म की धुलाई, कोचों में पानी भरने और यात्रियों के अन्य उपयोगों के लिए एक समर्पित और विश्वसनीय 24x7 जल आपूर्ति प्रणाली की व्यवस्था करना।, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में) :** Rs. 31764373.81, **बयाना राशि रूपये :** Rs.635300.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 12 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं रामय (15.30 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-एल-टी-न 16-2026 दिनांक 07.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जेबीपी कोचिंग डिपो में नए वंदे भारत स्टोर डिपो का निर्माण, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में) :** Rs. 1928675.8, **बयाना राशि रूपये :** Rs. 38600.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं रामय (15.30 बजे तक) :** 01/06/2026, **निविदा सूचना क्रमांक :** जबल-एल-टी-न 17-2026 दिनांक 08.05.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** जेबीपी- यार्ड का पुनर्निर्माण एआरएमवी साइडिंग, एआरटी साइडिंग और स्टेबलिंग लाइन नंबर 3 का विस्तार ताकि पूरी लंबाई की ट्रेन को समायोजित किया जा सके, **निविदा का अनुमानित मूल्य (कीमत रूपयें में) :** Rs. 6739515.00, **बयाना राशि रूपये :** Rs.134800.00, **समापन अवधि (माह/वर्ष) :** 06 माह, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक) :** 02/06/2026, **निविदा खुलने की तिथि एवं रामय (15.30 बजे तक) :** 02/06/2026, **सभी निविदाओं के फार्म की कीमत (रूपये में) :** 0.00, **सभी निविदाओं के कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता है :** वरि.मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेल्वे वेबसाइट https://ireps.gov.in पर उपलब्ध है पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेब साइट से डाउन लोड की जा सकती है।

हस्ता.
वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पंचायत मारो, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

क्रमांक / 180 / लो.नि.वि./ न.पं./2026-27 ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना मारो, दिनांक 22/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ई-टेंडर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	रिमार्क
1	191395	वार्ड क्रं. 07 में शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य। (बस स्टैण्ड के सामने)	99.96	तृतीय निविदा
2	191408	वार्ड क्रं. 01 से 07 तक मेन रोड में ट्यूबलरपोल स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य।	37.46	द्वितीय निविदा
3	191416	वार्ड क्र. 08 से 15 तक मेन रोड में ट्यूबलरपोल स्ट्रीट लाईट स्थापना कार्य।	37.87	द्वितीय निविदा

उपरोक्तानुसार ऑनलाईन द्वारा तृतीय निविदा (191395) दिनांक 20/05/2026 समय 17:30 बजे से एवं द्वितीय निविदा (191408) एवं (191416) दिनांक 20/05/2026 समय 21:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण छ०ग० शासन के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in व विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा आमंत्रण से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जायेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मारो, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एन.आई.टी. क्र./ सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
27/191244	S/R M.O.W. Work of Vidhan Sabha Residential Campus Under Vidhansabha Sub Dn., Raipur (C.G.)	रू. 50.00 लाख
28/191245	SR/Mow Work of Speaker House Under Vidhansabha Sub-Dn., Raipur (C.G.)	रू.25.00 लाख
26/191246	SR, Mow and Deposit Work in Various Govt. Building at Kabir Nagar Section, Raipur (C.G.)	रू. 35.00 लाख
25/191247	SR, Mow and Deposit Work In Various Govt. Building At Science College Section, Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख
24/191248	SR Mow Work of Various Residential and Non- Residential Building Under Sub Div. Tilda-Neora, Dist. Raipur (C.G.)	रू. 30.00 लाख

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 09.06.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

G- 262700932/3

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No. :- 07749-222370,
Email Id :- ee-res.balod@gov.in

ई-निविदा (Zonal Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक /04 / व.ले.लि./ ग्रा.यां.से. /2026-27 बालोद, दिनांक 22.05.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु **जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद/गुरूर/ डौण्डी /डौण्डीलोहारा एवं गुण्डरदेही ग्रुप (अ) (ब) एवं (स) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 20.04.2026 एवं नलकूप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर** पर दिनांक 08.06.2026 तक ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट के माध्यम से इस कार्यालय में दिनांक 09.06.2026 को कार्यालयीन समय अपरान्ह 5.30 बजे तक पहुंचना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 10.06.2026 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :-

(1) निविदा राशि रू. 35.00 लाख एवं 30.00 लाख प्रत्येक ग्रुप हेतु
(2) अमानत राशि रू. 35000 एवं 30000.00 प्रत्येक ग्रुप हेतु
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रू. 1500/- प्रत्येक ग्रुप हेतु

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाइन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 22.05.2026 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

G-262700952/4

शब्द पहेली - 6235

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 6234 का हल

सूडोकू नवताल - 6245

कठिनतम

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6244 का हल

5 म्यूचुअल फंड्स ने बनाया निवेशकों का भरोसा मजबूत

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में लगातार बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही म्यूचुअल फंड चुनने की होती है। आज बाजार में 1500 से ज्यादा म्यूचुअल फंड स्कीम मौजूद हैं और हर फंड खुद को सबसे बेहतर साबित करने की कोशिश करता है। ऐसे में केवल ज्यादा रिटर्न देखकर निवेश करना जोखिम भरा साबित हो सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि किसी भी फंड का सही आकलन केवल रिटर्न से नहीं, बल्कि उसके "रिस्क एडजस्टेड रिटर्न" से किया जाना चाहिए। यानी ऐसा फंड जो जोखिम कम रखते हुए लगातार बेहतर प्रदर्शन करे। हाल ही में किए गए एक विस्तृत विश्लेषण में कई म्यूचुअल फंड स्कीमों को शार्प रेशियो, सॉर्टिनो रेशियो, स्टैंडर्ड डिविएशन और रोलिंग रिटर्न जैसे मानकों पर परखा गया। इस विश्लेषण में पांच फंड सबसे मजबूत विकल्प बनकर सामने आए।

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

सूची में पहला नाम एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड का है। यह फंड हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) पार करने वाला चुनिंदा फंड बना है। फंड ने पिछले कई वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन किया है। रोलिंग रिटर्न के आधार पर इसने तीन और पांच साल की अवधि में 19 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस फंड की सबसे बड़ी ताकत बाजार गिरने के दौरान नुकसान को सीमित रखना रही है। इसका शार्प रेशियो और सॉर्टिनो रेशियो भी श्रेणी के अन्य फंड्स से बेहतर रहा। फंड का बड़ा निवेश बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर और आईटी सेक्टर में है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई जैसी कंपनियां इसकी प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं।

बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड

दूसरे स्थान पर बंधन लार्ज एंड मिड कैप फंड रहा। इस फंड ने पिछले 10 वर्षों में अपनी श्रेणी के अधिकांश फंड्स से बेहतर प्रदर्शन किया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इस फंड ने औसतन 24 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया, जबकि श्रेणी का औसत लगभग 18 प्रतिशत रहा। यह फंड लगातार बदलते बाजार के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करता है और इसी रणनीति ने इसे मजबूत बनाया है। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, सर्विसेज, एनर्जी और हेल्थकेयर सेक्टर में है।

निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड भी जोखिम और रिटर्न के संतुलन के मामले में मजबूत विकल्प माना गया। पिछले 10 वर्षों में किसी भी सात साल की अवधि में इस फंड ने औसतन 15 प्रतिशत से ज्यादा रोलिंग रिटर्न दिया। यह श्रेणी औसत और निफ्टी 100 दोनों से बेहतर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी सबसे बड़ी ताकत स्थिर प्रदर्शन और मजबूत स्टॉक चयन है। लंबे समय से एक ही फंड मैनेजर के नेतृत्व में रहने का फायदा भी इसे मिला है। फंड की प्रमुख हिस्सेदारी बैंकिंग, एनर्जी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर में है।

एचडीएफसी मिड कैप फंड एसआईपी

एचडीएफसी मिड कैप फंड लंबे समय से मिडकैप निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 35 लाख रुपये तक पहुंच चुका होता। फंड ने लंबे समय में करीब 20 प्रतिशत सालाना रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि मिडकैप श्रेणी में अस्थिरता ज्यादा होती है, लेकिन इस फंड ने लगातार बेहतर संतुलन बनाए रखा। फंड का निवेश मुख्य रूप से फाइनेंशियल, हेल्थकेयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर में फैला हुआ है।

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड

सूची में पांचवां नाम इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड का रहा। स्मॉलकैप फंड्स को आमतौर पर ज्यादा जोखिम वाला माना जाता है, लेकिन इस फंड ने जोखिम के मुकाबले मजबूत रिटर्न दिया है। तीन साल की रोलिंग अवधि में इसने लगभग 26 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि पांच और सात साल की अवधि में भी प्रदर्शन मजबूत रहा। फंड का फोकस तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों की पहचान कर शुरुआती दौर में निवेश करना है। इसकी प्रमुख हिस्सेदारी हेल्थकेयर, सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर सेक्टर में है।

आखिर क्या होता है रिस्क एडजस्टेड रिटर्न

विशेषज्ञों के मुताबिक, केवल ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड हमेशा बेहतर नहीं होता। अगर किसी फंड में उतार-चढ़ाव बहुत ज्यादा हो, तो वह निवेशकों के लिए जोखिम बढ़ा सकता है। रिस्क एडजस्टेड रिटर्न ऐसे फंड्स को पहचानने का तरीका है जो कम जोखिम के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न देते हैं।

बाजार में बढ़ी अनिश्चितता, निवेशकों की पहली पसंद बन रहे लिक्विड फंड

अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक रिटर्न दिया

पूंजी सुरक्षित और जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सकता है पैसा

शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई, रहना होगा अलर्ट

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को जोखिम लेने से रोक रहे

वैश्विक तनाव, शेयर बाजार की अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में निवेश सात साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। निवेशक फिलहाल जोखिम से दूरी बनाकर ऐसे विकल्प चुन रहे हैं जहां पूंजी अपेक्षाकृत सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला भी जा सके। म्यूचुअल फंड उद्योग से जुड़े संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2026 में लिक्विड फंड्स में शुद्ध निवेश 1.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पिछले वर्ष अप्रैल में यह आंकड़ा 1.19 लाख करोड़ रुपये था। यानी एक साल में लगभग 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह बीते कई वर्षों में सबसे बड़ा उछाल माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि शेयर बाजार में लगातार जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। विदेशी बाजारों में तनाव, वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाएं और भू-राजनीतिक घटनाक्रम निवेशकों को ज्यादा जोखिम लेने से रोक रहे हैं। ऐसे माहौल में लोग अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए लिक्विड फंड्स का सहारा ले रहे हैं।

बैंकिंग सिस्टम में बढ़ी नकदी बनी बड़ी वजह

विशेषज्ञों के अनुसार इस बढ़ोतरी के पीछे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी भी अहम कारण रही। अप्रैल के दौरान बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी 2 लाख करोड़ से 5.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रही, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा काफी कम था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों और बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी बनाए रखने के प्रयासों का असर भी साफ दिखाई दिया। बैंकों और कंपनियों के पास अतिरिक्त नकदी रही, जिसे उन्होंने बेहतर रिटर्न और सुरक्षित पार्किंग के लिए लिक्विड फंड्स में निवेश किया।

कम जोखिम में बेहतर रिटर्न का आकर्षण

लिक्विड फंड्स में बढ़ती दिलचस्पी की एक और बड़ी वजह इनका अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न रहा। अप्रैल में लिक्विड फंड्स ने लगभग 5.5 से 6 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया, जबकि ओवरनाइट दरें लगभग 5 प्रतिशत के आसपास रहीं। इसके अलावा सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट (सीडी) की ब्याज दरें 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक पहुंचीं, जिसने निवेशकों को आकर्षित किया। ऐसे में कम जोखिम के साथ थोड़े बेहतर रिटर्न की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए लिक्विड फंड्स एक बेहतर विकल्प बनकर उभरे। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, तब निवेशक पूंजी बचाने को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे समय में इक्विटी निवेश की तुलना में लिक्विड फंड्स ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं क्योंकि इनमें पैसा कम अवधि वाले डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है।

आखिर क्या होते हैं लिक्विड फंड्स

लिक्विड फंड्स डेट म्यूचुअल फंड की श्रेणी में आते हैं। ये निवेशकों का पैसा ट्रेजरी बिल्स, सरकारी प्रतिभूतियों, कॉल मनी और अन्य शॉर्ट टर्म मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह होती है कि इनमें निवेश की मैच्योरिटी अवधि बहुत कम होती है। आमतौर पर ये 91 दिनों तक की अवधि वाले साधनों में निवेश करते हैं। इसी कारण इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम माना जाता है और जरूरत पड़ने पर निवेशक आसानी से पैसा निकाल सकते हैं। यही वजह है कि कम समय के लिए पैसा पार्क करने वाले निवेशक लिक्विड फंड्स को पसंद करते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को दो-तीन महीने बाद बच्चों की फीस जमा करनी हो, यात्रा पर जाना हो या कोई अन्य छोटा वित्तीय लक्ष्य पूरा करना हो, तो वह रकम लिक्विड फंड में रख सकता है।

सेविंग अकाउंट से बेहतर विकल्प क्यों

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लिक्विड फंड्स कई मामलों में सेविंग अकाउंट से बेहतर साबित हो सकते हैं। बैंक सेविंग अकाउंट में जहां ब्याज दरें सीमित रहती हैं, वहीं लिक्विड फंड्स थोड़े बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा इनमें निवेश और निकासी की सुविधा भी काफी आसान होती है। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि लिक्विड फंड्स पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होते, लेकिन अन्य म्यूचुअल फंड श्रेणियों की तुलना में इनमें जोखिम कम माना जाता है।

निवेशकों को क्या रखना चाहिए ध्यान

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लिक्विड फंड्स को लंबी अवधि के निवेश विकल्प के तौर पर नहीं देखना चाहिए। ये मुख्य रूप से कम अवधि की जरूरतों और अस्थायी निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं। अगर निवेशक लंबी अवधि में ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो इक्विटी या हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं। वहीं जिन लोगों को कुछ महीनों के लिए सुरक्षित निवेश चाहिए, उनके लिए लिक्विड फंड्स उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके साथ ही निवेशकों को किसी भी फंड में निवेश करने से पहले उसकी रेटिंग, पोर्टफोलियो गुणवत्ता, एक्सपेंस रेशियो और फंड हाउस की विश्वसनीयता जरूर जांचनी चाहिए।

सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ता रुझान

वर्तमान आर्थिक माहौल यह संकेत दे रहा है कि निवेशक अब केवल ऊंचे रिटर्न नहीं, बल्कि सुरक्षा और स्थिरता को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। बाजार में अनिश्चितता बढ़ने पर सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग तेज होना स्वाभाविक माना जाता है। लिक्विड फंड्स में रिकॉर्ड निवेश इसी बदलती निवेश मानसिकता को दर्शाता है, जहां निवेशक फिलहाल जोखिम कम रखते हुए स्थिर और सुरक्षित विकल्पों की तलाश में हैं।

निवेश से पहले यह रखें ध्यान

फंड का कम से कम 5-10 साल का रिकॉर्ड देखें, फंड मैनेजर का अनुभव जांचें

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में केवल बचत करना आर्थिक सुरक्षा के लिए काफी नहीं माना जाता। बढ़ती महंगाई, रिटायरमेंट की चिंता और भविष्य की जरूरतों ने निवेश को हर नौकरीपेशा व्यक्ति की प्राथमिकता बना दिया है। ऐसे में म्यूचुअल फंड एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में शामिल हो चुका है। हालांकि निवेशकों के मन में एक सवाल हमेशा रहता है कि आखिर किस उम्र में कितनी एसआईपीकरनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश में सबसे बड़ा अंतर ज्यादा रकम नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत पैदा करती है। जितना जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, कंपाउंडिंग उतना ही बड़ा फायदा देती है।

अपने जोखिम और निवेश अवधि के हिसाब से फंड चुनें

20 की उम्र में शुरुआत सबसे ताकतवर

वित्तीय विशेषज्ञों के मुताबिक 20 से 29 साल की उम्र निवेश की शुरुआत के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस दौर में जिम्मेदारियां कम होती हैं और जोखिम लेने की क्षमता ज्यादा होती है। अगर कोई व्यक्ति 20 साल की उम्र में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 60 साल की उम्र तक करीब 11.88 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन अगर वही निवेश 30 साल की उम्र से शुरू किया जाए, तो अंतिम फंड घटकर लगभग 3.5 करोड़ रुपये रह जाता है। यानी सिर्फ 10 साल की देरी से संभावित संपत्ति में 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इस उम्र में फ्लेक्सी कैप, मिडकैप, इंडेक्स और ईएलएसएस फंड बेहतर विकल्प माने जाते हैं क्योंकि लंबी अवधि में इनमें बेहतर ग्रोथ की संभावना रहती है। हालांकि इस उम्र में सबसे बड़ी गलती निवेश टालते रहना और जल्दी अमीर बनने के चक्कर में हाई रिस्क थीमेटिक या स्मॉलकैप फंड्स में जरूरत से ज्यादा पैसा लगाना माना जाता है।

30 की उम्र में संतुलन जरूरी

30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते आमतौर पर आय बढ़ती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ने लगती हैं। घर का लोन, शादी, बच्चों की पढ़ाई, बीमा और रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी जरूरतें निवेश रणनीति को प्रभावित करती हैं। अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र से हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और 60 साल तक निवेश जारी रखता है, तो 12 प्रतिशत अनुमानित रिटर्न के आधार पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये का फंड तैयार हो सकता है। लेकिन यदि वही निवेश 40 की उम्र तक टाल दिया जाए, तो अंतिम फंड करीब 1 करोड़ रुपये तक सीमित रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस उम्र में संतुलित निवेश रणनीति अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। फ्लेक्सी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड अच्छे विकल्प माने जाते हैं। इसके अलावा हर साल एसआईपी बढ़ाने की आदत यानी "स्टेप-अप एसआईपी" लंबे समय में बड़ा अंतर पैदा कर सकती है।

40 की उम्र में फोकस बदलना जरूरी

40 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते निवेशकों का ध्यान केवल ज्यादा रिटर्न कमाने पर नहीं, बल्कि पूंजी की सुरक्षा और रिटायरमेंट प्लानिंग पर भी होता है। अगर कोई व्यक्ति 40 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है और 60 साल तक करीब 3.5 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहता है, तो उसे हर महीने लगभग 35 से 40 हजार रुपये की **SIP** करनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा इसलिए क्योंकि निवेशक कंपाउंडिंग के 10 अहम साल खो देता है और समय की कमी को ज्यादा निवेश से पूरा करना पड़ता है। इस उम्र में लार्जकैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मल्टी एसेट और शॉर्ट ड्यूरेशन डेट फंड जैसे विकल्प बेहतर माने जाते हैं।

हर उम्र में अलग होती है निवेश रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ निवेशकों को इक्विटी से पूरी तरह बाहर नहीं निकलना चाहिए, बल्कि अपने जोखिम और वित्तीय जरूरतों के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए। युवा निवेशक ज्यादा जोखिम लेकर ग्रोथ पर फोकस कर सकते हैं, जबकि 40 के बाद स्थिरता और पूंजी संरक्षण ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

निवेशकों की सबसे बड़ी गलतियां

- निवेश शुरू करने में देरी करना
- बाजार गिरने पर एसआईपी बंद कर देना
- सोशल मीडिया टिप्स पर आंख बंद कर भरोसा करना
- बार-बार फंड बदलना
- बिना लक्ष्य के निवेश करना

क्या कहते हैं जानकार

विशेषज्ञों का कहना है कि म्यूचुअल फंड कोई जल्दी अमीर बनने का जरिया नहीं है। यह लंबे समय तक अनुशासन और धैर्य के साथ संपत्ति बनाने का माध्यम है। जो निवेशक जल्दी शुरुआत करते हैं, नियमित निवेश बनाए रखते हैं और बाजार की गिरावट से घबराने के बजाय टिके रहते हैं, वही लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर पाते हैं।

निवेश से पहले समझें जोखिम

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होते हैं। फंड का प्रदर्शन बाजार, ब्याज दरों और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार बदल सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेना भी बेहतर विकल्प हो सकता है।

निवेश के ऑप्शन, जहां सुरक्षित रहेगा पूरा पैसा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में कमाई करना जितना कठिन हो गया है, उतना ही मुश्किल सही जगह निवेश करना भी हो गया है। शेयर बाजार, क्रिप्टो और हाई रिटर्न वाले कई विकल्प लोगों को आकर्षित जरूर करते हैं, लेकिन इनमें जोखिम भी काफी रहता है। ऐसे में ज्यादातर लोग ऐसी स्कीम चाहते हैं जहां पैसा सुरक्षित रहे और रिटर्न भी भरोसेमंद मिले। भारत में सरकार समर्थित कई निवेश योजनाएं हैं जो सुरक्षा, स्थिरता और टैक्स बचत तीनों का फायदा देती हैं। अगर आप भी बिना ज्यादा जोखिम उठाए अपने भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं, तो ये कुछ निवेश विकल्प आपके लिए बेहद काम के साबित हो सकते हैं।

1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)

भारतीय परिवारों में फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सबसे लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक है। इसमें एक तय अवधि के लिए पैसा जमा किया जाता है और बैंक पहले से निश्चित ब्याज देता है। एफडीकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाजार के उतार-चढ़ाव का इस पर कोई असर नहीं पड़ता। निवेशक को पहले दिन से ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी रकम मिलेगी। 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जाती है। यही वजह है कि सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए एफडी आज भी पहली पसंद बनी हुई है।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड

अगर आपका लक्ष्य बच्चों की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड तैयार करना है, तो पीपीएफ शानदार विकल्प माना जाता है। यह सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है। पीपीएफ की अवधि 15 साल होती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसमें मिलने वाला ब्याज, निवेश और मैच्योरिटी राशि तीनों टैक्स फ्री होते हैं। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का फायदा मिलने से छोटी-छोटी बचत भी बड़ा फंड बन जाती है। यही कारण है कि इसे सबसे भरोसेमंद लॉन्ग टर्म निवेश योजनाओं में गिना जाता है।

3. नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

एनपीएसयानी नेशनल पेंशन सिस्टम एक बेहतरीन विकल्प है। इसे पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) संचालित करती है। इस योजना में निवेश का एक हिस्सा सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में लगाया जाता है, जिससे जोखिम कम रहता है। एनपीएस में धारा 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती ही है, साथ ही अतिरिक्त 50 हजार की अलग टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

4. गोल्ड निवेश

भारत में सोना सिर्फ गहना नहीं, बल्कि सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। हालांकि अब फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय लोग एसजीबी और गोल्ड ईटीएफ जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। सोने की कीमतें लंबे समय में आमतौर पर बढ़ती रही हैं, इसलिए इसे महंगाई के खिलाफ मजबूत सुरक्षा माना जाता है। खास बात यह है कि एसजीबी में निवेश करने पर सरकार करीब 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज भी देती है। मैच्योरिटी पर टैक्स छूट का फायदा इसे और आकर्षक बनाता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ निवेश पोर्टफोलियो में कुछ हिस्सा गोल्ड में रखने की सलाह देते हैं।

धैर्य रखने वालों को ही मिलता है बड़ा मुनाफा, बनाएं बेहतर रणनीति

लंबी अवधि की एसआईपी बनेगी बाजार की ढाल

8 साल से ज्यादा निवेश में नुकसान की संभावना लगभग न के बराबर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा निवेशकों की चिंता बढ़ाता है। बाजार कभी तेजी से ऊपर जाता है तो कभी अचानक गिरावट निवेशकों का भरोसा डगमगा देती है। खासकर छोटे निवेशक अक्सर इसी डर में रहते हैं कि कहीं उनकी मेहनत की कमाई बाजार की मंदी में डूब न जाए। लेकिन अब एक नई स्टडी ने यह साबित कर दिया है कि अगर निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि तक एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश जारी रखें, तो बाजार की वोलैटिलिटी भी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचा पाती। हाल ही में सामने आई एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्विटी एसआईपी में जितनी लंबी अवधि तक निवेश किया जाता है, नुकसान का खतरा उतना ही कम होता जाता है। यहां तक कि 8 साल या उससे अधिक समय तक लगातार निवेश करने वाले निवेशकों को किसी भी अवधि में नुकसान नहीं हुआ। यह रिपोर्ट उन लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है जो हर महीने म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं।

15 साल की एसआईपी में रिटर्न ज्यादा स्थिर और भरोसेमंद

विशेषज्ञ बोले-कम से कम एक दशक तक रखें निवेश

30 साल के आंकड़ों से निकला निष्कर्ष

अगस्त 1996 से अप्रैल 2026 तक के सेंसेक्स टीआरआई के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें अलग-अलग अवधियों की एसआईपी के रिटर्न को देखा गया। अध्ययन का मकसद यह समझना था कि समय बढ़ने के साथ निवेशकों का जोखिम किस तरह कम होता है। रिपोर्ट में पाया गया कि कम अवधि की एसआईपी में रिटर्न काफी अस्थिर रहे। तीन साल की अवधि में निवेशकों को जहां एक ओर 55.6 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न मिला, वहीं दूसरी ओर कुछ निवेशकों को 24.6 प्रतिशत तक का नुकसान भी उठाना पड़ा। इसका मतलब साफ है कि कम समय में बाजार की चाल निवेशकों को बड़ा फायदा भी दे सकती है और भारी नुकसान भी। लेकिन जैसे-जैसे निवेश की अवधि बढ़ती गई, जोखिम घटता गया। 8 साल या उससे ज्यादा की अवधि में किए गए किसी भी एसआईपी निवेश में नुकसान दर्ज नहीं हुआ।

क्यों असरदार लंबी अवधि की एसआईपी

विशेषज्ञों के मुताबिक, एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा "रुपी कॉस्ट एवरेजिंग" होता है। जब बाजार नीचे होता है, तब निवेशक को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर होता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। लंबे समय में यह औसत निवेश लागत को संतुलित कर देता है। इसके अलावा लंबी अवधि में बाजार की गिरावट का असर धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। शेयर बाजार भले ही कुछ महीनों या वर्षों तक कमजोर रहे, लेकिन ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो लंबे समय में बाजार ने हमेशा रिकवरी की है। यही कारण है कि धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार 15 साल की एसआईपी में रिटर्न का दायरा काफी सीमित हो गया। यहां रिटर्न 7.3 प्रतिशत से 18.2 प्रतिशत के बीच रहा। इसका मतलब यह है कि लंबी अवधि में निवेशकों को अपेक्षाकृत स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न मिलता है।

युवाओं के लिए छोटी रकम से बड़ा फंड बनाने का आसान तरीका

दस साल तक निवेश बनाए रखें

एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लंबे समय तक निवेश बनाए रखे। उनका मानना है कि कम से कम 10 साल तक निवेश करना चाहिए ताकि बाजार के विभिन्न चक्रों का फायदा मिल सके।

समय के साथ बढ़ी रिटर्न की संभावना

स्टडी में यह भी सामने आया कि निवेश की अवधि बढ़ने के साथ 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की संभावना भी तेजी से बढ़ती गई। 3 साल की एसआईपी में केवल 67 प्रतिशत मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिला। 10 साल की एसआईपी में यह आंकड़ा 95 प्रतिशत तक पहुंच गया।12 से 15 साल की अवधि में 98 प्रतिशत निवेशकों को 10 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। यानी निवेशक जितना अधिक समय तक बाजार में बने रहते हैं, उनके अच्छे रिटर्न पाने की संभावना उतनी ही मजबूत हो जाती है।

एसआईपी बंद करना बड़ी गलती

अक्सर देखा जाता है कि बाजार में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं। विशेषज्ञ इसे सबसे बड़ी गलती मानते हैं। दरअसल, बाजार में गिरावट के दौरान ही निवेशकों को कम कीमत पर ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जो भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा मुनाफा देती हैं। अगर निवेशक गिरावट के समय निवेश बंद कर देता है, तो वह बाजार की रिकवरी का पूरा फायदा नहीं उठा पाता। इसलिए निवेशकों को बाजार की अस्थायी गिरावट से घबराने के बजाय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

युवा निवेशकों के लिए बड़ा अवसर

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं के लिए एसआईपी सबसे अच्छा निवेश विकल्प बनकर उभरा है। नौकरी की शुरुआत में छोटी रकम से निवेश शुरू करके लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। अगर कोई निवेशक 25 साल की उम्र में हर महीने 5 हजार रुपये की एसआईपी शुरू करता है और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो 25-30 साल में करोड़ों रुपये का फंड तैयार हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार एसआईपी को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का सबसे प्रभावी तरीका मानते हैं।

धैर्य ही सफलता की कुंजी

इस पूरी स्टडी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शेयर बाजार में सफलता पाने के लिए धैर्य बेहद जरूरी है। कम समय में बाजार का उतार-चढ़ाव निवेशकों को परेशान कर सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यही बाजार संपत्ति बनाने का सबसे मजबूत माध्यम बन जाता है। एसआईपी निवेशकों के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि वे नियमित निवेश जारी रखें, बाजार की गिरावट से न डरें और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। क्योंकि समय के साथ बाजार की अस्थिरता कम होती जाती है और निवेशकों के लिए बेहतर रिटर्न की संभावना मजबूत होती जाती है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	14	9	5	18
गुजरात	14	9	5	18
हैदराबाद	14	9	5	18
पंजाब	14	7	6	15
राजस्थान	13	7	6	14
कोलकाता	13	6	6	13
चेन्नई	14	6	8	12
दिल्ली	13	6	7	12
मुंबई	13	4	9	8
लखनऊ	14	4	10	8

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
638 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
24 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

सौडल ओपन : संधू ने बनाई कट में जगह, शर्मा चूके

एंटवर्प। भारतीय गोल्फर युवराज संधू (70-68) ने बेल्जियम के एंटवर्प के पास रिंकवेन इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में चल रहे सौडाल ओपन में कट हासिल किया लेकिन शुभंकर शर्मा (70-72) चूक गए। डीपी वर्ल्ड टूर पर पहली बार खेल रहे संधू ने पहले दिन तीन बोगी के मुकाबले चार बर्डी लगाईं थी और तब वह संयुक्त 72वें स्थान पर थे। उन्होंने दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया तथा दो बोगी के मुकाबले पांच बर्डी के साथ 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 51वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

तलवार ने किया कट हासिल शीर्ष 20 में बरकरार

ओडेंसे। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए होटल प्लानर टूर के डेनिश चैलेंज ओपन में 67-70 का स्कोर बनाकर आसानी से कट हासिल कर लिया। घरेलू डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर पर एक प्रतियोगिता जीतने वाले तलवार ने पहले दौर में एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाईं थी। उन्होंने दूसरे दौर में फ्रंट नाइन पर एक बोगी के मुकाबले छह बर्डी लगाकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तलवार तब शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब थे। लेकिन 16वें होल पर डबल बोगी और 17वें होल पर बोगी के कारण वह संयुक्त 16वें स्थान पर खिसक गए।

प्रणवी ने बनाया दो अंडर का स्कोर, शीर्ष 10 में शामिल

रबात। लेडीज यूरोपियन टूर में अपना पहला खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने लल्ला मेरियम कप में दूसरे दौर में दो अंडर का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में अपनी जगह बरकरार रखी। पहले दौर के बाद दूसरे स्थान पर रहीं प्रणवी अब 36 होल के बाद पांच अंडर (70-71) के कुल स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं। वह शीर्ष पर चल रही केल्सी बेनेट से 8 शॉट पीछे हैं। बेनेट ने अपना स्कोर 13 अंडर (68-65) कर लिया है। इस प्रतियोगिता में कट हासिल करने वाली अन्य भारतीय खिलाड़ी दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में तीन अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। उनका कुल

किंग्स ने तोड़ा 6 हार का सिलसिला

पंजाब प्लेऑफ की रेस में बरकरार लखनऊ को सात विकेट से दी मात

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 101 रन की शानदार पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लगातार 6 हार के सिलसिले को तोड़ते हुए शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ की दौड़ में अपनी उम्मीदें कायम रखीं। अय्यर ने 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर एलएसजी के 6 विकेट पर 196 रन के स्कोर को बौना साबित कर दिया। पंजाब किंग्स ने 12 गेंद शेष रहते 3 विकेट पर 200 रन बनाए। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने अपने सभी 14 लीग मुकाबले पूरे कर 15 अंक हासिल किए और अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई।

आरआर-मुंबई के मैच पर टिकी पंजाब की किस्मत

अब टीम को अपनी किस्मत के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि रविवार को मुंबई में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीतती है तो टीम 16 अंकों के साथ चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंचेगी। राजस्थान अगर यह मैच हारती है तो पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें काफी बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) रविवार को दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी।

स्कोर बोर्ड

एलएसजी	रन	गेंद	4	6
इंग्लिस का अय्यर बो शशांक	72	44	9	2
कुलकर्णी का प्रभसिमरन बो ओमरजई	00	01	0	0
निकोल्स पूरन बो यानसेन	02	07	0	0
बडोनी स्टं. प्रभसिमरन बो चहल	43	18	5	3
पंत का यानसेन बो चहल	26	22	3	0
अब्दुल समद नाबाद	37	20	3	3
मुकुल का दुबे बो यानसेन	01	03	0	0
अर्जुन तेंदुलकर नाबाद	05	05	0	0

अतिरिक्त: 10, कुल योग: 20 ओवर में 196/6
गेंदबाजी: अर्शदीप 3-0-52-0, ओमरजई 3-0-29-1, यानसेन 4-0-33-2, चहल 4-0-25-2, वैशाख 3-0-26-0, शशांक 3-0-29-1

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का अर्जुन बो शमी	00	01	0	0
प्रभसिमरन पवाबाधा अर्जुन	69	39	7	2
कूपर कोनोली बो शमी	18	10	4	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	101	51	11	5
सूर्यांश शेडगे नाबाद	09	07	0	1

अतिरिक्त: 03, कुल योग: 18 ओवर में 200/3 रन
गेंदबाजी: शमी 4-0-45-2, प्रिंस 3-0-32-0, मोहसिन 4-0-48-0, राठी 3-0-39-0, अर्जुन 4-0-36-1

मैच : आज दोपहर 3.30 बजे से

प्लेऑफ पर आरआर की नजर जीत भरी विदाई चाहेगी एमआई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले लीग चरण के अपने अंतिम मैच में जीत हासिल करके इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुका है और वह जीत के साथ विदाई लेने के लिए प्रतिबद्ध होगा लेकिन राजस्थान रॉयल्स के लिए यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है, जिसमें जीत पर वह प्लेऑफ में पहुंचने वाली अंतिम टीम बन जाएगी।

केकेआर-दिल्ली के बीच भिड़ंत आज

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग की मौजूदा सत्र के अंतिम लीग मैच में आमने-सामने होंगे। कोलकाता को प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। मौजूदा स्थिति के अनुसार छठे स्थान पर काबिज केकेआर की टीम अगर मगर के समीकरणों से अभी भी प्लेऑफ का अंतिम स्थान हासिल करने की दौड़ में हैं, लेकिन रविवार को पहला राजस्थान रॉयल्स की टीम मुंबई इंडियंस के बीच है अगर राजस्थान मैच जीत जाती है तो दूसरा मैच शुरू होने से पहले ही यह मैच महज औपचारिकता बन जाए।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड रवाना हुई महिला टीम, स्क्वाड में शामिल 15 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले महीने से इंग्लैंड की मेजबानी में शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो चुकी है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में विमेन इन ब्लू को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से वे इतिहास रचने के इरादे से इंग्लैंड के लिए उड़ान भर चुकी हैं। यह महिला टी20 विश्व कप का दूसरा ऐसा सीजन है, जिसमें 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 6-6 के दो ग्रुपों में बांटा गया है। इस टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से होगा, जहां उद्घाटन मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड का सामना श्रीलंका से एजबेस्टन के मैदान पर होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से करेगी।

टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से

गुरिंदरवीर ने 100 मीटर में बनाया नया रिकॉर्ड

रांची। राष्ट्रीय सीनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को भारतीय एथलेटिक्स ने ऐतिहासिक उपलब्धियों का गवाह बना, जब गुरिंदरवीर सिंह ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि विशाल टीके 400 मीटर में 45 सेकंड से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय बने।

गुरिंदरवीर ने शानदार दौड़ लगाते हुए 100 मीटर स्पर्धा 10.09 सेकंड में पूरी की और राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उनका यह प्रदर्शन इस सत्र में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय भी है।

विशाल ने 400 मीटर दौड़ में रचा इतिहास

विशाल टीके ने 400 मीटर दौड़ में 44.98 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रच दिया। वह 45 सेकंड की बाधा तोड़ने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। उनका यह समय मौजूदा सत्र में एशिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। एक और बड़ी उपलब्धि में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन में 8000 अंकों का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए एशिया की सर्वकालिक सूची में सातवां स्थान हासिल कर लिया।

यूसीआई लेवल-3 कोचिंग कोर्स के लिए मनोध्या का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रतीक मनोध्या का चयन विश्व साइकिलिंग की सर्वोच्च कोचिंग शिक्षा में शामिल प्रतिष्ठित यूसीआई लेवल-3 कोचिंग कोर्स के लिए किया गया है। यह कोर्स यूनियन साइकिस्ट इंटरनेशनल के मुख्यालय एगल, स्विट्जरलैंड में आयोजित हो रहा है।

जबलपुर गढ़ा निवासी प्रतीक मनोध्या लंबे समय से साइकिलिंग खेल में मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का नाम गौरवान्वित करते आए हैं। उन्होंने पूर्व में नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्टस से एनाआईएस साइकिलिंग कोचिंग कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया है तथा खेल क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को देखते हुए साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, भारतीय खेल प्राधिकरण एवं भारत सरकार ने उन्हें विश्व के सर्वोच्च कोचिंग कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया है। प्रदेश के खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों एवं सामाजिक संगठनों ने प्रतीक मनोध्या को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हेड कोच को लेकर आईसीसी कर सकता है नियमों में बड़ा बदलाव

एजेंसी ▶▶ दुबई

आईसीसी क्रिकेट को और अधिक रोमांचक, पारदर्शी और रणनीतिक बनाने के लिए खेल के मौजूदा नियमों में कुछ क्रांतिकारी बदलाव करने पर विचार कर रही है। आईसीसी की आगामी बैठक और चर्चाओं में जिन प्रस्तावों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, उनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों के हेड कोच की भूमिका को लेकर है। नए संशोधनों के तहत अब मैच के दौरान हेड कोच को सीधे मैदान के भीतर जाने की अनुमति मिल सकती है। आईसीसी की ओर से प्रस्तावित ये बड़े नियम खेल के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) की सूरत बदल सकते हैं।

ड्रिंक्स ब्रेक में सीधे मैदान पर जा सकेंगे हेड कोच

वर्तमान नियमों के मुताबिक, मैच के दौरान केवल सबस्टीट्यूट खिलाड़ी ही ड्रिंक्स या अन्य सामान लेकर मैदान के भीतर जा सकते हैं। लेकिन आईसीसी के नए प्रस्ताव के अनुसार, अब टीमो के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर अपने खिलाड़ियों से सीधे बातचीत करने की अनुमति दी जा सकती है।

संदिग्ध बॉलिंग एक्शन को पकड़ने हॉक-आई तकनीक

क्रिकेट में अक्सर किसी गेंदबाज के संदिग्ध या अवैध बॉलिंग एक्शन को लेकर विवाद खड़ा हो जाता है, जिसकी जांच मैच के कई दिनों बाद आईसीसी की लैब में होती है। लेकिन अब आईसीसी इसे मैच के दौरान ही ट्रैक करने की तैयारी में है। नए नियमों के तहत अंपायरों को लाइव मैच के दौरान ही किसी खिलाड़ी के बॉलिंग एक्शन की वैधता की जांच करने के लिए हॉक-आई तकनीक का उपयोग करने का अधिकार दिया जा सकता है। इससे अगर कोई गेंदबाज अपनी कोहनी को तय नियम यानी कि 15 डिग्री से ज्यादा मोड़ रहा होगा, तो अंपायर मैदान पर ही तकनीक की मदद से तुरंत फैसला ले सकेंगे, जिससे खेल में पारदर्शिता और बढ़ेगी।

विनेश को मिली ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति

दुबई। भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ी राहत मिली है। भारतीय कुश्ती महासंघ (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने एशियन गेम्स के ट्रायल्स के लिए ऐसा नियम बनाया था, जिससे विनेश फोगाट का इसमें भाग लेना मुश्किल नजर आ रहा था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दे दी है। 6 मई को भारतीय कुश्ती महासंघ ने एशियन गेम्स ट्रायल्स के लिए एक नया क्राइटेरिया जारी किया था।

भारतीय स्टेट बैंक
तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा(10009), ब्लॉक बी-1, पुजारी चेंबर्स, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.) मो. 8889375554, 8458805424
ई-नीलामी तिथि 29.06.2026, सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक

विक्रय नोटिस

परिशिष्ट–IV क (नियम 8(6) का परन्तुक देखें) अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी हैं, का प्रतीकात्मक / भौतिक कब्जा भारतीय स्टेट बैंक प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहाँ है जैसा है और जो कुछ भी है"** के आधार पर निम्न वर्णित ऋणियों से भारतीय स्टेट बैंक प्रतिभूत लेनदार को निम्नवर्णित तालिका के कॉलम "D" में वर्णित बकाया राशि एवं उस पर देय ब्याज व अन्य खर्चों की वसूली हेतु दिनांक **29.06.2026 (विक्रय की तारीख) को समय प्रातः 11.00 से सायं 4 बजे** तक (10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ) बेचा जाएगा.

क्र. (A)	ऋणी का नाम (B)	संपत्ति का विवरण एवं टाइटल धारक का नाम (C)	बकाया राशि जिस हेतु संपत्ति का विक्रय किया जा रहा है एवं मांग सूचना पत्र दिनांक (D)	आरक्षित मल्य ईएमडी (धरोहर राशि) वृद्धि दर
1	**उधारकर्ता- मेसर्स सिद्धिविनायक डिस्ट्रीब्यूशन, प्रोप.: श्रीमती हर्षना दवे** पति श्री प्रदीप दवे, **जमानतदारों- 1) श्री प्रदीप दवे** पिता श्री मधुसूदन दवे, **2) श्री प्रवीण दवे** पिता श्री मधुसूदन दवे, **3) श्री मधुसूदन दवे** पिता श्री केशव राम दवे एवं **4) श्रीमती ज्योति मेहता** पति श्री शशांक मेहता	परिवर्तित खुली भूमि का समस्त भू-भाग स्थित प्लॉट नंबर ए-9 (सेल डीड के अनुसार पुराना खसरा नंबर 603/1का भाग, प्लॉट नंबर ए-1) खसरा नंबर 1053/59, 1366/68,1367/63,1355/27, पी.सी नंबर 14/19ए, मौजा कुरूद, तहसील व जिला-दुर्ग, क्षेत्रफल - 3000.00 वर्गफीट। सेल डीड दिनांक 19.01.1989, पुस्तक क्रमांक एटीआई-1,ग्रंथ क्रमांक 7611, दस्तावेज़ क्रमांक 8715, पृष्ठ क्रमांक 37 से 42 तक, मालिकाना हक - श्रीमती लीलावती देवी पति श्री एम.के. दवे। श्रीमती लीलावती देवी के मृत्यु के बाद राजस्व प्रकाशन क्रमांक 148 अ/6/2011-12, दिनांक 27.01.2012 के अनुसार, संपत्ति का नामांतरण निम्नलिखित के नाम पर किया गया : 1. श्री प्रदीप दवे पिता श्री मधुसूदन दवे, 2. श्री प्रवीण दवे पिता श्री मधुसूदन दवे, 3. श्री मधुसूदन दवे पिता श्री केशव राम दवे एवं 4. श्रीमती ज्योति मेहता पति श्री शशांक मेहता। सीमाएं (टाइटल डीड के अनुसार):- उत्तर: प्लॉट नं ए-8, दक्षिण: सड़क, पूर्व: सड़क, पश्चिम: प्लॉट नं ए-2 **(प्रतीकात्मक कब्ज़ा)**	₹ 48,42,343.00 दिनांक 01.05.2024 को एवं दिनांक 02.05.2024 से ब्याज+ अन्य विधिक खर्च प्रभावी	₹ 29,70,000.00 ₹ 2,97,000.00 ₹ 25,000.00
2	**उधारकर्ता- श्री प्रदीप दवे** पिता श्री मधुसूदन दवे, **श्री प्रवीण दवे** पिता श्री मधुसूदन दवे, **श्री मधुसूदन दवे** पिता श्री केशव राम दवे, **मेसर्स सिद्धिविनायक डिस्ट्रीब्यूशन, प्रोप.: श्रीमती हर्षना दवे** पति श्री प्रदीप दवे	फ्रीहोल्ड संपत्ति का समस्त भू-भाग भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर 12/2, प.ह नंबर 48 (सेल डीड के अनुसार पुराना खसरा नंबर 12, प.ह नं 54), मौजा कोसा, वार्ड नंबर 03 कोसा नगर वार्ड, कोसा नगर के अंतर्गत, तहसील एवं जिला - दुर्ग (छ.ग), क्षेत्रफल - 0.030 हेक्टेयर (2800 वर्ग फीट) पंजीकरण उप जिला दुर्ग एवं जिला दुर्ग (छ.ग.) के अंतर्गत, मालिकाना हक - श्री मधुसूदन दवे पिता स्वर्गीय श्री के.जी. दवे। सेल डीड दिनांक 06.12.2018, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 34022, दस्तावेज़ क्रमांक 3649, पृष्ठ क्र. 119-141. सीमाएं: उत्तर: स्वर्गीय उषा भट्ट का मकान, दक्षिण: विक्रेता की शेष भूमि,पूर्व : सड़क, पश्चिम : विक्रेता की शेष भूमि। **(भौतिक कब्ज़ा)**	₹ 86,75,874.00 दिनांक 01.05.2024 को एवं दिनांक 02.05.2024 से ब्याज+ अन्य विधिक खर्च प्रभावी	₹ 40,00,000.00 ₹ 4,00,000.00 ₹ 25,000.00
3	**उधारकर्ता- श्री डोमार सिंह साहू** पिता श्री प्रहलाद सिंह साहू एवं **श्रीमती लकेश्वरी साहू** पति श्री डोमार सिंह साहू	फ्रीहोल्ड संपत्ति का समस्त भू-भाग भूमि एवं भवन स्थित खसरा नंबर 178/37, प्लॉट नंबर 100, प.ह नंबर 06/07 (सेल डीड के अनुसार पुराना प.ह नं 07 ए), मौजा बघेरा, वार्ड नंबर 56, राम नगर के अंतर्गत ,आरएनएम दुर्ग -2 , तहसील एवं जिला - दुर्ग, क्षेत्रफल - 1500 वर्ग फीट, पंजीकरण उप- जिला एवं जिला - दुर्ग (छ.ग) के अंतर्गत, मालिकाना हक- श्री डोमार सिंह साहू पिता श्री प्रहलाद सिंह साहू . सेल डीड दिनांक 25.07.2016, पुस्तक क्रमांक 1, खंड क्रमांक 32572, दस्तावेज़ क्रमांक 1685(सी), पृष्ठ क्रमांक 63-74. सीमाएँ:- उत्तर: सुनील सोनी का प्लॉट नंबर 51, दक्षिण: प्रवीण सिंह का प्लॉट नंबर 99,पूर्व: शिवलखन के मकान का प्लॉट नंबर 94, पश्चिम: सड़क. **(भौतिक कब्ज़ा)**	₹ 39,70,176.00 दिनांक 09.06.2024 को एवं दिनांक 10.06.2024 से ब्याज+ अन्य विधिक खर्च प्रभावी	₹ 33,75,000.00 ₹ 3,37,500.00 ₹ 25,000.00
4	**उधारकर्ता- श्रीमती वकीला बानो** पति मोहम्मद असलम खान	संपत्ति का समस्त भू-भाग स्थित फ्लैट नंबर 36 (2 बीएचके), पांचवीं मंजिल, ब्लॉक डी 8, चौहान हाउसिंग (चौहान ग्रीन वैली), चौहान टाउन के सामने, मौजा- खम्हरिया एवं जुनवानी, भिलाई तहसील एवं जिला- दुर्ग, निर्मित क्षेत्र- 663.27 वर्ग फीट (61.64 वर्ग मीटर), पंजीकरण उप- जिला दुर्ग एवं जिला- दुर्ग (छ.ग) के अंतर्गत, मालिकाना हक -श्रीमती वकीला बानो पति मो. असलम खान. सेल डीड दिनांक 01.02.2019, पुस्तक क्र. 1, ग्रंथ क्र. 34081, पृष्ठ 70 से 96, दस्तावेज़ क्रमांक 4613.सीमाएँ (सेल डीड के अनुसार) :-उत्तर: फ्लैट नंबर डी8-35, दक्षिण: आसमान की ओर खुला/ब्लॉक डी-7, पूर्व: आसमान की ओर खुला, पश्चिम: फ्लैट नं डी8-37. **(भौतिक कब्ज़ा)**	₹ 26,07,132.00 दिनांक 13.10.2024 को एवं दिनांक 14.10.2024 से ब्याज+ अन्य विधिक खर्च प्रभावी	₹ 15,50,000.00 ₹ 1,55,000.00 ₹ 25,000.00

इच्छुक बोली लगाने वाले/ खरीददारों को नीलामी के उचित समय से पहले बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता **Baanknet** के संबंधित ई-नीलामी वेब पोर्टल **https://baanknet.com** में रजिस्ट्रेशन कर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाईन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि को ट्रांसफर करना होगा। यदि ग्लोबल ईएमडी वालेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। नीलामी के पूर्व रजिस्ट्रेशन, केवायसी दस्तावेजों का सत्यापन और वालेट में ईएमडी जमा अग्रिम रूप से किया जाना चाहिए। प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी एवं सूचना के अनुसार संपत्तियों पर कोई अन्य भार नहीं है, फिर भी इच्छुक निविदाकर्ता अपनी निविदा जमा करने से पूर्व संपत्तियों से संबंधित किसी भी भार के विषय में संबंधित कार्यालय/ विभाग से जानकारी प्राप्त करें। संपत्ति से संबंधित निर्णय निविदादाता को स्वविवेक से लेना होगा। सभी वैधानिक / गैर-सांविधिक बकायों, करों, दरों, निर्धारणों, प्रभारों, शुल्कों आदि का भुगतान, जो किसी प्राधिकारी या किसी को देय हो, का भुगतान केवल सफल बोली लगाने वाले की ही जिम्मेदारी होगी। ई-नीलामी की प्रक्रिया बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता **Baanknet द्वारा वेब पोर्टल https://baanknet.com के माध्यम से संचालित की जावेगी**। विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइटों पर अवलोकन करें - **www.baanknet.com / www.sbi.co.in**.

यह प्रकाशन ऋणी / जमानतदारों / बधककर्ताओं को प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के अन्तर्गत 30 दिवसीय सूचना भी है।

संपत्ति के निरीक्षण का दिनांक एवं समय: 01.06.2026 से 26.06.2026 के बीच (पुर्व में लिए गए समय अनुसार)

यह सूचना अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित की जा रही है। व्याख्या के किसी भी मामले में अंग्रेजी संस्करण अंतिम होगा।

दिनांक: 24.05.2026, स्थान- रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक,सार्ब,रायपुर

SBI भारतीय स्टेट बैंक
फुटकर आस्ति लघु एवं मध्यम उद्यम शहरी ऋण केन्द्र एवं तनावग्रस्त आस्ति निवारण केन्द्र
द्वितीय तल, गैलेक्सी हाईट्स, व्यापार विहार, बिलासपुर (छ.ग.) - 495001

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के [नियम 8 (1)] के तहत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठित तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 (एक्ट 54 का 2002) के अधीन **भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- आर.ए.एस.ई.सी.सी.** एवं **सार्क, बिलासपुर** का प्राधिकृत अधिकारी है, प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऋण लेने वाले निम्नलिखित बकायेदार को निम्नलिखित तारीख को मांग सूचना तथा उसमें उल्लेखित निम्न रकम उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिन के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी। ऋण लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर, ऋणी/बन्धककर्ता और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता को विशेष रुप से सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों में कोई लेन-देन न करें और उसमें किसी प्रकार का लेन-देन **भारतीय स्टेट बैंक, शाखा- आर.ए.एस.ई.सी.सी.** एवं **सार्क, बिलासपुर** को देय बकाया राशि एवं उस पर ब्याज आदि के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

ऋणी का नाम	सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	बकाया राशि
ऋणी- सुश्री नंदनी पुत्री- बिश्वेश्वर प्रसाद	सुश्री नंदिनी पुत्री श्री बिश्वेश्वर प्रसाद) के नाम पर मकान/फ्लैट नं. फ्लैट नं. E902 (यानी 9002), 9वीं मंजिल, ब्लॉक-3/E, हर्षित लैंडमार्क, लुंकद पेट्रोल पंप के पास, रिंग रोड नंबर 2, वीर सावरकर वार्ड, हरिपुर, मौजा- जरवे, तहसील व जिला- रायपुर। निर्मित क्षेत्रफल 512.00 वर्ग फीट में स्थित फ्लैट के समस्त भाग व अंश। है। **चौहद्दी: उत्तर-** फ्लैट नं. E903 (यानी 9003), **दक्षिण-** सीढ़ियाँ, **पूर्व-** खुला आसमान, **पश्चिम-** गलियारा।	19/01/2026 कब्जा की तिथि 16/05/2026	₹ 30,80,398.00 + ब्याज व अन्य अतिरिक्त खर्च

दिनांक : 23.05.2026, स्थान : बिलासपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

दुनिया में अब तक खोजे गए सबसे दुर्लभ जीवाश्म, जिनका रहस्य आपको कर देगा हैरान

जीवाश्म विज्ञानी विभिन्न प्रकार के जीवाश्म खोजने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ज्यादातर जीवाश्म विज्ञानी डायनासोर के जीवाश्मों की खोज करने का प्रयास करते हैं। हालांकि, जाने अनजाने उन्हें कई अनोखे और दुर्लभ जीवों के जीवाश्म भी मिल जाते हैं। इन सभी के जरिए कई रहस्यों की गुत्थी खुल जाती है और नए जीवों के बारे में अहम जानकारी मिलती है। आइए दुनिया के कुछ सबसे दुर्लभ जीवाश्मों के बारे में जानते हैं।

बिना सींघ वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म

2021 में चीन में शोधकर्ताओं को एक 26.5 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला था। यह एक बिना सींघ वाले विशाल गैंडे का जीवाश्म था। पैरासेराथेरियम लिनक्सियान्स नाम के इस गैंडे की लंबाई 6 फीट और ऊंचाई 16.4 फीट थी। इसका वजन 24 टन हुआ करता था, जो चार अफ्रीकी हाथियों के बराबर है। इस गैंडे को दुनिया के सबसे विशाल जानवरों में से एक माना जाता है। शोधकर्ता इस जानवर की हड्डियों के आकार को देखकर हैरान रह गए थे।

कई रहस्यों की गुत्थी खुल जाती है और नए जीवों के बारे में अहम जानकारी मिलती है

अमर केकड़े का जीवाश्म

एम्बर एक कठोर, पीले रंग का पदार्थ होता है, जो लाखों सालों में प्राचीन वृक्षों के रस से बनता है। इसके अंदर कई बार जानवर रह जाते हैं और जीवाश्म में तब्दील हो जाते हैं। 2021 के अक्टूबर महीने में शोधकर्ताओं को एक अनोखा एम्बर मिला था, जिसके अंदर एक केकड़ा मौजूद था। इससे यह केकड़ा अमर हो गया यानि उसका शरीर सदियों से उसी अवस्था में है, जैसा पहले हुआ करता था।

मछली के फेफड़े का जीवाश्म

फरवरी 2021 में वैज्ञानिकों को मछली की एक नई प्रजाति मिली थी, जो सदियों पहले विलुप्त हो गई थी। उन्हें इस मछली के फेफड़े का जीवाश्म मिला था। इसके जरिए सामने आया कि यह मछली विशाल सफेद शार्क जितनी बड़ी थी। इसे कोइलाकैंथ कहा जाता है, जिसके फेफड़े का जीवाश्म करीब 6.6 करोड़ साल पुराना है। यह अनोखा जीवाश्म मोरक्को में खोजा गया था। फेफड़े को हुए नुकसान से पता चलता है कि इसे किसी प्लेसियोसॉर मछली ने मारा होगा।

टुली राक्षस का जीवाश्म

टुली राक्षस का जीवाश्म अब तक खोजा गया सबसे दुर्लभ जीवाश्म है। यह स्ट्रिप खदानों में माजोन क्रीक संरचना में पाया गया था, जो लगभग 30 करोड़ साल पुराना है। इसे 1955 में शौकिया जीवाश्म शिकारी फ्रांसिस टुली ने खोजा था। यह एक लंबे कीड़े का जीवाश्म था, जिसकी डंठल जैसी आंखें, छोटे दांतों वाली लंबी सूंड और पूंछ के पास पंख हुआ करते थे। सदियों तक इस जीव की पहचान कर पाना मुश्किल हो गया था।

रोचक खबरें

लोग कुत्ते संभालने के लिए रख रहे हैं दाई ₹ करोड़ रुपये तक है सालाना कमाई

टेक्सास। कुत्ते जानवरों के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं, जिन्हें हर कोई पालना चाहता है। हालांकि, जिंदगी की भाग-दौड़ के बीच उन्हें पालना तो आसान है, लेकिन उनकी देखभाल करना मुश्किल। इस समस्या का हल अमेरिका के लोगों ने खास तरीके से निकाला है। यहां पर लोग कुत्तों के लिए दाई रख रहे हैं, जिन्हें 'डॉग नैनी' या 'डॉग गवर्नर' कहते हैं। इस काम के जरिए लोग सालाना करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। हाउसहोल्ड स्टाफिंग एक अमेरिकी घरेलू भर्ती एजेंसी है, जिसने बताया है कि पिछले एक साल में कुत्तों वाली दाई की मांग 3 गुना बढ़ गई है। हम सभी कुत्तों की देखभाल करने वालों के बारे में तो जानते ही थे, लेकिन यह नौकरी उससे थोड़ी अलग है। इसमें दाई कुत्ते को टहलाने और खिलाने के साथ-साथ हफ्ते में 40-50 घंटे उसके साथ ही बिताती है। लिहाजा, ये दाई कुत्ते से जुड़े घर के सभी काम करती हैं। कुत्तों वाली दाई कुत्तों के लिए पूरे दिन का एक रूटीन यानि दिनचर्या सेट करती हैं। उनका काम कुत्ते को नहलाना, टहलाना, खिलाना, सुलाना, उनके साथ खेलना और यहां तक कि उन्हें डॉक्टर के पास ले जाना तक होता है। उन्हें इस काम को करने के लिए सालाना 2.78 करोड़ रुपये से ज्यादा मिलते हैं। दाई कुत्तों को प्रशिक्षित भी करती हैं, ताकि वे अच्छा व्यव्हार करना सीखें और उनके मालिक और मालकिन के साथ अच्छे से रह सकें। यह ट्रेंड तेजी से वायरल तो हो रहा है, लेकिन अभी यह केवल अमेरिका के अमीर लोगों के बीच प्रचिलित है। मैनहटन, ब्रुकलिन, हैम्पटन, दक्षिण फ्लोरिडा और कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों के अमीर लोग कुत्तों के लिए दाई को नौकरी पर रखते हैं।

माइकल जॉर्डन के जूते हुए 6 करोड़ में नीलाम, अन्य दिग्गज खिलाड़ियों की वस्तुएं भी बिकीं

टेक्सास। अपने प्रशंसकों द्वारा प्यार से ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स बुलाए जाने वाले पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी माइकल जॉर्डन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उनके खेल के दौरान पहने गए नाइकी के एयर जॉर्डन जूतों की बीते गुरुवार को नीलामी हुई। इस नीलामी में केवल जॉर्डन ही नहीं, बल्कि स्वर्गीय दिग्गज खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की भी वस्तुएं नीलाम की गई हैं। आइए खेल से जुड़ी यादगार वस्तुओं की इस नीलामी के विषय में विस्तार से जानते हैं।

जॉर्डन ने करियर की शुरुआत के दौरान पहने थे ये जूते : नीलाम होने वाले नाइके एयर शिप्स जूते जॉर्डन के करियर के शुरूआती दिनों के हैं। उन्होंने इन्हें 2 दिसंबर, 1984 में पहना था, जब शिकागो बुल्स और लाकर्स का मुकाबला हुआ था। इन्हें सोथबी नामक नीलामीघर ने नीलाम करवाया है और यह 6 करोड़ से भी ज्यादा कीमत पर बिके हैं। इन जूतों को फोटो मैच करके इनकी प्रामाणिकता की जांच की गई है और इन पर जॉर्डन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं।

कोबे की जर्सी ने भी की खूब कमाई : कोबे के निधन के बाद भी वह लोगों के दिलों में जिंदा हैं। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उनकी जर्सी भी इस नीलामी का मुख्य आकर्षण रही। यह जर्सी उन्होंने 20 और 27 अप्रैल, 2010 को वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस क्वार्टर फाइनल के खेलों के दौरान पहनी थी। पहले उन्होंने इसे दूसरे खेल के दौरान पहना था, फिर 5वें के दौरान कैरी किया था। यह 2.52 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेची गई है।

हस्ताक्षरित बास्केटबॉल भी रही नीलामी का मुख्य आकर्षण : इस नीलामी के दौरान एक बास्केटबॉल भी बेची गई है, जिसे बेहद खास माना जाता है। साल 2000 में एनबीए फाइनल के छठे खेल के दौरान इसे इस्तेमाल किया गया था। इस पर लेकर्स टीम के कुल 12 खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें कोबे भी शामिल थे। सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर आज भी सुरक्षित रूप से गेंद पर मौजूद हैं और फोटो मैच करके इसकी प्रामाणिकता भी जांची गई है।

ट्रेंड

बच्चों की जगह गुड्डे-गुड़िया पाल रहे हैं जेन-जेड

आखिर क्या है यह विचित्र ट्रेंड?

बच्चे गुड्डे-गुड़िया से खेलना पसंद करते हैं, लेकिन बड़े भी ऐसा करने लगें तो अजीब लगता है। यह जेन-जेड के बीच एक नया लोकप्रिय ट्रेंड है, जिसमें वे बच्चों की जगह गुड्डे-गुड़िया पाल रहे हैं। वे इन खिलौनों को अपने बच्चों की तरह ही रखते हैं और उनकी पूरी शिद्दत से देखभाल करते हैं। उनकी दिनचर्या में इन गुड्डे-गुड़िया को खिलाना, सुलाना, पढ़ाना और यहां तक कि उनके डाइपर बदलना तक शामिल है। यह ट्रेंड जेन-जेड महिलाओं के बीच खास तौर से प्रसिद्ध है। इसे 'दर्द रहित पेरेंटिंग' नाम दिया जा रहा है, जिसमें रुई से भरे गुड्डे-गुड़िया को बच्चों की तरह अपने पास रखा जाता है। इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं, जिसमें लोग अपने गुड्डे-गुड़िया का जन्मदिन मनाते हैं या उनकी दिनचर्या साझा करते हैं। ये लोग इन खिलौनों पर लाखों रुपये तक खर्च कर डालते हैं, जो आम तौर पर बच्चों की देखभाल में लगते हैं।

क्या है गुड्डे-गुड़िया पालने की वजह?

एक सर्वे से सामने आया है कि 85 प्रतिशत लोग प्यारे और मनमोहक रूप के कारण गुड्डे-गुड़िया पालते हैं। जबकि, 58 प्रतिशत लोगों ने भावनात्मक लगाव को एक प्रमुख वजह बताया। एक व्यक्ति ने कहा, गुड़िया में जान नहीं होती, बल्कि उसे प्यार देने से उसमें जान आती है। कई लोग खास वजह से कोरियाई आइडल जैसी गुड़िया पालते हैं। उनका कहना है कि ये सितारे हमें कभी नहीं मिल सकते तो हम उनके जैसी गुड़िया ही साथ रखते हैं।

अमेरिका और यूरोप में भी बढ़ रहा यह ट्रेंड

केवल एशिया के ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों के लोग भी गुड्डे-गुड़िया के माता-पिता बन रहे हैं। इनमें अमेरिका और यूरोप के कई देश भी शामिल हैं। यहां के लोग रुई की नहीं, बल्कि असली बच्चों जैसी दिखने वाली गुड़िया पालते हैं। इन्हें रीबॉर्न गुड़िया कहा जाता है, जिन्हें देखकर आप कह ही नहीं सकते कि वे असली बच्चे नहीं हैं। इन्हें ज्यादातर वो महिलाएं पाल रही हैं, जो मां बनने का सुख नहीं प्राप्त कर पाई थीं।

एशिया में कैसे हुई इस ट्रेंड की शुरुआत?

यह ट्रेंड सबसे ज्यादा एशिया के देशों में देखने को मिल रहा है, जिनमें चीन, जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। यहां इसकी शुरुआत 2016 में हुई थी, जब कोरियाई आइडल ग्रुप ईएक्सओ के प्रशंसकों ने किम जोंग-डे की एक गुड़िया बनाई थी। इसके बाद भारी मात्रा में लोगों से प्रेरित गुड़िया बनने लगीं, जो सेलिब्रिटीज या एनिमे पात्रों पर आधारित थीं। लोग इन्हें बच्चों की तरह गोद लेने लगे और 'डॉल मम्मी' या 'डॉल पापा' कहलाए जाने लगे।

आता है हजारों का खर्चा

जब तक इन लोगों के आर्डर किए हुए गुड्डे-गुड़िया घर नहीं आते हैं, तब तक वे खुद को गर्भवती बताते हैं। सभी लोग पहले एक साधारण गुड़िया से शुरुआत करते हैं, फिर उसके लिए कपड़ों से लेकर बाल तक खरीदते हैं। कई गुड़िया पालने वाली माताएं अपने खिलौनों के लिए कपड़े, विग, जूते और अन्य सामान खरीदने पर हजारों रुपये खर्च करती हैं।

सिर्फ 26 मिनट में 283 करोड़ रुपये में बिक गया तांबे के हिप्पो वाला बार

न्यूयार्क। बाजार में कई आकार वाले बार मिलते हैं, जिनमें ड्रिंक्स रखी जाती हैं। कुछ होनहार लोग अपनी रचनात्मकता का प्रमाण देते हुए खूबसूरत दिखने वाले बार भी बनाते हैं, जो घर की शोभा बढ़ा देते हैं। ऐसे ही एक दुर्लभ बार की नीलामी हुई है, जिसने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह बार तांबे से बनाया गया है, जो कि एक हिप्पो के आकार का है। बता दें कि यह 283 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बिका है। इस बार की नीलामी का आयोजन सोथबी ने करवाया था। इसकी नीलामी न्यूयॉर्क में करवाई गई थी। यह नीलामी में बिकने वाली अब तक की सबसे मूल्यवान डिजाइन वस्तु बन गई है। इसे फ्रांकोइस-जेवियर लालाने नाम के डिजाइनर ने बनाया था और यह उनकी रचनाओं में से सबसे मूल्यवान वस्तु भी बन गई है। लोग इसकी बनावट को देखकर अचंभित थे, जिसके चलते इसका दाम अनुमानित कीमत से 3 गुना ज्यादा लगा। महज 26 मिनट में इसकी बोली 283 करोड़ पहुंच गई।

जानवरों वाला फर्नीचर बनाना पसंद करते थे लालाने

लालाने को जानवरों के आकार वाली वस्तुएं बनाना बहुत पसंद हुआ करता था। वह खास तौर से हिप्पो के आकार वाली वस्तुएं बनाया करते थे, जो लोगों को भाती थीं। इस बार के अलावा उन्होंने इस जानवर के आकार वाला बाथटब भी बनाया था।

'हरक्यूलिस स्तंभ' उठाकर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय मार्शल आर्टिस्ट विस्पी खराड़ी ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करके दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। लोग उन्हें प्यार से 'स्टील मैन ऑफ इंडिया' कहकर पुकारते हैं, जो उनके व्यक्तित्व पर सटीक बैठता है। अब उन्होंने सबसे भारी वजन वाले 2 'हरक्यूलिस स्तंभ' उठाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। इस कारनामे के जरिए उनका नाम एक बार फिर गिनीज बुक में शामिल हो गया है। आइए उनके रिकॉर्ड के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अटारी बॉर्डर पर बनाया गया था यह रिकॉर्ड : विस्पी ने जो स्तंभ उठाए थे, उन दोनों का कुल वजन 261 किलोग्राम था। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक स्तंभ का वजन एक पोलर बियर के वजन का लगभग आधा था। यह रिकॉर्ड पंजाब के अटारी बॉर्डर पर बनाया गया था, जिसे देखने के लिए हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी थी। सभी ने विस्पी की हौसला अफजाई की और इस बेहतरीन मार्शल आर्टिस्ट ने 1 मिनट 7 सेकंड तक दोनों स्तंभों को उठाए रखा था।

भारतीय सेना को समर्पित था यह रिकॉर्ड

नया रिकॉर्ड बनाने के बाद विस्पी की खुशी का ठिकाना नहीं था और उन्होंने एक प्रेरक भाषण भी दिया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना भाषण साझा भी किया था। विस्पी ने अक्षय कुमार को धन्यवाद दिया, जिन्हें वह अपना 'शिहान' यानि वरिष्ठ प्रशिक्षक मानते हैं। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड हमारी रक्षा करने वाली भारतीय सेना, बीएसएफ और विशेष रूप से 1965 के युद्ध में लड़ी गई डोगराई की लड़ाई को समर्पित है। यह पहली बार नहीं है, जब विस्पी ने कोई विश्व रिकॉर्ड कायम किया हो। इसके अलावा भी 16 रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हैं।

अनोखा स्टेशन, जहां न टिकट खिड़की, न प्लेटफॉर्म

जयपुर। भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इसका कुल रूट लगभग 68,000 से 70,000 किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है। बड़े-बड़े रेलवे स्टेशन, आधुनिक सुविधाएं, ऑनलाइन टिकट बुकिंग और हाईटेक प्लेटफॉर्म आज भारतीय रेलवे की पहचान बन चुके हैं। लेकिन, इसी देश में एक ऐसा रेलवे स्टेशन भी मौजूद है, जिसके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। यह स्टेशन सालों तक बिना प्लेटफॉर्म और बिना टिकट खिड़की के चलता रहा। यहां टिकट लेने के लिए यात्रियों को किसी काउंटर पर लाइन नहीं लगानी पड़ती थी, बल्कि यहां एक ठेकेदार बैग में टिकट लेकर स्टेशन पहुंचता था और वहीं टिकट बेचता था। यही अनोखी व्यवस्था अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के करीब लीलमा और जैसिंधर रेलवे स्टेशन मौजूद हैं। ये स्टेशन काफी पुराने बताए जाते हैं और इनका इतिहास आजादी से पहले का माना जाता है।

सालों तक नहीं बना प्लेटफॉर्म

आमतौर पर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सबसे जरूरी सुविधा माना जाता है, लेकिन लीलमा और जैसिंधर स्टेशन पर लंबे समय तक प्लेटफॉर्म ही मौजूद नहीं था। ट्रेनें सीधे पटरियों के किनारे रुकती थीं और यात्रियों को नीचे से ही ट्रेन में चढ़ना पड़ता था। यह काम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए काफी मुश्किल भरा होता था। कई बार यात्रियों को भारी सामान के साथ ऊंची सीढ़ियों पर चढ़ने में परेशानी होती थी और छोटी सी लापरवाही हादसे का कारण बन जाती थी।

एफिल टॉवर की सीढ़ियों का एक हिस्सा नीलाम

5 करोड़ रुपये लगी कीमत

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित एफिल टावर इस देश की पहचान है। ऐसे में जाहिर है कि इससे संबंधित हर एक वस्तु बेशकीमती ही होगी। यह बात हाल ही में सच साबित हुई, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के एक छोटे हिस्से की नीलामी हुई। यह हिस्सा 5 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की कीमत पर नीलम हुआ है। एफिल टावर का निर्माण 1889 के विश्व मेले के लिए किया गया था और ये सीढ़ियां भी उसी समय की हैं। इसकी नीलामी का आयोजन 'आर्टक्यूरियल पेरिस' नाम के नीलामीघर ने करवाया था। करीब 4 दशक पहले एफिल टावर पर लगी 526 फीट लंबी सीढ़ियों को कई छोटे-छोटे हिस्सों में काट दिया गया था और उनकी जगह लिफ्ट लगाई गई थीं। यह हिस्सा भी उन्हीं काटे गए हिस्सों में से एक है।

क्या है इन सीढ़ियों की खासियत?

नीलाम होने वाले हिस्से में कुल 14 सीढ़ियों हैं, जिसकी लंबाई 9 फीट है। यह एक घुमावदार हिस्सा है, जो 1270.06 किलो का है। नीलामीघर ने उम्मीद लगाई थी कि यह हिस्सा करीब एक से 1.67 करोड़ रुपये के बीच बिक सकता है। हालांकि, यह अनुमानित कीमत से 3 गुना ज्यादा कीमत पर बिका और इसकी कीमत 5.02 करोड़ रुपये लगी। इसे खरीदने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है।

पेरिस ओलंपिक ने और बढ़ाई लोकप्रियता : नीलामीघर का कहना है कि 2024 में हुए पेरिस ओलंपिक के बाद शहर के स्मारकों की लोकप्रियता और बढ़ी है। नीलामीघर की आर्ट डेको डिजाइन निदेशक सबरीना डोला ने कहा, जब आप एफिल टावर का टुकड़ा खरीदते हैं तो आप पेरिस का एक टुकड़ा खरीद रहे होते हैं। साथ ही वह सारी कल्पना और प्रतीकवाद भी, जो यह दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, हम निश्चित रूप से एफिल टावर के प्रतीक और सौंदर्य अपील में नई रुचि देख रहे हैं।

दुनियाभर में प्रदर्शित हैं एफिल टावर की सीढ़ियों के अन्य हिस्से

यह पहली बार नहीं है, जब एफिल टावर की सीढ़ियों के हिस्से बेचे गए हैं। इससे पहले 2008 में एक अमेरिकी निजी खरीदार ने इसका एक हिस्सा 6.13 करोड़ की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा था। एफिल टॉवर की सीढ़ियों के 9 से 30 फीट की लंबाई वाले कई अन्य टुकड़े दुनियाभर के प्रतिष्ठित स्थानों में सजाए गए हैं। इसके कुछ हिस्से न्यूयॉर्क के 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी', जापान के योशी फाउंडेशन के बगीचों और कई निजी संग्रहों में रखे गए हैं।

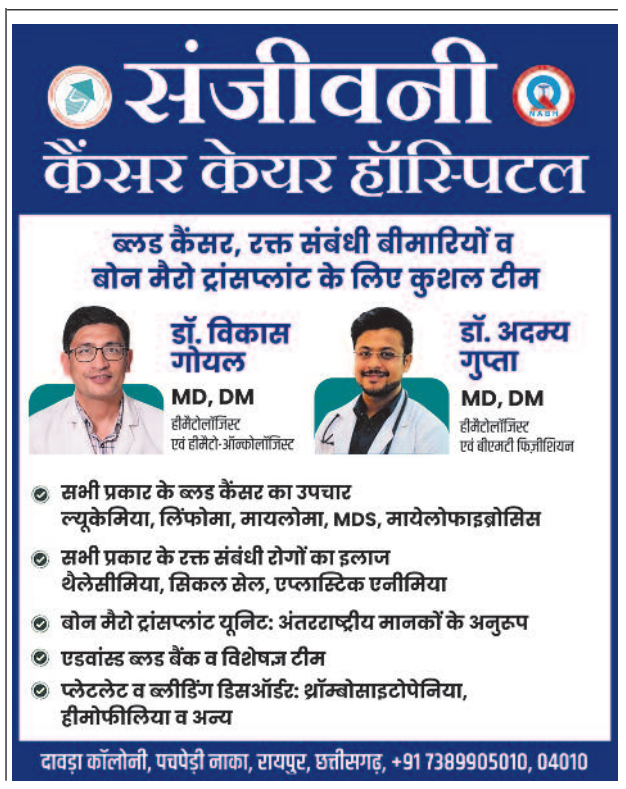

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com